अब हर
रोज दर्पण
» 3

जबलपुर शुक्रवार 07 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी

वर्ष 32 अंक 41 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

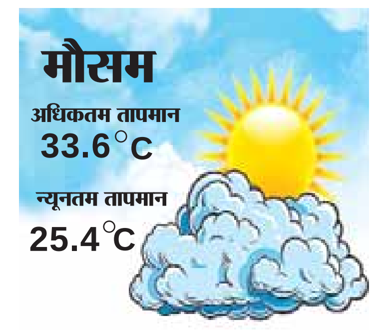

मौसम

अधिकतम तापमान 33.6°C

न्यूनतम तापमान 25.4°C

सूर्योदय - 5.44 | सूर्यास्त - 6.49

सराफा व्यापारी से लूट की वारदात... » 4

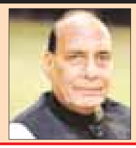

नागरिक-सैनिक सहयोग बढ़ाकर विकसित ... » 7

विधायक संजय पाठक विजयराघवगढ़ के .. » 9

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर खर्च हुए 74.5 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर हुए खर्च को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में खुलासा किया है। गुरुवार को राज्यसभा में विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर इस साल अब तक लगभग 74.5 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और सीपीआई (एम) सांसद डॉ. वी. शिवदासन ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से जुड़ा अनतारंकित प्रश्न (संख्या 2172) पूछा था। सांसदों ने 2021 से अब तक हर साल और यात्राओं के हिसाब के खर्च, हस्ताक्षर किए गए समझौतों और देश में आए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की जानकारी मांगी थी। विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा ने राज्यसभा में लिखित जवाब दाखिल किया। इसमें उन्होंने बताया कि साल 2021 से अब तक प्रधानमंत्री की गई सभी विदेश यात्राओं और उन पर हुए कुल खर्च का पूरा ब्योरा पेश कर दिया गया है। संसद में पेश रिपोर्ट के अनुसार, महीने-दर-महीने और देशवार खर्च का ब्योरा इस प्रकार है- साल 2026 की शुरुआत में फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी के मलेशिया दौरे पर लगभग 5.57 करोड़ रुपये खर्च हुए। वहीं इजरायल दौरे पर करीब 11.92 करोड़ रुपये का खर्च आया। मई में प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों का बड़ा यूरोप और खाड़ी दौरा किया। इसमें यूएई पर 1.97 करोड़ रुपये, नीदरलैंड पर 3.60 करोड़ रुपये, स्वीडन पर 6.33 करोड़ रुपये, जून में स्लोवाक रिपब्लिक दौरे पर करीब 4.77 करोड़ रुपये और सेशेल्स यात्रा पर लगभग 8.22 करोड़ रुपये खर्च हुए। जुलाई में ओशिनिया और

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के दौरे में इंडोनेशिया पर 3.87 करोड़ रुपये, ऑस्ट्रेलिया पर 91.18 करोड़ रुपये और न्यूजीलैंड दौरे पर 5.43 करोड़ रुपये का खर्च आया। संसदीय रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि दिए गए आंकड़ों में से कई दौरों का खर्च अभी प्रोविजिनल है। विदेशों में होटल, यात्रा और सुरक्षा एजेंसियों के सभी अंतिम बिलों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद फाइनल आंकड़ों में मामूली बदलाव हो सकता है।

सबसे महंगी रही नॉर्वे की यात्रा

नॉर्वे पर 17.46 करोड़ रुपये और इटली दौरे पर 4.23 करोड़ रुपये खर्च हुए। इस दौरान नॉर्वे यात्रा का बिल अब तक का सबसे महंगा रहा। वहीं, फ्रांस यात्रा के बिल अभी प्रोसेस में हैं, इसलिए उन्हें इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने इस दौरान पुरानी यात्राओं के खर्च के आंकड़े भी पेश किए। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में अमेरिका यात्रा पर 10.74 करोड़ रुपये, 2013 में रूस यात्रा पर 9.95 करोड़ रुपये, 2011 में फ्रांस यात्रा पर 8.33 करोड़ रुपये और 2013 में जर्मनी यात्रा पर 6.02 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

अरबों डॉलर का एफडीआई आया

विदेश मंत्रालय ने अपने जवाब में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की ये विदेश यात्राएं दूसरे देशों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक संबंधों को मजबूत करने का एक बेहद कारगर माध्यम हैं। इन यात्राओं के दौरान हुए समझौतों से तकनीक, नवाचार, व्यापार, निवेश, रक्षा और ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत हुई है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, इन अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं और मजबूत कूटनीतिक संबंधों की वजह से अप्रैल 2021 से दिसंबर 2025 के बीच भारत में कुल 381.8 अरब डॉलर का एफडीआई हुआ है।

अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

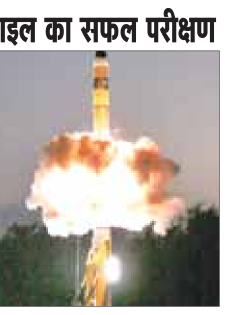

नई दिल्ली। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का 6 अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इस लॉन्च से सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैरामीटर्स की पुष्टि हुई। यह परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में किया गया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में एक भीषण सड़क दुर्घटना में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे आबान अहमद और उसके दोस्त सोनू की गुरुवार को दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब उनकी कार अनियंत्रित होकर एक डिवाइडर से जा टकराई। इस दुर्घटना में वाहन में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

रिजिजू ने संसद में गतिरोध खत्म करने राहुल गांधी से की बात

‘हम विरोधी हैं...दुश्मन नहीं’

नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से हुई बातचीत के बारे में बयान दिया है। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच सदन के सुचारू संचालन समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, राहुल गांधी से मेरी अच्छी बातचीत हुई। हमने एक खास मुद्दे को लेकर उनसे अनुरोध किया और कुछ अन्य विषयों पर भी चर्चा की। हम कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ लगातार संवाद और समन्वय के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम राजनीतिक विरोधी हो सकते हैं, लेकिन दुश्मन नहीं हैं। इसलिए हमें देशहित में मिलकर काम करना चाहिए। रिजिजू ने गृह मंत्री के संसद में आने के सवाल पर कहा, गृह मंत्री ने यहां विधेयक पेश किए हैं और वे संसद में मौजूद रहते हैं। सुबह से शाम तक काम करते हैं। स्वाभाविक है कि जिस मंत्री का विधेयक सदन में विचाराधीन होता है, वही मंत्री सदन में मौजूद रहते हैं। दरअसल, पिछले तीन हफ्तों से संसद के दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो पा रहा है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर युवाओं और छात्रों के विरोध प्रदर्शन, दिल्ली में पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों जैसे मुद्दों पर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। इन हंगामों की वजह से प्रश्नकाल से लेकर जरूरी विधयेक तक सब कुछ अटक गया है। ऐसे में सरकार चाहती है कि संसद का गतिरोध खत्म हो और जरूरी कामकाज आगे बढ़े। सूत्रों के मुताबिक, किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से बातचीत के दौरान मुख्य रूप से दो बड़े मुद्दों पर चर्चा की। सरकार चाहती है कि संसद में महिला आरक्षण विधेयक, परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन बिल और विदेशी अंशदान अधिनियम यानी एफसीआरए से जुड़े संशोधन पास किए जाएं। सरकार का मानना है कि इन बड़े विषयों पर विपक्ष का सहयोग मिलना बहुत जरूरी है। दरअसल, संविधान संशोधन से जुड़े बिलों को पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की सख्त जरूरत होती है। हालांकि एनडीए गठबंधन के साथ कुछ अन्य दलों के आने से आंकड़े थोड़े बेहतर जरूर हुए हैं, लेकिन फिर भी यह बहुमत अपने दम पर हासिल करना मुश्किल है। यही वजह है कि सरकार अब टकराव का रास्ता छोड़कर विपक्ष, खास तौर पर कांग्रेस के साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रही है। रिजिजू की इस पहल को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

विपक्ष ने रखीं तीन बड़ी शर्तें

सरकार की इस पहल के बाद भी फिलहाल कोई बड़ा समझौता नहीं हो पाया है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का रुख अब भी साफ है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मुख्य मांगें नहीं मानती, संसद का सुचारू चलना मुश्किल है। विपक्ष ने दिल्ली में छात्र प्रदर्शनों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान, अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों पर खुली चर्चा की मांग की है। साथ ही परिसीमन के मौजूदा स्वरूप पर भी विपक्ष की कड़ी आपत्तियां हैं।

अकेले कोई फैसला नहीं: राहुल

किरेन रिजिजू के साथ फोन और संसद में हुई लंबी चर्चा के बाद राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अकेले कोई फैसला नहीं लेंगे। उन्होंने साफ कहा है कि वे इस पूरे प्रस्ताव पर पहले ‘इंडिया’ गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के साथ विस्तार से बैठक करेंगे। इसके बाद ही सभी की सहमति से सरकार को अपना जवाब दिया जाएगा। राहुल ने साफ किया कि अमित शाह के स्टेटमेंट और चढ़ावा चोरी पर चर्चा के बिना सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि आगे वह डिलिमिटेशन बिल पर अपना रुख जल्द ही सरकार के साथ शेयर करेंगे।

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई में जेन-जी और जेन-अल्फा से 1 घंटे तक संवाद किया। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। उन्होंने ये बात मुंबई में इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस की 15वीं वर्षगांठ पर कही। नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। भागवत ने सरकार की गलती पर कहा- आंदोलन तब होता है, जब बातचीत नाकाम हो जाती है। अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती, तो आंदोलन की जरूरत नहीं होती। आंदोलन भी बातचीत का एक तरीका है। हम लोग जब जेन-जी की उम्र में थे, तब बड़े जो कहते थे, हम मान लेते थे, सवाल नहीं करते थे। आज की जेन-जी सवाल करती है। उन्हें जवाब चाहिए और प्यार भी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जेन-जी को आंदोलन नहीं करना चाहिए, यह तो हम नहीं कहेंगे। संविधान में लिखा है कि प्रदर्शन करना चाहिए, लेकिन यह कैसे करना है, उसे देखना चाहिए। आंदोलन हमारे या आपके खिलाफ नहीं, बल्कि सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए। जेन-जी आंदोलन कर रही है, तो वह एंटी-नेशनल नहीं है।

भागवत बोले- उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

सीजेपी शुरू करेगी ‘क्या बोलती पब्लिक’ कैंपेन

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में ‘क्या बोलती पब्लिक’ अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं।

अब गोबर से भी बढ़ेगी किसानों की कमाई

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गोबरधन योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण विकास और पूर्वोत्तर में बेहतर सड़क संपर्क को लेकर दो बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन यानी नेशनल सर्कुलर बायोएनर्जी स्कीम को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गुवाहाटी के पास बाईहाटा चारियाली से तेजपुर तक 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। इस हाईवे पर 8,970.20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नई गोबर गोबरधन योजना का मकसद देश के गोबर, कृषि अवशेष, गन्ना मिलों से निकलने वाले प्रेसमड, नगर निकायों के जैविक कचरे और दूसरे बायोमास को स्वच्छ ईंधन में बदलना है। सरकार का लक्ष्य है कि इससे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) का उत्पादन तेजी से बढ़े, किसानों को अतिरिक्त आय मिले, गांवों में रोजगार पैदा हो और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी।

उज्जैन के मंदिर में 11 अगस्त को मनेगा स्वतंत्रता दिवस

पुजारी बोले-तिथि के अनुसार मनाएंगे राष्ट्रीय पर्व

उज्जैन। देशभर में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है, लेकिन उज्जैन के प्राचीन बड़े गणेश मंदिर में इस साल आजादी का पर्व 11 अगस्त को मनाया जाएगा। दरअसल, मंदिर प्रबंधन का मानना है कि सनातन संस्कृति के सभी पर्वों की तरह स्वतंत्रता दिवस भी तिथि के अनुसार ही मनाया जाना चाहिए। 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ था, उस दिन श्रावण कृष्ण चतुर्दशी थी। वैदिक पंचांग में यह तिथि इस साल 11 अगस्त को पड़ रही है, इसीलिए मंदिर में इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी ज्योतिषाचार्य पं. अक्षत व्यास ने कहा- दीपावली, रक्षाबंधन, दशहरा और होली जैसे सभी पर्व हर साल पंचांग की तिथि के अनुसार मनाए जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस को अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख से मनाना उचित नहीं है। इसी विचार के आधार पर बड़े गणेश मंदिर में सालों से स्वतंत्रता दिवस तिथि के अनुसार मनाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश 8 राज्यों को कर रहा ऊर्जा आपूर्ति

हरित ऊर्जा के लिए किए जा रहे कार्य की विश्वभर में चर्चा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सबसे तेज गति से कार्य कर रहा है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के उत्पादन के प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। इस तरह का ऊर्जा उत्पादन 24 घंटे होगा। इस पर कार्य जारी है और मध्यप्रदेश द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की विश्वभर में चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया ‘एक्स’ में एक संदेश में कहा कि मध्यप्रदेश भारतीय रेलवे सहित 8 राज्यों में ऊर्जा की आपूर्ति का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले समय में स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनेगा। नई दिल्ली में गुरुवार को केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के साथ सातवें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन और प्रदर्शनी में सम्मिलित होकर मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा मॉडल, निवेश अनुकूल नीतियों और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति से सभी को अवगत करवाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत 2 वर्ष में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो ऊर्जा भंडारण और बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगर-शाजापुर-नीमच सौर परियोजना में 2.14 रुपए प्रति यूनिट का रिकॉर्ड न्यूनतम सौर टैरिफ प्राप्त हुआ है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ऐसे प्रयासों के कारण ही मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय रेलवे सहित 8 राज्यों में हरित ऊर्जा उपलब्ध करवाया जाना संभव हो सका है। यह गर्व करने योग्य उपलब्धि है।

तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें

पणजी

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले पहले कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। तेजपाल की तरफ से अदालत को बताया गया कि उनके खिलाफ कोई और आपराधिक मामला नहीं है, यह उनका पहला अपराध है और 2013 की घटना के बाद से वह जमानत पर हैं। उनके वकील ने न्यूनतम सजा देने की मांग की और सरेंडर करने के लिए 8 हफ्ते का समय मांगा। वहीं, सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से अधिकतम सजा देने की मांग की। उनकी दलील थी कि तेजपाल पीड़िता के लिए पिता जैसी भूमिका में थे और घटना के दौरान पीड़िता की ओर से मना किए जाने के बावजूद अपराध दोहराया गया। अभियोजन पक्ष ने यह भी कहा कि तेजपाल की तरफ से कोई पछतावा नहीं दिखा। सजा सुनाते हुए अदालत ने कहा कि घटना को 13 साल बीत चुके हैं। इस दौरान तेजपाल के खिलाफ किसी और गलत व्यवहार या ऐसी कोई दूसरी शिकायत की रिपोर्ट सामने नहीं आई। कोर्ट ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को अपनी जिंदगी में आगे बढ़ जाना चाहिए था। इसके बाद अदालत ने अलग-अलग धाराओं के तहत सजा सुनाई। भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ) के तहत तेजपाल को 10 साल की कठोर कैद और 5 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। धारा 376(2)(के) के तहत भी 10 साल की कठोर कैद और 5 लाख रुपये जुर्माने की सजा दी गई। इसके अलावा धारा 354 के तहत एक साल की कठोर कैद और 10 हजार रुपये जुर्माना, जबकि धारा 354ए के तहत भी एक साल की कठोर कैद और जुर्माना लगाया गया। धारा 354बी के तहत अदालत ने 3 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई।

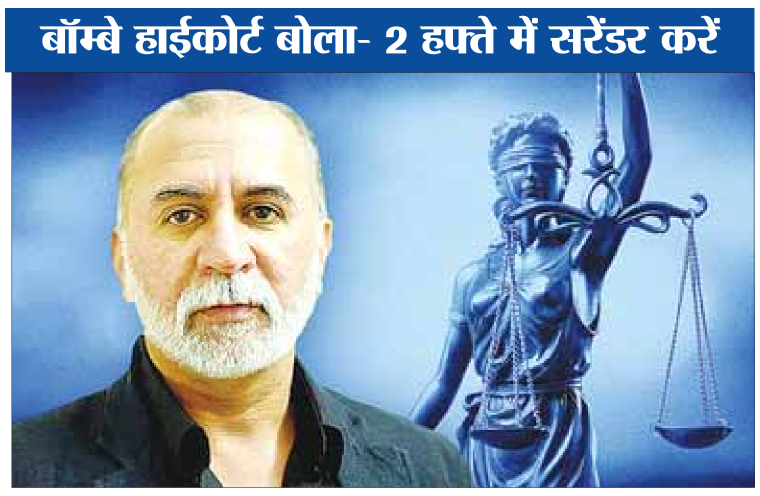

2021 में ट्रायल कोर्ट ने किया था बरी

यह मामला 2013 का है, जब तहलका की एक जूनियर महिला कर्मचारी ने गोवा के एक होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। तेजपाल ने आरोपों से इनकार किया था। गोवा की ट्रायल कोर्ट ने मई 2021 में उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था। इसके बाद गोवा सरकार ने इस फैसले को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए तेजपाल को दोषी करार दिया और इसके बाद सजा पर सुनवाई की। तेजपाल की ओर से अब इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही गई है।

31.65 लाख की चोरी का खुलासा, ऐश करने से पहले ही धरे गए शातिर चोर

चोरी के पैसों से खरीदी थीं दो कारें, खितौला पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

खितौला थाने की पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने पालीवाल कॉलोनी में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 212.3 ग्राम सोने के आभूषण, 808.8 ग्राम चांदी के जेवर, 54 हजार रुपये नकद और चोरी के पैसों से खरीदी गई दो कारें (अल्टो और अमेज) बरामद की गई हैं। जब्त किए गए कुल सामान की कीमत 31 लाख 65 हजार 200 रुपये है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय अंकित कोरी, 28 वर्षीय आकाश पटेल और 18 वर्षीय शनि पटेल निवासी ग्राम भरदा पडरिया के रूप में हुई है।

ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक कपड़ा व्यापारी कमल नारायण सोनी के बंद मकान में 12 जून को अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर अलमारी से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी पार कर दिए थे। फरियादी की शिकायत पर खितौला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर खितौला थाना पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, डॉग स्क्वाड, फिंगरप्रिंट और एफएसएल यूनिट की मदद से जांच आगे बढ़ाई। इस दौरान पुलिस ने क्षेत्र में अचानक बढ़े हुए जीवन स्तर और संदिग्ध आय वाले लोगों पर बारीक नजर रखना शुरू किया।

चोरी की रकम से खरीदी गाड़ियां

5 अगस्त को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भरदा पडरिया के तीन युवकों के पास अचानक बड़ी रकम आई है। उन्होंने लगभग 8 लाख रुपये की 2 गाड़ियां खरीदी हैं और आभूषण बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का पूरा सामान और दोनों गाड़ियां जब्त कर ली गई हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेते हुए पूछताछ शुरू कर दी है।

जबलपुर में होगा राष्ट्रीय स्तर का दर्द प्रबंधन कान्फ्रेंस

देशभर से पेन फिजीशियन का होगा जमावड़ा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दर्द चिकित्सा के क्षेत्र में नई सोच, आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपोलो हॉस्पिटल जबलपुर मे 8 एवं 9 अगस्त को इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन द्वारा यंग पेन फिजीशियन कान्फ्रेंस 2026 का आयोजन किया जा रहा है। देशभर से आने वाले युवा एवं वरिष्ठ पेन फिजिशियन इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर अपने अनुभव, शोध, नवीनतम तकनीकों एवं उपचार पद्धतियों को साझा करेंगे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य केवल दर्द को अस्थायी रूप से कम करना नहीं, बल्कि दर्द के वास्तविक कारणों की पहचान कर वैज्ञानिक एवं प्रमाण-आधारित उपचार उपलब्ध कराना है। वर्तमान समय में बढ़ती जीवनशैली संबंधी समस्याओं, रीढ़, जोड़ों, कैंसर, न्यूरोपैथिक एवं क्रॉनिक दर्द जैसी जटिल बीमारियों के प्रभावी उपचार के लिए यह सम्मेलन चिकित्सकों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। यह जानकारी अपोलो हॉस्पिटल, जबलपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में हॉस्पिटल के डायरेक्टर शोभित बड़ेरिया, सीईओ डॉ. पुनीत मेहता, बिजनेस हेड नीलेश रावल एवं हरभजन सिंह सैनी ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन की विशेषता यह होगी कि इसमें देश के प्रतिष्ठित दर्द विशेषज्ञ, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट एवं अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ आधुनिक दर्द प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों, इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं, अल्ट्रासाउंड एवं फ्लोरोस्कोपी गाइडेड प्रक्रियाओं, रीजनल पेन थेरेपी तथा क्रॉनिक पेन मैनेजमेंट पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इससे चिकित्सकों को नवीनतम ज्ञान प्राप्त होगा और मरीजों को बेहतर एवं आधुनिक उपचार का लाभ मिलेगा। अपोलो हॉस्पिटल, जबलपुर को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं उन्नत दर्द चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में शामिल अपोलो हॉस्पिटल का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देना है। यह जबलपुर शहर के लिए भी गौरव का विषय है कि इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पेन फिजिशियन डॉ. संजय खत्रा के नेतृत्व में पहली बार राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन जबलपुर में किया जा रहा है। इससे शहर को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी तथा भविष्य में भी बड़े मेडिकल आयोजनों के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

100 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाएं सहायक अभियंता के पद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बिजली वितरण कंपनी द्वारा संविदा सहायक अभियंताओं के लिए प्रस्तावित नियमितीकरण योजना का नियमित कनिष्ठ अभियंताओं ने विरोध किया है। उनका कहना है कि सहायक अभियंता क्लास-2 अधिकारी का पद है, जिस पर नियुक्ति एवं सेवा संबंधी निर्णय निर्धारित सेवा नियमों के अनुरूप ही होने चाहिए। केवल संविदा सहायक अभियंताओं के लिए अलग नियमितीकरण प्रक्रिया अपनाना समान अवसर एवं सेवा न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। कनिष्ठ अभियंताओं का कहना है कि वर्तमान प्रस्तावित योजना से वर्षों से सेवा दे रहे नियमित कनिष्ठ अभियंताओं के पदोन्नति के अवसर समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही अनेक योग्य अभ्यर्थी, जो भविष्य में सहायक अभियंता बनने की पात्रता रखते हैं, उन्हें भी इस प्रक्रिया के कारण अवसर से वंचित होना पड़ेगा। कनिष्ठ अभियंताओं ने मांग की है कि संविदा सहायक अभियंताओं के नियमितीकरण की प्रस्तावित प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से निरस्त की जाए तथा सहायक अभियंता के सभी (100 प्रतिशत) पद नियमित कनिष्ठ अभियंताओं की पदोन्नति से भरे जाएं। उनका कहना है कि इससे सेवा नियमों, वरिष्ठता, योग्यता तथा कर्मचारियों के वैध अधिकारों की रक्षा होगी। कनिष्ठ अभियंताओं ने प्रबंधन एवं राज्य शासन से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमसम्मत निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा है कि नियमित कर्मचारियों के हितों की अनदेखी कर किसी विशेष वर्ग के लिए अलग व्यवस्था लागू करना न्यायसंगत नहीं होगा।

रूपए ना देने पर चाकू से हमला

जबलपुर। बेलबाग थाने में समीर सोनकर उम्र 36 वर्ष निवासी बडी ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह वह लकड़गंज स्थित बीजासन माता मंदिर दर्शन करने गया था । जैसे ही मंदिरसे दर्शन करके वापस आ रहा था तभी उसे अतुल ठाकुर मिला जो उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगा। उसने रूपये देने से मना किया तो जातिसूचक शब्दों काप्रयोग करते हुये गाली गलौज करने लगा। गालियां देने से मना करने पर उसकी कॉलर पकड़कर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वरिष्ठ नागरिक परिषद द्वारा परिषद के संरक्षक एवं नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष काजल विश्वास का परिषद के सचिव दिव्यकान्त निगम, सेशू नायडू सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। समारोह सौहार्द, उत्साह और आत्मीयता के वातावरण में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में काजल विश्वास ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों की सुरक्षा तथा कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिषद के साथ मिलकर निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। परिषद संरक्षक कमलेश अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभवों का लाभ नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा एवं समाज सेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए कहा कि निकट भविष्य में सीनियर सिटीजन के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित करने की सहर्ष घोषणा की ।

कार्यक्रम का संचालन अनिल शुक्ला, संगठन सचिव ने एवं आभार गुरमुखदास कोषाध्यक्ष ने किया। इस बैठक में एम एल अग्निहोत्री, जीपी विश्वकर्मा, काजल विश्वास, दिव्यकान्त निगम आदि उपस्थित रहे।

9 अगस्त हो होगा प्रसंग सुरमाला अवार्ड का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था का 519 वां आयोजन प्रसंग सुरमाला अवार्ड 9 अगस्त को आई एमए हाल में 6 बजे से होने जा रहा है। संस्था के संस्थापक इंजी विनोद नयन ने बताया कि इस आयोजन की विशेषता यह है कि नॉन स्टॉप 41 गीतों की प्रस्तुति शानदार सिंगर द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। उत्कृष्ट गायन के लिए चयनित पांच सिंगर को प्रसंग सुरमाला अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। शेष अन्य सिंगर को भी प्रसंग स्वरमाला सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही हितकारिणी कन्या शाला के बाल कलाकारों द्वारा प्रीति पाठक खुरासिया के निर्देशन में तिरंगा नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। संयोजक इंजी ही अग्रवाल ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

60 सक्रिय कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस में की पुनः वापसी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विगत दिनों घंटाघर में स्थित सिटी कॉफी हाउस में आयोजित जबलपुर जिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ एवं महिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के नियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों कनियुक्त पत्र वितरण समारोह एवं खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में कांग्रेस के पूर्व छात्र नेता शानू यादव, सपना पवार सहित लगभग 60 लोगों ने पूर्व विधान सभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया एवं नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा की उपस्थिति में पुनः कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की। साथ ही अतिथि द्वय द्वारा जिला कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस अवसर पर प्रशांत मिश्रा, पार्षद संजय साहू ,दीना ठाकुर, राज सोनकर, मधु चौधरी, पप्पू वसीम, आरिफ बेग अशोक तोमर, डॉ राजेंद्र पिल्लई, पलाश मजूमदार, सुशील जसेले , अनिल बावरिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश सिंह ठाकुर दीना के द्वारा किया गया।

समाजसेवा के लिए दीपाली मालपानी को मिला सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर की सक्रिय समाजसेवी दीपाली- दीपक मालपानी ने हेल्थ सेक्टर स्किल काउंसिल एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित दीक्षांत समारोह मे भारत की प्रथम बैच फंडामेंटल ऑफ सुजोक थेरपी में सम्मानित एवं गवर्नमेंट सर्टिफाइड किया गया। इसके पहले आईएसए साउथ कोरिया से,एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान प्रयागराज, एसबीपीएएसएस इंदौर से अनेको कोर्स करके, विगत 12 वर्षो से सुजोक, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, कलर एवं मर्मा थेरेपिस्ट एवं हीलर के रूप में कार्य कर रही हैं। श्रीमती दीपाली दवा विहीन चिकित्सा पद्धति के माध्यम से सैकड़ों मरीजों को लाभ दिला रहीं है। आप समय समय पर निःशुल्क कैंप एवं सेशन भी आयोजित करती हैं।

गुम हुए मोबाइल पाकर चेहरे पर आई मुस्कान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के आदेशानुसार पुलिस द्वारा गुम हुए 134 मोबाइल फोन धारकों को वापस किए गए। इन मोबाइल फोन की कीमत लगभग 23 लाख रुपये है। इस अवसर पर पुलिस कप्तान ने सम्पत उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की है कियदि आपका मोबाइल फोन गुम हो गया है, तो उसकी शिकायत संबंधित थाने में करें तथा सम्बधित पोर्टल पर पंजीकृत कराएं।

नगर निगम ने कॉलोनाइजरों के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम की शिकायत पर गौरीघाट थाना पुलिस ने पोलीपाथर क्षेत्र में बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित करने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कॉलोनाइजरों ने टीएनसीपी और नगर निगम से आवश्यक स्वीकृति लिए बिना भूखंडों का विकास कर लोगों से प्लॉट के नाम पर राशि भी वसूल ली। नगर निगम कॉलोनी सेल के सहायक अभियंता सुनील दुबे की शिकायत के अनुसार, मौजा पोलीपाथर के खसरा नंबर 18/2 रकबा 0.451 हेक्टेयर भूमि पर हिम्मत पटेल, रमेश पटेल, रामेत्री पटेल, चोखेलाल पटेल तथा डेविस स्वामी द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जांच में सामने आया कि कॉलोनी का लेआउट संयुक्त संचालक, नगर एवं ग्राम निवेश (टीएनसीपी) से अनुमोदित नहीं कराया गया और न ही नगर पालिका कॉलोनाइजर नियम, 2021 के तहत विकास की अनुमति प्राप्त की गई।

नगर निगम ने कॉलोनाइजरों को 14 दिसंबर 2023, 8 जनवरी 2024, 31 जनवरी 2024, 14 फरवरी 2024 और 5 अप्रैल 2024 को नोटिस जारी किए थे। इसके बावजूद न तो कोई संतोषजनक जवाब दिया गया और न ही कॉलोनी की स्वीकृति से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। आरोप है कि नोटिस मिलने के बाद भी मौके पर विकास कार्य लगातार जारी रखा गया। लिखित शिकायत पर आरोपी हिम्मत पटेल, रमेश पटेल, रामेत्री पटेल, चोखेलाल पटेल, डेविस स्वामी सभी निवासी ग्वारीघाट के विरूद्ध धारा 292(सी) म.प्र.नगर पालिका अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। शिकायत के आधार पर गौरीघाट पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब अवैध कॉलोनी निर्माण, प्लॉट बिक्री और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है।

60 वर्ष पुराने सबस्टेशन में हुआ तकनीकी समस्या का समाधान

एमपी ट्रांसको के सबस्टेशन में 33 केवी फीडरों को किया गया अंडरग्राउंड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के इंदौर स्थित 132 केवी चंबल सबस्टेशन में 33 केवी फीडरों की सभी क्रॉसिंग समाप्त कर उन्हें अंडरग्राउंड केबल प्रणाली में परिवर्तित कर दिया गया है। लगभग 60 वर्ष पुराने इस सबस्टेशन में लंबे समय से चली आ रही एक महत्वपूर्ण तकनीकी समस्या के समाधान से अब विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की विश्वसनीयता, सुरक्षा एवं स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। 132 केवी चंबल सबस्टेशन इंदौर का सबसे पुराना तथा मालवा क्षेत्र का दूसरा सबसे पुराना अतिरिक्त उच्च दाब (ईएचवी) सबस्टेशन है। इस सबस्टेशन में आवश्यकता के अनुसार पिछले 60वर्षों में सबस्टेशन यार्ड में 33 के वी फीडरों की संख्या बढकर 16 हो गई थी। लेकिन 33 केवी फीडर एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए गुजरते थे। समय के साथ यह व्यवस्था संचालन एवं अनुरक्षण (ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस) की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होती गई थी।

क्रॉसिंग के कारण होते थे ट्रिपिंग एवं विद्युत व्यवधान

कई बार कंडक्टर गिरने अथवा अन्य तकनीकी कारणों से इन क्रॉसिंग के कारण ट्रिपिंग एवं विद्युत व्यवधान की स्थिति निर्मित हो जाती थी। अब सभी 16 फीडर क्रॉसिंग को 33 केवी अंडरग्राउंड केबल प्रणाली में परिवर्तित किए जाने से ऐसी घटनाओं की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। इससे सबस्टेशन की आपरेशनल सुरक्षा भी बढ़ी है।

इस कार्य के लिए आवश्यक निर्माण राशि मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (पश्चिम डिस्कॉम) द्वारा व्यय की गई है। परियोजना को एमपी ट्रांसको एवं पश्चिम डिस्कॉम के समन्वित प्रयासों से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह तथा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (प्रोजेक्ट एवं वर्क्स) एसएल करवाडिया के विशेष प्रयासों से यह महत्वपूर्ण कार्य समयबद्ध रूप से संपन्न हो सका।

चिंताजनक हुए हालात, 2 दशक बाद जिले में गहराया जल संकट

आधी बारिश भी नहीं, प्रमुख जलाशयों में भी घटा जलस्तर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सावन का पहला सप्ताह बीतने के बावजूद मानसून की रफ्तार नहीं पकड़ने से जबलपुर पर करीब दो दशक बाद गंभीर जल संकट का खतरा मंडराने लगा है। जिले में अब तक सामान्य से आधी भी वर्षा दर्ज नहीं हुई है, जिससे शहर के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर लगातार चिंता बढ़ा रहा है। नगर निगम फिलहाल नर्मदा और अन्य स्रोतों से प्रतिदिन 335 एमएलडी पेयजल की आपूर्ति कर रहा है, लेकिन लगातार कमजोर मानसून के चलते जल प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन अगले कुछ सप्ताह में पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो जलापूर्ति व्यवस्था पर दबाव और बढ़ सकता है। नगर निगम के जल विभाग के अनुसार वर्तमान में ललपुर जलशोधन संयंत्र से 90 एमएलडी, रमनगरा से 120 एमएलडी और परियट जलाशय से 40 एमएलडी पानी लिया जा रहा है। वहीं खंदारी और उमरिया नहर से मिलने वाली 25-25 एमएलडी की आपूर्ति फिलहाल बंद है। इसके अतिरिक्त नगर निगम के करीब ढाई दर्जन हैंडपंपों के माध्यम से लगभग 35 एमएलडी पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। जल विभाग सभी स्रोतों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है ताकि शहर के किसी भी हिस्से में पेयजल संकट उत्पन्न न होने पाए।

बरगी बांध में 4 दिन से आवक बंद

शहर की पेयजल व्यवस्था की सबसे बड़ी उम्मीद बरगी बांध भी इस बार सामान्य स्तर से पीछे चल रहा है। बांध की अधिकतम क्षमता 422.76 मीटर और न्यूनतम जलस्तर 403 मीटर है, जबकि वर्तमान में जलस्तर 415.75 मीटर दर्ज किया गया है। सामान्य परिस्थितियों में जुलाई के अंत तक यहां करीब 417.55 मीटर जलस्तर होना चाहिए था, लेकिन इस बार यह लगभग दो मीटर कम है। कैचमेंट क्षेत्र में बारिश थम जाने से पिछले चार दिनों से बांध में पानी की आवक पूरी तरह बंद है। फिलहाल नर्मदा नदी से लालपुर के दो और रमनगरा के एक जलशोधन संयंत्र के माध्यम से करीब 200 एमएलडी पानी लिया जा रहा है। दूसरी ओर भूमिगत जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है, जिससे कई बोरवेल और नगर निगम के हाइड्रेंट प्रभावित होने लगे हैं।

परियट, खंदारी के हालात भी चिंताजनक

परियट जलाशय का जलस्तर भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। यहां से प्रतिदिन 40 एमएलडी पेयजल रांझी सहित शहर के कई इलाकों में पहुंचाया जाता है, लेकिन जलस्तर कम होने के कारण कई क्षेत्रों में एक समय ही जलापूर्ति की जा रही है। उधर नर्मदा की दाईं तट नहर से जुड़े उमरिया पंपिंग स्टेशन से करीब दो महीने से जलापूर्ति बंद है, क्योंकि नहर में पानी नहीं छोड़ा गया है। खंदारी जलाशय, जिसे शहर का आरक्षित जल स्रोत माना जाता है, वहां भी बारिश कम होने से पर्याप्त जलभराव नहीं हो सका है। ऐसे में इन स्रोतों से निकट भविष्य में अतिरिक्त जलापूर्ति की संभावना फिलहाल कम नजर आ रही है।

बारिश पर टिकी उम्मीदें

पिछले वर्ष जुलाई में बरगी बांध के गेट कई बार खोले जा चुके थे, जबकि इस बार अब तक ऐसी स्थिति नहीं बनी है। जल विभाग का कहना है कि फिलहाल नर्मदा के कारण शहर की नियमित जलापूर्ति जारी है, इसलिए तत्काल घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि यदि अगस्त में भी अच्छी बारिश नहीं हुई तो पेयजल संकट गहरा सकता है। इसी संभावना को देखते हुए नगर निगम सभी जलशोधन संयंत्रों और जल स्रोतों की नियमित निगरानी कर रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था कर शहरवासियों को राहत दी जा सके।

डिजिटल मार्केटिंग

तकनीक के साथ बदलता स्वरूप

आज के डिजिटल युग में व्यापार करने और ग्राहकों तक पहुंचने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। इंटरनेट और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने कंपनियों को अपने उत्पादों और सेवाओं के प्रचार के लिए नए अवसर प्रदान किए हैं। डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से व्यवसाय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर ग्राहकों से सीधे जुड़ रहे हैं। बदलती तकनीक के साथ डिजिटल मार्केटिंग में कई नए रुझान सामने आए हैं, जो व्यापार को अधिक प्रभावी और ग्राहक केंद्रित बना रहे हैं।

एआई से बेहतर ग्राहक अनुभव

डिजिटल मार्केटिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। एआई की सहायता से कंपनियां ग्राहकों की पसंद, व्यवहार और जरूरतों का विश्लेषण कर उन्हें व्यक्तिगत अनुभव प्रदान कर रही हैं। चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट जैसी तकनीकें ग्राहक सेवा को अधिक तेज और सुविधाजनक बना रही हैं।

वीडियो मार्केटिंग का बढ़ता प्रभाव

आज के समय में लोग लंबे लेख पढ़ने की तुलना में वीडियो सामग्री देखना अधिक पसंद करते हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम रील्स और अन्य वीडियो प्लेटफॉर्म कंपनियों को अपने उत्पादों को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने का अवसर देते हैं। छोटे वीडियो ग्राहकों का ध्यान आकर्षित करते हैं।

सोशल मीडिया और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग

फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डिजिटल मार्केटिंग के महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं। कंपनियां इन प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों से सीधा संवाद स्थापित करती हैं और ब्रांड की पहचान मजबूत बनाती हैं। वहीं, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग के माध्यम से लोकप्रिय ऑनलाइन व्यक्तियों की सहायता से उत्पादों का प्रचार किया जा रहा है, जिससे ग्राहकों का भरोसा बढ़ता है।

वॉयस सर्च और डेटा सुरक्षा का महत्व

स्मार्ट स्पीकर और वॉयस असिस्टेंट के बढ़ते उपयोग के कारण वॉयस सर्च ऑप्टिमाइजेशन का महत्व बढ़ गया है। कंपनियां अपनी वेबसाइट और सामग्री को वॉयस सर्च के अनुरूप बना रही हैं। साथ ही ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण विषय बन गया है। कंपनियां सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म और पारदर्शी नीतियों को अपनाने पर जोर दे रही हैं।

नेहा गुप्ता

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज, जबलपुर।

जुलाई 2026 से भारत में क्यों बढ़ी आर्थिक चिंता

जुलाई 2026 में भारत के लिए घरेलू और वैश्विक स्तर पर कई महत्वपूर्ण घटनाएं सामने आईं। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सबसे बड़ी चुनौती कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें रहीं। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और लाल सागर क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेजी आई। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है, इसलिए तेल महंगा होने का सीधा असर रुपये, महंगाई और बाजार पर दिखाई दिया। रुपये पर दबाव बढ़ा और शेयर बाजार में भी गिरावट दर्ज की गई।

ऊर्जा नीति में आत्मनिर्भरता पर जोर

बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच सरकार ने बिजली उत्पादन और ईंधन नीति को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में पर्याप्त कोयला भंडार उपलब्ध होने से बिजली आपूर्ति को लेकर चिंता कम हुई। वहीं, पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को लेकर सरकार ने स्पष्ट किया कि ई 20 नीति को ही आगे बढ़ाया जाएगा। इससे ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती बनी चिंता

मानसून के दौरान पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम में बाढ़ ने बड़ी समस्या पैदा की। भारी बारिश और ब्रह्मपुत्र नदी के जलस्तर बढ़ने से लाखों लोग प्रभावित हुए। यह घटना बताती है कि जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाएं अब देश के विकास के लिए बड़ी चुनौती बन रही हैं।

युवाओं के मुद्दे और शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश परीक्षाओं की पारदर्शिता को लेकर युवाओं में चिंता देखने को मिली। पेपर लीक घटनाओं के विरोध में छात्रों ने आवाज उठाई। सरकार ने ऐसी समस्याओं पर कार्रवाई करते हुए परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और दोषियों पर सख्त कदम उठाने की बात कही।

वैश्विक घटनाओं का भारत पर प्रभाव

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक तनावों का असर भारत पर भी पड़ रहा है। वैश्विक घटनाएं अब सीधे देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और सुरक्षा से जुड़ गई हैं।

आराधना वेंकट

शिक्षक
हितकारिणी प्राथमिक शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

व्यापार और उपभोक्ताओं के बीच विश्वास की नई कड़ी, जीएसटी

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारत में लागू किया गया एक ऐसा कर सुधार है जिसने देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल और एकीकृत बनाया। पहले विभिन्न राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग कर लगाए जाते थे, जिससे व्यापारियों को अनेक नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सभी करों को एकीकृत कर पूरे देश में एक समान कर प्रणाली लागू की, जिससे व्यापार करना अधिक आसान और पारदर्शी हुआ।

व्यापार जगत को मिले अनेक लाभ

जीएसटी लागू होने के बाद कारोबारियों को ऑनलाइन पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने और कर भुगतान जैसी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध हुईं। इससे समय और लागत दोनों की बचत हुई। राज्यों के बीच माल के आवागमन में पहले की तुलना में कम बाधाएं आईं, जिससे परिवहन तेज हुआ और लॉजिस्टिक लागत में कमी आई। छोटे और मध्यम उद्यमों को भी एक सुव्यवस्थित कर ढांचा मिला, जिससे वे राष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सके।

उपभोक्ताओं के लिए बढ़ी पारदर्शिता

जीएसटी का सबसे बड़ा लाभ उपभोक्ताओं को पारदर्शी कर व्यवस्था के रूप में मिला। अब अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर एक स्पष्ट कर दर लागू होती है, जिससे बिल में कर की जानकारी आसानी से समझी जा सकती है। कई उत्पादों पर करों का दोहराव समाप्त होने से उनकी कीमतों में स्थिरता आई, जबकि प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता और अधिक विकल्प मिलने लगे।

चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं

हालांकि शुरुआती दौर में व्यापारियों को नई प्रणाली, ऑनलाइन रिटर्न और तकनीकी प्रक्रियाओं को अपनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन समय के साथ अधिकांश व्यवसाय इस व्यवस्था के अनुरूप हो गए। सरकार भी समय-समय पर नियमों में सुधार और प्रक्रियाओं को सरल बना रही है

डिजिटल क्रांति की मजबूत नींव

डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत में तकनीक के उपयोग को नई गति प्रदान की है। वर्ष 2015 में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना, सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराना और नागरिकों तक तकनीकी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाना है। आज इंटरनेट, स्मार्टफोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार ने आम लोगों के जीवन, शिक्षा, व्यापार और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है।

आईटी सेक्टर बना विकास का प्रमुख आधार

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। सॉफ्टवेयर विकास, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। भारतीय आईटी कंपनियां वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं और देश को तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

डिजिटल सेवाओं से बदली जीवनशैली

डिजिटल इंडिया के कारण बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्र में ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार हुआ है। डिजिटल भुगतान प्रणाली, ऑनलाइन शॉपिंग, ई-गवर्नेंस और वर्चुअल शिक्षा ने सुविधाओं को अधिक सरल और तेज बनाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ने से लोगों को सरकारी योजनाओं और वित्तीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है।

युवाओं के लिए बढ़ते करियर अवसर

आईटी सेक्टर युवाओं के लिए रोजगार और नवाचार का बड़ा क्षेत्र बनकर उभरा है। कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। विद्यार्थी विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से इस क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकते हैं।

चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं

डिजिटल विकास के साथ साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों का समाधान मजबूत सुरक्षा प्रणाली और तकनीकी जागरूकता के माध्यम से किया जा सकता है। आने वाले समय में 5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई डिजिटल तकनीकें भारत के आईटी क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाएंगी।

अकाउंटेंसी: वित्तीय प्रबंधन की रीढ़

अकाउंटेंसी केवल आय-व्यय का हिसाब रखने तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह किसी भी संस्था, व्यवसाय या उद्योग की वित्तीय स्थिति को समझने और बेहतर निर्णय लेने का आधार प्रदान करती है। प्रत्येक कंपनी, बैंक, सरकारी विभाग और गैर-सरकारी संगठन के लिए सटीक वित्तीय अभिलेख रखना आवश्यक होता है। यही कारण है कि अकाउंटेंसी को व्यवसाय और अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। आधुनिक डिजिटल युग में लेखांकन की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि वित्तीय लेन-देन अब तेजी से ऑनलाइन

और तकनीक आधारित हो रहे हैं।

डिजिटल युग में बढ़ता महत्व

वर्तमान समय में टैली, ईआरपी, जीएसटी, ई-इनवॉयसिंग,क्लाउड अकाउंटिंग जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने लेखांकन प्रणाली को अधिक तेज, सटीक व पारदर्शी बना दिया है। इसलिए आज के विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक लेखांकन ज्ञान के साथ-साथ कंप्यूटर आधारित अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर, डिजिटल वित्तीय प्रणालियों की जानकारी भी आवश्यक हो गई है। तकनीकी दक्षता रखने वाले अकाउंटेंसी पेशेवरों को देश और विदेश दोनों स्थानों पर बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

वाणिज्य और व्यापार के रोचक तथ्य

1 दुनिया का पहला लेखांकन रिकॉर्ड भारत और मेसोपोटामिया जैसी प्राचीन सभ्यताओं में मिलता है। आज की आधुनिक अकाउंटेंसी इसी व्यवस्था का विकसित रूप है।

2 ई-कॉमर्स ने व्यापार का तरीका बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने छोटे व्यापारियों को भी बड़े बाजार तक पहुंचने का अवसर दिया है।

3 बैंक केवल धन जमा और ऋण देने का काम नहीं करते, बल्कि व्यापारिक लेन-देन, डिजिटल भुगतान और वित्तीय प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

4 किसी भी व्यवसाय की आर्थिक स्थिति समझने के लिए लेखांकन आवश्यक होता है। लाभ, हानि और भविष्य की योजनाएं अकाउंटिंग के आधार पर तय की जाती हैं।

5 कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार का उपयोग करती हैं, जबकि निवेशक यहां निवेश कर आर्थिक भागीदारी करते हैं।

6 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल मार्केटिंग जैसी तकनीकें आधुनिक व्यापार को अधिक स्मार्ट और प्रभावी बना रही हैं।

7 लाभ ही नहीं, जोखिम प्रबंधन भी व्यापार का हिस्सा है। सफल व्यापारी केवल मुनाफे पर ध्यान नहीं देते, बल्कि बाजार के उतार-चढ़ाव, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक जोखिमों को भी समझते हैं।

8 ब्रांड की पहचान व्यापार की बड़ी ताकत होती है। एक मजबूत ब्रांड ग्राहकों के बीच विश्वास पैदा करता है और बाजार में कंपनी की अलग पहचान बनाता है।

9 उत्पादन से लेकर ग्राहक तक वस्तु पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया को सप्लाई चेन कहते हैं। बेहतर सप्लाई चेन से लागत कम और दक्षता अधिक होती है।

10 फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं में क्रांति ला दी है। फिनटेक यानी वित्तीय तकनीक ने ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और निवेश सेवाओं को आसान और तेज बनाया है।

शब्द पहेली - 8942

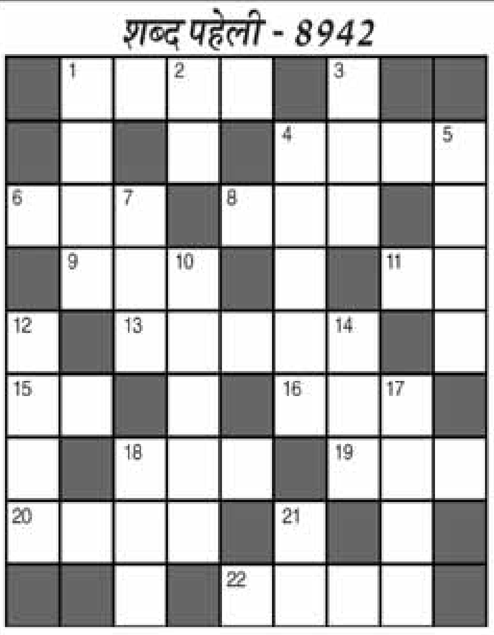

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8941 का हल

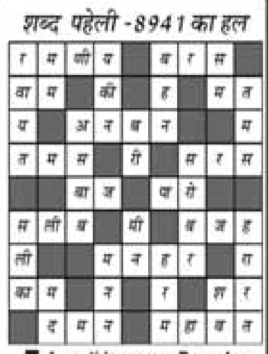

Jagrutidaur.com, Bangalore

सराफा व्यापारी से लूट की वारदात...!

पहले रास्ता रोका, फिर मारपीट करके लूटा जेवरातों से भरे थैले

लांजी क्षेत्र में सवा महिने में लूट की तीसरी घटना

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

किरनापुर थाना अंतर्गत रजेगांव में बुधवार की रात हुई लूट का वास्तविक आंकड़ा कितना है, यह ना तो व्यापारी बता पा रहा है और ना ही पुलिस। व्यापारी गेंदलाल करेंडे ने बताया कि दो थैलो में सोने-चांदी के जेवरात भरे थे। जिसे लूटेरे लूटकर ले गए है, जिसकी अनुमानित कीमत तो करोड़ो में होने की बात कहीं जा रही थी, लेकिन व्यापारी ने बताया कि लाखो रूपए की लूट है। फिलहाल घटना के बाद से क्षेत्र के व्यापारियों में चिंता और डर का माहौल है।

बताया जाता है कि 28 जून को लांजी में सराफा कारोबारी कपिल आसटकर और बुधवार की रात गेंदलाल करंडे के साथ हुई घटना का पैटर्न एक ही था। दोनो ही मामले में लूटेरे, मोटर सायकिल से आए थे और उन्होंने व्यापारी पर हमला कर उन्हें पहले घायल किया और उसके बाद सोने-चांदी के जेवरात से भरे बैग को लूटकर फरार हो गए। हालांकि घटना के बाद से पुलिस ने नाकेबंदी कर जांच को तेज कर दिया है। पुलिस की बनाई गई टीमें आरोपियों की तलाश कर रही है। परंतु घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर है।

घटनाक्रम के अनुसार, रजेगांव के नेहरू चौक में सागर ज्वेलर्स के नाम से सराफा कारोबारी गेंदलाल करंडे, प्रतिदिन की तरह तकरीबन 8.25 बजे, दुकान को बंद करके, दुकान में रखे सोने और चांदी के गहनों को अलग-अलग थैलो में लेकर घर जा रहे थे। इसी बीच घर से लगभग 150 से 200 मीटर पहले ही सोसायटी और शराब दुकान के बीच लूटेरो ने व्यापारी के वाहन का रास्ता रोका और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान चार से पांच बार व्यापारी पर लट्ठ से जानलेवा हमला किया गया और उसके चेहरे पर मुक्का मारा। जिससे व्यापारी के होंठ के पास चोटें आई है। मारपीट के बाद लूटेरे, उसके पास रखे सोने-चांदी के जेवरात से भरे दो थैलो को लूटकर फरार हो गए। व्यापारी ने बताया कि उन्होने दो हमलावरों का चेहरा देखा है। हमलावर और लूटेरे तीन बाईक में आए थे, जिन्होंने उन्हे घेरकर रखा था। तीन लोगों ने मारपीट और लूट की वारदात को अंजाम दिया। जो घटना के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के लिए घटना के दौरान व्यापारी के पहने शर्ट और बनियान को बरामद किया है। इधर, उक्त घटना के बाद क्षेत्र के अन्य व्यापारियों में दहशत का महौल है। स्थानीय व्यापारी प्रभुदयाल कुर्वे ने बताया कि घटना चिंताजनक और डर पैदा करने वाली है। घटना के बाद व्यापारी स्वयं को असुरक्षित महसुस कर रहे है। क्योकि इससे पूर्व 28 जून को लांजी मुख्यालय में सराफा व्यवसायी और फिर उसके बाद 25 जुलाई को लांजी के कुलपा में बुजुर्ग लिल्हारे दंपत्ति के साथ लाखो की लूट की वारदात हो चुकी है, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली है। लगातार लांजी क्षेत्र में हो रही लूट की घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है। जिसका भय अब लोगों के चेहरे पर दिखाई देता हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपीटास पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि अब 31 अगस्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एमपीटास पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 31 अगस्त 2026 कर दी गई है। सहायक संचालक पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंजुला सेंद्रे ने बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की तिथि पूर्व में 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे बढाकर 31 अगस्?त कर दिया गया है। जिले के पात्र छात्र-छात्राओं से अपील की गई है कि वे 31 अगस्त 2026 तक आवश्यक दस्तावेजों सहित एमपीटास पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राप्त आवेदनों पर ही नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं से भी अपेक्षा की गई है कि वे पात्र विद्यार्थियों को समय पर आवेदन कराने में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें।

टाटा पंच कार चोरी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट। थाना कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए चोरी गई टाटा पंच कार बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी पीड़ित का करीबी दोस्त था, जिसने महंगे शौक पूरे करने के लिए पहले से ही कार की डुप्लीकेट चाबी बनवा ली थी और अपने साथियों के साथ मिलकर कार चोरी की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार, फरियादी शिवायु पर्टले निवासी मंडला, हाल निवासी भटेरा बालाघाट ने 31 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 30 जुलाई की रात घर के सामने खड़ी उनकी टाटा पंच कार (एमपी 51 जेडई 0469) अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गए। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 523/2026 धारा 303(2) एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान एक गोपनीय जानकारी के आधार पर ग्राम अमोली से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनकी निशानदेही पर चोरी गई कार भी बरामद कर ली गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी धनेश उर्फ लक्की उर्फ राजा कटरे, फरियादी का करीबी मित्र था। उसने पहले ही कार की नकली चाबी तैयार करवा ली थी और साथियों के साथ मिलकर कार चोरी कर उसे बेचने की योजना बनाई थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच से पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

नहर में मिली युवती की लाश पर मचा बवाल

बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र में डोंगरगांव की नहर से युवती का शव मिलने के मामले ने बुधवार शाम तूल पकड़ लिया। पोस्टमार्टम के बाद जब शव परिजनों को सौंपा गया तो वे उसे लेकर अपने गृह ग्राम खमरिया पहुंचे। जिसका गुरूवार को अंतिम संस्कार किया जाना था, लेकिन अंतिम यात्रा निकालने के दौरान ही ग्रामीणो में आक्रोश देखने मिला और ग्रामीणो ने वारासिवनी-लालबर्रा मुख्य मार्ग पर युवती का शव रखकर चक्काजाम कर दिया। जहां प्रदर्शनकारियों ने मामले में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग रखी। हालांकि चकाजाम की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देने में जुट गए। लेकिन ग्रामीण लंबे समय तक आरोपीयों की गिरफ्तार की मांग पर अडे रहे।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 05 अगस्त को वारासिवनी थाना पुलिस ने ग्राम लिंगमारा और डोंगरिया के बीच नहर से बहकर आये एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया था, जिससे स्थानीय लोगो के द्वारा नहर से निकाला गया था। मृतिका की पहचान खुशबू डहरवाल उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम खमरिया थाना लालबर्रा के रूप में हुई थी। खुशबू 31 जुलाई से नागपुर से लापता थी। जहां आवश्यक कार्यवाही के बाद शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया गया था। लेकिन गुरूवार को खमरिया के ग्रामीणो को गुस्सा फूटता नजर आया और उन्होने चकाजाम कर दिया। प्रारंभिक जांच में युवती के गले पर चोट के निशान पाए गये है। इससे मामला संदिग्ध हो गया है। प्रथम दृष्टया पुलिस प्रेम प्रसंग सहित अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। हालांकि युवती की मौत हत्या है या आत्महत्या, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही हो सकेगा। लेकिन ग्रामीण इसे हत्या मानकर आरोपीयों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई का आश्वासन नहीं दिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

टावर लगाने का झांसा देकर बुजुर्ग दंपत्ति से डकैती का खुलासा

7 आरोपियों की साजिश का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार, 2 फरार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

थाना लांजी पुलिस ने ग्राम कुल्पा में टावर लगाने का झांसा देकर बुजुर्ग दंपत्ति के घर में हुई डकैती का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों की संलिप्तता उजागर की है। अभी पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे गए सोने-चांदी के जेवरात, नगदी और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है, जबकि दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की थाना आमगांव पुलिस का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

पुलिस के अनुसार, ग्राम कुल्पा निवासी संजाराम लिल्हारे ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 जुलाई 2026 की दोपहर चार युवक मोबाइल टावर लगाने के लिए जगह देखने के बहाने उनके घर पहुंचे। आरोपियों ने आधार कार्ड और बैंक पासबुक देखने के नाम पर विश्वास में लिया तथा कागजी कार्रवाई का बहाना बनाकर घर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद हथियारों के बल पर पति-पत्नी को बंधक बनाकर मारपीट की और सोने-चांदी के जेवरात, 50 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, आधार कार्ड तथा बैंक पासबुक लूटकर फरार हो गए।

इस गंभीर मामले में थाना लांजी में अपराध क्रमांक 309/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(6), 311, 310(2), 333 एवं 3(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। वही जांच के दौरान सात आरोपियों की संलिप्तता प्रमाणित होने पर डकैती से संबंधित धाराओं का भी समुचित इजाफा किया गया।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। थाना आमगांव (गोंदिया) पुलिस के सहयोग से राजेश भोयर, दीपक दास और शिवकुमार दास को गिरफ्तार किया गया। वहीं मुख्य आरोपी धीरज फुण्डे और हेमंत फुण्डे पहले से ही महाराष्ट्र पुलिस की गिरफ्त में हैं। इसके अलावा प्रकरण मे रिंकू पासवान और विनोद पासवान फरार है, जिनकी तलाश जारी है।

रेकी करके रची थी डकैती की साजिश – जांच में सामने आया कि धीरज फुण्डे, उसके चाचा हेमंत फुण्डे और राजेश भोयर ने घटना से पहले दो बार टावर लगाने के नाम पर पीड़ित के घर की रेकी की थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल निवासी दीपक दास और उसके साथियों को बुलाकर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद सभी आरोपियों ने लूटे गए जेवरात और नगदी का आपस में बंटवारा कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त स्कूटी, चांदी की करधनी, तीन चांदी के कड़े, दो जोड़ी सोने की बालियां, एक सोने का पेंडल और 50 हजार रुपये नगद सहित लगभग 3.75 लाख रुपये का मशरुका बरामद किया है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि फरार आरोपी विनोद पासवान के विरुद्ध झारखंड और बिहार के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, बलवा, आर्म्स एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं के पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वहीं धीरज फुण्डे के खिलाफ छत्तीसगढ़ के थाना बोरतालाब में आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत मामला दर्ज है। हेमंत फुण्डे के विरुद्ध महाराष्ट्र के थाना आमगांव में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि फरार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है तथा मामले में आगे की विवेचना जारी है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं किसानों को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से फसल बीमा प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फसल बीमा रथ के माध्यम से किसानों को फसल बीमा की प्रक्रिया, अंतिम तिथि एवं अधिसूचित फसलों के संबंध में जानकारी दी जाएगी। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 मौसम के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 17 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। किसानों की सुविधा के लिए नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि योजना में ऋणी एवं गैर-ऋणी दोनों प्रकार के किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकते हैं। खरीफ सीजन के लिए धान सिंचित, धान असिंचित, सोयाबीन, अरहर, मक्का, तिल एवं उड़द फसलों को बीमा हेतु अधिसूचित किया गया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा अवश्य कराएं।

विद्यार्थियों को कानून एवं साइबर सुरक्षा की दी गई जानकारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। पुलिस एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कानून, सुरक्षा एवं नागरिक दायित्वों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए यातायात सुरक्षा, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, साइबर सुरक्षा तथा जागरूक नागरिक की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा ने एफआईआर की प्रक्रिया, पीड़ितों के अधिकार, मौखिक एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, शिकायत से न्याय तक की प्रक्रिया, पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल श्रम निषेध, मानव तस्करी, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के विषय मे बताया।

साइबर सेल प्रभारी पी.आर. संदीप सिंह ने साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय एवं डिजिटल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उपनिरीक्षक फर्दीनंद टोप्पो ने यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा डायल 112 की कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को अवगत कराया। मुकेश कुमार झारिया ने मेरे अधिकार एवं मेरी जिम्मेदारी विषय पर विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की छात्रा रागिनी गुप्ता ने भी साइबर सुरक्षा विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को डायल-112 वाहन का अवलोकन कराया गया तथा बस द्वारा कोतवाली उमरिया का शैक्षणिक भ्रमण कराते हुए पुलिस कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। इस अवसर पर बी.एस. मरावी , विनीत के.वी. प्राचार्य उदयभान सिंह, विद्यालय के शिक्षकगण, पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

शिक्षकों की ज्वलन्त समस्याओं के निराकरण के संबंध में डीईओ को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के बैनर तले सोमवार 3 अगस्त को जिलाध्यक्ष कैलाश प्रसाद गौतम के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसमे माँग की गई है कि सहायक शिक्षकों, उच्चश्रेणी शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, व्याख्याताओं और प्राचार्यो की चतुर्थ कमोन्नति सूची यर्दो शीघ्र जारी की जाए। एवं प्राथमिक शिक्षकों की 12 वर्ष पश्चात प्रथम क्रमोन्नति सूची अतिशीघ्र जारी की जाए। और रुके हुए डीए एरियर्स का भुगतान कराया जाए। और पी.एम. श्री शासकीय बालक उच्च0 मा0 विद्या0 कॉलरी स्कूल उमरिया में आज तक लिपिक का पद स्वीकृत नहीं है पजिस कारण शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाता। अत: एक लिपिक का पद स्वीकृत कराकर एक लिपिक की पदस्थापना अविलंब कराई जाए। इन मांगों को

पूरा करने तथा शिक्षकों की ज्वलन्त समस्याओं का निराकरण करने का ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया गया है। ज्ञापन में सोमप्रकाश शुक्ला सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कलकत्ता के अस्थायी व्यापारियों को अनुमति देने का मुद्दा फिर गरमाया

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सावन माह और आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए एक बार फिर उमरिया में बाहरी व्यापारियों को दुकान लगाने का मुद्दा चर्चा में आ गया है। जिले के विभिन्न व्यावसायिक संगठनों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि प्रस्तावित रूप से कलकत्ता से आने वाले अस्थायी व्यापारियों को नगर में दुकान लगाने की अनुमति न दी जाए। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि रक्षाबंधन के अवसर पर उमरिया सहित आसपास के 40-50 गांवों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए शहर पहुंचते हैं। इस दौरान कलकत्ता से आने वाले व्यापारी कम कीमत पर कपड़े और अन्य सामान बेचते हैं, जिससे स्थानीय बाजार का व्यापार काफी प्रभावित होता है। व्यापारियों का तर्क है कि वे पूरे वर्ष कर, किराया और अन्य व्यावसायिक दायित्व निभाते हैं, जबकि अस्थायी व्यापारियों के आने से उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ता है।

दूसरी ओर, आम उपभोक्ताओं का एक वर्ग मानता है कि बाहरी व्यापारियों के आने से उन्हें कम कीमत पर अधिक विकल्प उपलब्ध होते हैं, जिसका लाभ विशेष रूप से मजदूर और कम आय वर्ग के परिवारों को मिलता है। अब यह मामला जिला प्रशासन के समक्ष है। प्रशासन को स्थानीय व्यापारियों के हितों और आम जनता को सस्ती खरीदारी की सुविधाकृदोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना होगा।

5 सूत्रीय माँगों को लेकर पटवारियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल चौथे दिन भी जारी रहा

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश पटवारी संघ के भोपाल स्थित प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर उमरिया जिले के पटवारियों ने पांच सूत्री मांगों को लेकर 3 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल शुरू कर दिया था जिसमें गुरुवार 6 अगस्त को चौथे दिन भी जारी रहा। हड़ताल के तहत जिले के सभी पटवारियों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर सामूहिक रूप से अपने बैग और दस्तावेज जमा कर दिए। पटवारीयों ने कैडर रिव्यू लागू करने,पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान, नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा आयोजित कराने, लंबित मानदेयों के भुगतान सहित, पटवारियों को जज प्रोटकशन एक्ट के दायरे में लाने की मांग पर हड़ताल शुरू है। पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से मोहन सरकार के कई महत्वपूर्ण योजनायें प्रभावित होंगी जिसमे ज्यादातर योजनायें फील्ड से सबंधित हैँ। सीमांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम, सीएम हेल्पलाइन,जाति निवास एवं आय प्रमाणपत्र के निर्माण सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। उमरिया जिले में 170 हल्का पटवारी हैँ, और सभी के हड़ताल पर चले जाने से जिले का विकास प्रभावित होगा।

पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेंद्र यादव ने बताया कि पटवारी संवर्ग की विभिन्न मांगें पिछले लगभग 25 वर्षों से लंबित हैं। कई बार शासन के समक्ष मांगें रखने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी के चलते पटवारियों को चरणबद्ध आंदोलन के बाद यह फैसला लेना पड़ा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि भुगतान नहीं होता है तो आगामी योजनाओं के कार्यों का भी बहिष्कार किया जाएगा।

पटवारी संघ ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के कारण किसानों और आमजन को होने वाली असुविधा की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

वही पटवारियों ने विरोध के तौर पर 20 जुलाई से काली पट्टी बांधकर कार्य करना शुरू कर दिया था। उसके बाद 24 से 27 जुलाई तक सभी शासकीय दस्तावेज एवं अन्य औपचारिक समग्र का बहिष्कार किया।तत्पश्चात 28 जुलाई से 2 अगस्त तक समस्त ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया।वही अब अंतिम में 3 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल में चले गए जिससे पूरे प्रदेश सहित उमरिया जिले की व्यवस्था चरमरा गई है..! सरकार जहाँ जन विश्वास अभियान के तहत गाँव गाँव जा कर लोगों की समस्या का समाधान करेगी वही पटवारियों के कलमबंद हड़ताल से जन विश्वास अभियान पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही हैं..!

सांसद ने ऊर्जा मंत्री को लिखा पत्र, विधायक ने विधानसभा में उठाया मामला...इसके बाद भी नही हटे कार्यपालन अभियंता

मण्डला(स्वतंत्र मत)

विद्युत विभाग के काले कारनामे किसी से छुपे नही हैं अधिकारियों की कार्यप्रणाली पूरी व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है। परेशान जनता जब जबावदार जनप्रतिनिधियों के पास पहुंचती है और शिकायत दर्ज कराती है। ऐसे में जब कभी जनप्रतिनिधि ऐसे अधिकारियों को हटाने की मांग करते हैं या पत्राचार करते हैं तो इन पत्राचारों को भी पैसे के दम पर दबा दिया जाता है। ऐसा ही एक मामला कार्यपालन अभियंता राकेश अमपुरी जो कि मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड मंडला एसटीसी में पदस्थ हैं का सामने आया है लंबे समय से पदस्थ अधिकारी की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल है। वहीं बीते माह ऊर्जा मंत्री के नाम सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने पत्र लिखते हुए इन्हें हटाने मांग की थी यहीं नही बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने भी विधानसभा में प्रश्न लगाकर ऊर्जा विभाग से सवाल किए थे जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सौभाग्य जैसी महत्वपूर्ण योजना में घपलेबाजी के साथ जांचों को प्रभावित करने में संबंधित अधिकारी की बड़ी भूमिका रही है। चार्जशीट तय होने के बाद भी जैसे तैसे जुगाड़ कर वे पुन: जिला में पदस्थ हो गए। वहीं पद स्थापना दिनांक से लेकर अब तक का कार्यकाल कोई खासा नही रहा है। ऐसे में इनकी

पद स्थापना से कर्मचारियों में रोष और बिजली संबंधी समस्याएं भी जस की तस बनी हुई हैं। वहीं सूत्रों का कहना है कि संरक्षण के चलते संबंधित अधिकारी यहां से नही हट पाए हैं और तो और ऊर्जा मंत्री का पत्र भी मंडला और जबलपुर कार्यालय से गायब कर दिया गया है। सच क्या है यह तो जांच के बाद ही तय होगा लेकिन ऐसे अधिकारियों की पद स्थापना से व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि संबंधित अधिकारी ठेकेदारी से भी जुड़ चुकें हैं। जिले का बिजली विभाग इन दिनों आम लोगों के बीच लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक उपभोक्ताओं के बीच एक जैसी शिकायतें सुनाई दे रही हैं। लोगों का आरोप है कि विभाग में वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के कारण व्यवस्था में पारदर्शिता कमजोर हुई है और आम उपभोक्ताओं को छोटे-छोटे कामों के लिए भी अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ रहा है। नया बिजली कनेक्शन, मीटर बदलवाना, गलत बिल का सुधार, ट्रांसफार्मर बदलने की मांग या लाइन सुधार जैसे सामान्य कार्य भी समय पर नहीं हो पा रहे हैं। इससे लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिजली विभाग का कार्यालय समस्या समाधान का केंद्र कम और चक्कर लगवाने वाला कार्यालय अधिक बनता जा रहा है। कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी दिनों तक कोई सुनवाई नहीं होती। कई बार एक टेबल से दूसरी टेबल तक फाइलें घूमती रहती हैं, लेकिन समाधान नहीं निकलता। इससे

उपभोक्ताओं का समय और पैसा दोनों बर्बाद होता है। सबसे अधिक सवाल विभाग में वर्षों से जमे अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने से विभाग में कथित रूप से ऐसी कार्यशैली विकसित हो गई है जिसमें जवाबदेही कम और मनमानी अधिक दिखाई देती है। नागरिकों का आरोप है कि कुछ मामलों में प्रभावशाली लोगों के कार्य तेजी से हो जाते हैं जबकि आम व्यक्ति को बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। कई गांवों में ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद दिनों तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होती। बरसात के मौसम में बार-बार बिजली गुल होना तार टूटना और कम वोल्टेज जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। किसानों का कहना है कि सिंचाई के समय बिजली नहीं मिलने से उनकी फसल प्रभावित होती है लेकिन शिकायतों का निराकरण अपेक्षित गति से नहीं हो पाता। बिजली बिलों को लेकर भी उपभोक्ताओं में असंतोष दिखाई दे रहा है। कई लोगों का आरोप है कि वास्तविक खपत से अधिक राशि के बिल जारी हो रहे हैं। बिल सुधार के लिए आवेदन देने के बावजूद कई सप्ताह तक कार्रवाई नहीं होती। ऐसे में उपभोक्ताओं को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिले के कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि विभाग में काम कराने के लिए कथित रूप से सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है लेकिन यदि ऐसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो यह स्वयं में गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। यदि आरोप निराधार हैं तो विभाग को तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि इनमें सच्चाई है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सरकारी विभाग में लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने से पारदर्शिता और जवाबदेही प्रभावित हो सकती है। इसी कारण समय-समय पर स्थानांतरण की व्यवस्था बनाई जाती है ताकि प्रशासनिक निष्पक्षता बनी रहे। ऐसे में मंडला बिजली विभाग में भी लंबे समय से जमे अधिकारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानीय सामाजिक संगठनों का कहना है कि बिजली विभाग केवल बिल वसूलने तक सीमित नहीं रह सकता। उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराना है। यदि आम नागरिक अपनी मूलभूत सुविधा के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाएंगे तो यह व्यवस्था पर सवाल खड़े करेगा। बरसात के इस मौसम में बिजली व्यवस्था की परीक्षा होती है लेकिन जिले के कई हिस्सों में आए दिन होने वाली बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई-कई घंटे बिजली बंद रहने से पेयजल व्यवस्था छोटे उद्योग व्यापार और विद्यार्थियों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है।

कुत्तों का आतंक, दहशत में ग्रामीण

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्र मत)

जिले की नारायणगंज तहसील अंतर्गत ग्राम चिरईडोंगरी में पागल एवं आवारा कुत्तों के आतंक से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। मंगलवार को साप्ताहिक हाट बाजार के दौरान अक्रामक कुत्तों ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमले में करीब 25 से 30 लोग घायल हुए जिनमें 6 से 7 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी और भगदड़ की स्थिति बन गई। घटना के बाद ग्रामीणों एवं अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। संभावित खतरे को देखते हुए बुधवार को शासकीय प्राथमिक शाला माध्यमिक शाला तथा स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखे गए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। माध्यमिक शाला चिरईडोंगरी के प्रभारी चैनसिंह

मरावी ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से क्षेत्र में पागल कुत्तों के हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी कारण एहतियात के तौर पर बच्चों को स्कूल नहीं बुलाया गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में बाउंड्री वॉल नहीं होने से आवारा पशु और कुत्ते आसानी से अंदर प्रवेश कर जाते है जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा पर खतरा बना रहता है। प्रभारी ने बताया कि विद्यालय में बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग को लेकर उच्च अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन को मौखिक एवं लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पागल एवं आवारा कुत्तों को पकड़ने प्रभावित लोगों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

मां नर्मदा का जल लेकर भोरदेव निकले कांवड़िया

मण्डला(स्वतंत्रमत)

छत्तीसगढ़ राज्य के जिला कबीर धाम क्षेत्र के चिल्फी घाटी के युवा विगत कई वर्षो कांवड़ यात्रा निकाल रहे हैं। मां सिंहवाहिनी समिति के बैनर तले आयोजित इस कांवड़ यात्रा का आयोजन मां नर्मदा की नगरी मंडला से किया जाता है। कांवड़ यात्रा के संयोजक ब्रजेश तिवारी ने बताया कांवड़ यात्रा का यह 28वां वर्ष हैं। आज से ठीक 28 साल पहले तीन लोगो के द्वारा यह कांवड़ यात्रा आरंभ की गई थी आज सैकड़ो युवा अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। महिष्मति घाट में मां नर्मदा का पूजन कर महाआरती की और कांवड़ यात्रा आरंभ हुई। यहां पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, अखिल भारतीय बनवासी कल्याण आश्रम किशोरी लाल साहू, सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार, नीरज अग्रवाल, किशोर रजक, राजेश दीक्षित, राजेश क्षत्री,

मुकेश सोनी, पंडित रामणीय दुबे सहित अन्य सामाजिक लोगों ने कांवड़ियो का महिष्मति घाट परिसर में स्वागत किया और कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। वहीं कांवड़ यात्रा का झूलापुल स्थित भोलेनाथ मंदिर के पदाधिकारियों के द्वारा स्वागत किया गया। यहां पर गुड्डू ठाकुर मुन्ना कोष्ठा सहित अन्य पदाधिकारी ने कांवड़िया को पुष्पमाला पहनाई और फल वितरण किया। इस अवसर पर ब्रजेश तिवारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों द्वारा सावन के महीने में की जाने वाली एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इस यात्रा में भक्त गंगाजल या किसी पवित्र नदी से जल भरकर लाते हैं और उसे अपने क्षेत्र के शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि कांवड़ यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है बल्कि यह भक्तों के बीच एकता सेवा, और समर्पण की भावना को भी बढ़ावा देती है। बिलकुल कांवड़ यात्रा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व जितना गहरा है उतना ही विशेष होता है इसमें भाग लेने वाले कांवड़ियों का समर्पण और जीवनशैली। मां सिंहवाहिनी समिति चिल्फी घाटी जिला अध्यक्ष ने बताया कि जो लोग भगवान शिव के भक्त होते हैं और उन्हें बोल बम हर हर महादेव, और बम बम भोले जैसे जयकारों से संबोधित करते हैं। यात्रा के दौरान शिव भजनों का लगातार गायन होता है। अनेक कांवड़िए यात्रा के दौरान उपवास रखते हैं और दिन-रात शिव का स्मरण करते हैं। मार्ग में सेवा शिविरों में रुकते हैं जहां उन्हें भोजन, दवाई, विश्राम आदि की सुविधाएं दी जाती हैं सोमवार की सुबह कांवड़िया भोरम देव पहुंचेंगे जहां पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

नैनपुर के आनंद गार्डन में वृहद पौधारोपण

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित प्रदेश के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक नैनपुर शाखा द्वारा आनंद गार्डन, नैनपुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 150 छायादार एवं फलदार प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पजवानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए एसबीआई की इस पहल की सराहना करते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार, मुख्य प्रबंधक वरुण शुक्ला, फील्ड ऑफिसर देव साहू, मांगी राम तथा राजेश सहित बैंक के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय

सहभागिता निभाई। एसबीआई द्वारा आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण हेतु प्रेरित करना है।

ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

जिले के मोतीनाला थाना क्षेत्र के मवई विकासखंड अंतर्गत ग्राम बदवार में दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम बदवार निवासी 28 वर्षीय नंदकुमार यादव गुरुवार को अपने खेत में ट्रैक्टर से कृषि कार्य कर रहे थे। कृषि कार्य पूरा करने के बाद वे ट्रैक्टर को खेत से सड़क की ओर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया जिससे उसकी मौंत हो गई। सूचना मिलते ही मोतीनाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

लाइट इंजन की चपेट में आकर वृद्ध चरवाहे की मौत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर बालाघाट रेल ट्रैक पर एक वृद्ध की लाइट इंजन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। हादसा पादरीगंज और नैनपुर के बीच का बताया गया है। मृतक का नाम तुलसीराम मरकाम पिता बुट्टे मरकाम उम्र 62 वर्ष बताया जा रहा है। जो नैनपुर के ग्राम अतरिया का रहवासी है। जानकारी अनुसार मृतक एक चरवाहा था जो अचानक रेल इंजन की चपेट में आ गया। मौके पर 112 ने पहुंचकर शव को नैनपुर चिकित्सालय लाया गया। जहां पोष्ट मार्टम कार्यवाही उपरान्त शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

मिर्च से भरी पिकअप नहर में गिरी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अलीपुर चौराहा पर गुरुवार को मिर्च से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा समाई। हादसे के समय वाहन में चालक सहित चार अन्य लोग सवार थे, जो रायपुर से मिर्च लेकर छिंदवाड़ा जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप तेज रफ्तार में थी। अलीपुर चौराहे पर बने स्पीड ब्रेकर को पार करते

ही चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे पिकअप सड़क से उतरकर नहर में पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। सभी को मामूली चोटें आई हैं और समय पर ग्रामीणों की मदद मिलने से बड़ा हादसा टल गया।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला

क्रमांक/न.प./लो.नि/2026/748 — बम्हनी बंजर दिनांक 06/08/2026

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं निविदा का विस्तृत विवरण वेबासाइड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयवधि एवं लागत राशि	निविदा प्रपत्र मूल एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026-UAD-516689-2 दिनांक 06/08/2026	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु चार्टर एकाउटेंट के कार्य।	12 माह लागत राशि 5,00,000/-	2000/-रूपए ईएमडी 5000/- रूपये	21/08/2026

नोट:- निविदा से संबंधि किसी भी प्रकार के संसोधन की स्थिति में ऑनलाईन की वेबसाईड पर ही किया जावेगा। समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

कार्यालय नगर पालिका परिषद मण्डला

Email - cmomandla@mpurban.gov.in contct-07642-250705

क्रमांक/रा./शा./2026/2030 — मण्डला, दिनांक 06/08/2026

इश्तेहार सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न भवन/भूमि के कर संग्रहण के उद्देश्य से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। नामांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। अवधि समाप्त होने के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी। भवन एवं आवेदकों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	नगर पालिका में दर्ज नाम व वार्ड	आवेदक का नाम	भवन के नामांतरण का आधार
1	माखनलाल, श्यामलाल कोष्टी पिता रतनलाल, शहीद उदयचंद वार्ड	श्री वेद हिडाऊ पिता स्व. मुकेश वली मां ज्योति हिडाऊ	नजूल शीट नं. 24 अ प्लाट नं. 135/1 रकबा 906 व.फु. भवन-भूमि में ई-पंजीकृत वसीयतनामा नजूल आदेश, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं खसरा के आधार पर
2	श्री अजीत कुमार जैन पिता श्री लालचंद डॉ. अम्बेडकर वार्ड	श्री शैल जैन पति स्व. अजीत कुमार गौरव जैन, सुनैना जैन	नजूल शीट नं. 23 बी प्लाट नं. 39/3 रकबा 385 व.फु. भवन भूमि में नजूल आदेश मृत्यु प्रमाण पत्र एवं खसरा के आधार पर
3	श्री द्वारका अग्रवाल, रानी दुर्गावती वार्ड	श्री शशिकांत डोंगसरे पिता श्री विपिन एवं श्री श्रीयांश पिता श्री सूर्यकांत डोंगसरे	नजूल शीट नं. 19 डी प्लाट नं. 64 रकबा 1132 व.फु. भवन भूमि में नजूल ओदश ई पंजीकृत विक्रय पत्र एवं खसरा के आधार पर
4	श्री शिवनाथ चौरसिया पिता श्री दुर्गा प्रसाद श्रीराम वार्ड	श्री प्रफुल्ल कुमार, पदम कुमार, अनूप कुमार, आदेश कुमार पिता स्व. श्री शिवनाथ चौरसिया	नजूल शीट नं. 19 डी प्लाट नं. 128/2 रकबा 1630 व.फु. भवन-भूमि में मृत्यु प्रमाण पत्र (शिवनाथ) एवं खसरा के आधार पर
5	श्री तुलसीराम कछवाहा आ. मोहनलाल डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड	श्रीमति नीलिमा उर्फ छाया कछवाहा पति स्व. श्री रविशंकर, श्री मनीष कछवाहा पिता स्व. श्री रविशंकर	नजूल शीट नं. 17डी प्लाट नं. 10/4 रकबा 348 व.फु. भवन-भूमि में नजूल ओदश एवं खसरा के आधार पर
6	रिक्त भूखंड सरदार पटेल वार्ड	श्रीमति उर्मिला चंद्रोल पति स्व. श्री मोहनलाल	ग्राम लालीपुर प.ह.नं. भूमि खसरा नं. 209/3/4/5 रकबा 1095 व.फु. भवन-भूमि में ई-पंजीकृत विक्रय पत्र एवं खसरा के आधार पर
7	श्रीराम लाल कोरी पिता श्री धिरूआ सरदार पटेल वार्ड	श्री नरेन्द्र कुमारी कोरी पिता स्व. श्री रामलाल	ग्राम लालीपुर प.ह.नं. 15 खसरा नं. 169/2, 171/2 रकबा 0.008 हे. भवन भूमि में मृत्यु प्रमाण पत्र सहमति पत्र एवं खसरा के आधार पर
8	श्री जुमडालाल सिंधे पिता अर्जुनदास श्री अर्जुनदास पिता हसमतमल, श्री दयाराम सिंधी पिता अर्जुनदास, श्री मायाराम सिंधी पिता अर्जुनदास, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड	श्री सुरेश बसंतानी, आकाश बंसतानी पिता श्री नारायण बसंतानी	नजूल शीट नं. 23डी प्लाट नं. 31/7, 32/11/31/8, 32/12 रकबा 2000 व.फु. एवं प्लाट नं. 31/9, 32/13/ 31/10, 32/14 रकबा 2000 व.फु. कुल रकबा 4000 व.फु. भवन भूमि में नजूल ओदश, ई-पंजीकृत दान पत्र एवं खसरा के आधार पर
9	श्री चंद्रभूषण शर्मा पिता श्री श्यामसुंदर सरदार भगतसिंह वार्ड	श्री राज दुबे पिता श्री चंद्रभूषण श्री दीपांशु पिता श्री प्रदीप शर्मा	नजूल शीट नं. 23 सी प्लाट नं. 2/43, 4/21 रकबा क्रमशः 990, 2286 व.फु. कुल रकबा 3226 व.फु. भवन-भूमि में नजूल आदेश, ई-पंजीकृत दान पत्र एवं खसरा के आधार पर

(गजानन नाफडे)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मण्डला

आम इश्तहार

मैं अरविन्द अग्रवाल पिता स्व. श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल उम्र 64 वर्ष रेलवे स्टेशन रोड महा राजपुर तहसील व जिला मंडला के नाम से वनविभाग की अनुमति के आधार पर अपनी निजी भूमि जिसका खसरा क्रमांक 10/1 मैं पिछले 25 वर्षो से आरा मशीन का संचालन कर रहा हूं। व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण जिस परिसर में आरामशीन स्थापित है उसी परिसर में अपने स्वामित्व व कब्जे खसरा क्रमांक 2/12 भूमि में आरा मशीन स्थापित करना चाहता हूं अत: मेरे द्वारा आरा मशीन के स्थानांतरण पर यदि किसी व्यक्ति की कोई आपत्ति है तो 15 दिन के भीतर लिखित मे आपत्ति पेश करें। अन्यथा मेरे द्वारा आरा मशीन स्थानांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

दिनांक 06/08/26

अरविंद अग्रवाल
9425165730

गर्भवती को कराया भर्ती

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के तहत हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में विकासखंड नारायणगंज के ग्राम चाटी निवासी गर्भवती महिला श्रीमती सोनवती पति श्री चंद्रेश को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने समझाइश देकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी में भर्ती कराया स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महिला गर्भावस्था जनित उच्च रक्तचाप तथा मध्यम एनीमिया से पीड़ित है पूर्व में उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था।

पंचायतों में वित्तीय जागरूकता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय रिजर्व बैंक के विशेष प्रोजेक्ट के तहत जिले के सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में व्यापक वित्तीय जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समर्पित संस्था द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना और सुरक्षित बैंकिंग के प्रति जागरूक करना है कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ब्लॉक काउंसलर्स ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए बैंक खाता खोलने, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी ने प्राकृतिक आपदा के तहत पानी में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में मृतक के निकटतम वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। जारी आदेश के अनुसार, गणेश पिता रम्मू, निवासी ग्राम आमानाला, तहसील एवं जिला मंडला की 16 जुलाई को नर्मदा नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण पानी में डूबना प्रमाणित होने के बाद आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत सहायता राशि स्वीकृत की गई।

मवेशी भेजे कांजी हाउस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद ने शहर की सड़कों पर घूम रहे 41 निराश्रित मवेशियों को विशेष रात्रि अभियान चलाकर गठित टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों से हटाकर कांजी हाउस में सुरक्षित भेजा गया। नगर पालिका ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

आबकारी ने पकड़ी शराब

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देश एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली शैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने शहर में अवैध शराब के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया कार्यवाही के दौरान राजस्व एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने पुरवा क्षेत्र में दबिश देकर सुरेश कछवाहा के कब्जे से विक्रय के लिए रखी गई 14 नग देसी एवं विदेशी शराब बरामद कर जब्त की वहीं रामबाग स्थित बिग डैडी रेस्टोरेंट की भी तलाशी ली गई।

पीएम आवास पात्रता सूची जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के बीएलसी घटक के अंतर्गत प्रारंभिक पात्रता सूची जारी कर दी है। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी मंडला के आदेशों के परिप्रेक्ष्य में गठित जांच दल द्वारा सत्यापन के बाद 21 आवेदकों को प्रारंभिक रूप से पात्र पाया गया है। यदि किसी नागरिक अथवा अन्य व्यक्ति को जारी पात्रता सूची पर कोई आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में लिखित आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर नगर पालिका परिषद में प्रस्तुत कर सकता है।

संपादकीय

अभिव्यक्ति का कितना अधिकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईसा मसीह और महात्मा बुद्ध के 'क्षमा-याचना सिद्धांत' के आधार पर उन बच्चों, छात्रों, युवाओं को माफ कर दिया है, जिन्होंने उन्हें और उनकी दिवंगत मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने गालीबाज युवाओं को शायद इसलिए माफ कर दिया, क्योंकि वह देश में 'जेन-जी' का मूड भांप चुके थे। हालांकि ये गालीबाज युवा 'जेन-जी' के समग्र प्रतिनिधि नहीं हैं और न ही देश का युवा अपने प्रतिनिधि के तौर पर उन्हें स्वीकृति, मान्यता देता है। दिल्ली के 'जंतर-मंतर' पर जो युवा-प्रदर्शन किया गया था, उसमें सभी वाकई 'जेन-जी' की जमात नहीं थे। उनमें 2873 आपराधिक आरोपित चेहरे भी थे, ऐसा पुलिस ने पहचान कर चिह्नित किया है। उस भीड़ में सपा, 'आप', चंद्रशेखर आजाद की पार्टी और वामदलों के भेजे गए काडर भी थे। क्या प्रधानमंत्री उन्हें भी माफ कर देंगे, जिन्होंने पुलिस वालों के सिर फोड़ने और किसी भी तरह संसद भवन में घुसने की साजिशें तैयार की थीं? कुछ छात्रों, बच्चों ने हाथ जोड़ कर प्रधानमंत्री से माफी मांगी है और अपने अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों के लिए शर्मिन्दगी महसूस की है।

'कॉकरोच' पार्टी के कुछ चेहरे प्रधानमंत्री के माफीनामे को खारिज कर रहे हैं। उनकी दलील है कि 50 फीसदी सांसदों पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। भाजपा में भी ऐसे नेता हैं, जो गाली से बदतर व्यवहार करते हैं और आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में 'अभिव्यक्ति की आजादी' का उल्लेख है, लेकिन वह निरंकुश, अपरिमित नहीं है, क्योंकि अनुच्छेद 19 (2) में प्रावधान है कि अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। मसलन- प्रधानमंत्री को या किसी को भी इस तरह गालियां देना अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास इन गालियों को 'अपराध' ही नहीं मानते। प्रधानमंत्री देश के निर्वाचित नेता हैं, न कि उन्होंने यह पद कब्जाया है। उनकी नीतियों, कार्यक्रमों और पूरी सरकार का विरोध करें, शांतिपूर्ण आंदोलन करें, गालियां देने का औचित्य क्या है? उससे तो व्यक्ति का अपना चरित्र कलंकित होता है। बहरहाल प्रधानमंत्री के अघोषित निर्देश पर उन राज्यों की सरकारों और पुलिस ने प्रदर्शनकारी युवाओं के खिलाफ प्राथमिकी और आपराधिक केस वापस लिए हैं या ऐसा निर्णय किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवा बच्चों को माफ करने की घोषणा की है, क्योंकि वह देश के सर्वप्रथम कार्यकारी प्रमुख हैं, बुजुर्ग हैं, संवैधानिक शक्तियां रखते हैं और एक राजनेता के तौर पर देश की 65 फीसदी से अधिक आबादी को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकते। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि छात्रों, युवाओं और पुलिस-सुरक्षा बलों के जवानों, अधिकारियों के मानवाधिकार, संवैधानिक अधिकार और नागरिक अधिकार एक समान हैं। युवा घायल हुए हैं, तो यह भी चिंतनीय और निंदनीय है। सुरक्षा कर्मियों के सिर में टांके लगे हैं और कई बाल-बाल बचे हैं, तो ये भी अराजकता, हिंसा के साक्ष्य हैं। मामले सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं। बहरहाल आंदोलन में सक्रिय जिन आपराधिक, असामाजिक तत्वों पर हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार, लूट-डकैती, महिला उत्पीड़न आदि के आरोप हैं, उन्हें माफ नहीं किया जाना चाहिए। विदेशी सोशल मीडिया कंपनियों पर भी नकेल कसनी चाहिए। कानून को फैसला लेने दिया जाए। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति का अधिकार देता है, किंतु यह अधिकार असीमित नहीं है। इस पर कुछ जायज प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। इन्हीं सीमाओं के भीतर रहकर स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति के अधिकार का सदुपयोग किया जा सकता है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026

चुनौतियों के बीच चमका भारत

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रमंडल खेल केवल पदकों की प्रतियोगिता नहीं बल्कि किसी देश की खेल संस्कृति, प्रतिभा विकास, खेल विज्ञान, प्रशिक्षण व्यवस्था और दीर्घकालिक खेल नीति का दर्पण भी होते हैं। ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों का समापन भारत के लिए अनेक उपलब्धियों, कुछ अधूरी अपेक्षाओं और भविष्य की नई संभावनाओं के साथ हुआ। भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार प्रतियोगिता के कार्यक्रम में निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस इत्यादि भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल ही नहीं थे। इन खेलों में भारत सामान्यत: बड़ी संख्या में पदक जीतता रहा है। ऐसे में सीमित अवसरों के बावजूद चौथा स्थान बनाए रखना भारतीय खिलाड़ियों की क्षमता और जुझारूपन का प्रमाण है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदक जीतकर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे तथा कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड भी 39 पदकों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहा। भारत और स्कॉटलैंड के कुल पदक समान रहे लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा।

यदि पिछले राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन की तुलना करें तो एक दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। वर्ष 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य सहित कुल 66 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया था। उस प्रतियोगिता में निशानेबाजी ने अकेले 16 पदक दिलाकर भारत की सफलता में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और कुश्ती में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। 2022 में इंग्लैंड के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 61 पदक जीतकर चौथा स्थान प्राप्त किया था। तब कुश्ती में भारत के सभी 12 पहलवानों ने पदक जीतकर इतिहास रचा था जबकि भारोत्तोलन और टेबल टेनिस में भी भारतीय खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की थी। इन दोनों आयोजनों की तुलना में 2026 के ग्लासगो खेलों में भारत के कुल पदकों की संख्या घटकर 39 रह गई। पहली दृष्टि में यह गिरावट चिंताजनक लग सकती है किंतु यदि प्रतियोगिता के कार्यक्रम का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि भारत के अनेक पदक संभावित खेल इस बार आयोजित ही नहीं किए गए। इसलिए केवल पदकों की संख्या के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। वास्तव में भारत ने उपलब्ध अवसरों का काफी प्रभावी उपयोग किया और जिन खेलों में उसने भाग लिया, उनमें उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

इस बार भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ अभियान चलाया। भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल दस पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। महिला मुक्केबाजों ने विशेष रूप से प्रभावित किया। जैस्मीन लम्बोरिया, प्रिया घनघस, साक्षी चौधरी और प्रीति पवार जैसी युवा खिलाड़ियों ने यह संकेत दिया कि भारतीय महिला मुक्केबाजी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन स्वर्ण से भले चूक गई लेकिन उनका अनुभव और प्रदर्शन भारतीय मुक्केबाजी की मजबूती का प्रमाण बना रहा। पुरुष वर्ग में भी सचिन सिवाच और अंकुश सहित अन्य मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की पदक संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय मुक्केबाजी अब केवल कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही बल्कि उसके पास प्रतिभाओं की व्यापक श्रृंखला तैयार हो चुकी है।

भारोत्तोलन ने भी भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखी। पिछले एक दशक में इस खेल में भारतीय खिलाड़ियों ने निरंतर प्रगति की है। ग्लासगो में भी उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित किया कि विश्व स्तर पर भारत अब एक मजबूत शक्ति बन चुका है। जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया और कई महत्वपूर्ण पदक जीतकर यह संदेश दिया कि यह खेल भी भारत में तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि जूडो खिलाड़ी तूलिका मान का डोपिंग रोधी नियमों के अंतर्गत तीन बार 'वेयरअबाउट्स' संबंधी जानकारी देने में विफल रहने के कारण अस्थायी निलंबन और प्रतियोगिता से बाहर होना भारतीय दल के लिए एक बड़ा झटका था। यह घटना बताती है कि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में केवल खेल कौशल ही नहीं, डोपिंग रोधी नियमों के प्रति पूर्ण जागरूकता और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन इस बार विशेष चर्चा का विषय रहा। गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ते हुए 10,000 मीटर दौड़ में रजत और 5,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वे एक ही राष्ट्रमंडल खेल में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले भारत को इन लंबी दूरी की स्पर्धाओं में कभी पदक नहीं मिला था। यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के बदलते स्वरूप और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रणाली की सफलता का संकेत देती है। पैरा खेलों में भी भारत ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल सात पदक जीतकर नया इतिहास बनाया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों के पैरा वर्ग में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बराबर है।

यदि भारतीय दल के प्रदर्शन का गहन विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि इस बार महिलाओं ने शानदार योगदान दिया। महिला खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर भारतीय खेलों में बढ़ती महिला भागीदारी और उत्कृष्टता का परिचय दिया। दूसरी ओर पुरुष खिलाड़ियों ने कुल 23 पदक जीतकर संतुलित प्रदर्शन किया। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि 2026 का प्रदर्शन भारत के लिए संतोषजनक अवश्य है लेकिन ऐतिहासिक नहीं। वर्ष 2010 के नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल आज भी भारत के स्वर्णिम अध्याय बने हुए हैं, जब भारत ने 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया था। घरेलू मैदान का लाभ अपनी जगह है लेकिन वह प्रदर्शन यह भी दर्शाता है कि यदि मजबूत खेल अवसंरचना, व्यापक खिलाड़ी आधार और सुव्यवस्थित तैयारी हो तो भारत शीर्ष देशों को कड़ी चुनौती देने की क्षमता रखता है।

भारत की खेल यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष अब यह है कि देश अब कुछ चुनिंदा खेलों तक सीमित नहीं रह गया है। पहले भारत की अधिकांश सफलता निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन और भारोत्तोलन तक सीमित रहती थी जबकि अब मुक्केबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा खेलों में भी लगातार नए खिलाड़ी उभर रहे हैं। यह परिवर्तन भारत की खेल नीति, खेलो इंडिया जैसी योजनाओं, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल विज्ञान, पोषण और खिलाड़ियों को मिलने वाले आर्थिक सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। हालांकि अभी भी प्रतिभा पहचान, जमीनी स्तर पर कोचिंग, खेल चिकित्सा, मानसिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी अनुभव को और मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है। अब भारतीय खेल जगत की निगाहें वर्ष 2030 पर टिक गई हैं, जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद करेगा। यह केवल एक खेल आयोजन नहीं बल्कि भारत के लिए विश्व के सामने अपनी खेल क्षमता, आधुनिक अवसंरचना और संगठनात्मक दक्षता प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर होगा।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों ने भारत को यह विश्वास अवश्य दिलाया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, भारतीय खिलाड़ी हर मंच पर देश का गौरव बढ़ाने का सामर्थ्य रखते हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन उपलब्धियों को अंतिम लक्ष्य न मानकर उन्हें ओलंपिक और वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाए। जिन खेलों में भारत विश्वस्तरीय शक्ति बन चुका है, उन्हें और सशक्त किया जाए तथा एथलेटिक्स, तैराकी, जिम्नास्टिक और अन्य ओलंपिक खेलों में भी दीर्घकालिक निवेश बढ़ाया जाए। यदि भारत अपनी खेल नीतियों में निरंतरता बनाए रखता है, खिलाड़ियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, विश्वस्तरीय सुविधाएं और दीर्घकालिक समर्थन उपलब्ध कराता है तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्रमंडल ही नहीं, ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी भारत पदक तालिका के शीर्ष देशों में नियमित रूप से दिखाई देगा।

गुल खिलाते रहे हैं उपचुनाव

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

अलग-अलग मिजाज के तीन राज्यों में तीन उपचुनाव हुये। तीन तारीख को तीनों के नतीजे आ गये। कुल जमा नतीजा निकला 2-1। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी को धचका लगा। गुजरात उसकी शक्तिपीठ है। वहां वह जीती, लेकिन उसके मतों का प्रतिशत कम हुआ और हारजीत का अंतर भी। जाहिर है कि बहती हवायें उसकी साख और शाखाओं को कुम्हला रही हैं। द्रुत नहीं, मगर आहिस्ता-आहिस्ता उसकी पूंजी का क्षरण हो रहा है। नवनिर्माण आंदोलन को पचासेक साल हुये। %आप% ने कोशिश की। जड़ें जमी नहीं। मोर्चा कांग्रेस को ही बांधना होगा और उसे ही मोशा की व्यूह-रचना को भेदना होगा। गुजरात में कांग्रेस के पास उसके सौभाग्य से शक्तिसिंह गोहिल जैसा जुझारू और प्रतिभाशाली नेता है। गुजरात दरका तो उसका असर दूर तक पड़ेगा।

उपचुनावों को हलके में लेना ठीक नहीं है। उपचुनाव पहले भी गुल खिलाते रहे हैं। डॉ. राममनोहर लोहिया सन 1963 में उपचुनाव में जीतकर ही संसद में पहुंचे थे। चिकमगलूर में उपचुनाव ने ही श्रीमती इंदिरा गांधी की वापसी का मार्ग प्रशस्त किया था। स्मृति की बही में खरसिया उपचुनाव भी दर्ज है। मतगणना में अर्जुनसिंह जीते जरूर किंतु दिलीपसिंह जूदेव हारकर भी जीत गये थे। मध्यप्रदेश में कैलाशनाथ काटजू ने मात खाई तो उत्तरप्रदेश में भी सीएम टी.एन. सिंह का यही हश्र हुआ था। प्रसंग और भी हैं। किस्सा कोताह यह कि उपचुनावों के नतीजों के दूरगामी महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

बिहार में बांकीपुर के परिणाम को लें। बिहार इस महादेश का जागृत प्रदेश है। जेपी के आंदोलन ने देश और प्रदेश को ऐसे दमदार नेताओं की खेप दी, जिन्होंने करीब पचास साल राजनीति को प्रभावित किया। बांकीपुर का नतीजा बीजेपी के खिलाफ गया। वह भी तब जब इतिहास में पहली बार सत्ता सीधे बीजेपी के हाथों में है। यही नहीं बांकीपुर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निर्वाचन क्षेत्र है। बीजेपी को यहां काबिज हुये तीन दहाइयां बीत गईं। यहां न कांग्रेस जीती, न राजद। जीत जनसुराज नामक जुम्मा-जुम्मा आठ रोज पहले अस्तित्व में आई पार्टी के संस्थापक नेता प्रशांत किशोर की हुई, जो अब तक पूरब-पश्चिम और दक्षिण के राज्यों में प्रबंधकीय यानि मैनेजीरियल भूमिका में थे। बांकीपुर के बांके नतीजे में कई निहितार्थ छिपे हैं। प्रशांत किशोर, जो सन 2013 में गुजरात में नरेन्द्र मोदी की सफलता के पार्श्व नायक रहे हैं, की निष्ठा और वैचारिकी संदिग्ध है। वह पढ़े-लिखे, प्रबंधपटु, तार्किक और साधन संपन्न नेता हैं और नेपथ्य से पहली बार मंच पर आये। गत वर्ष हुये असेंबली चुनाव में उनकी पार्टी के 238 में से 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी, लेकिन प्रशांत ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने ने तो स्यापा किया और न भडांस निकाली। उन्होंने विनम्रतापूर्वक हार कुबूल की। भितहरवा आश्रम में मौन धरा, पांच साल तक पार्टी को 90 फीसद कमाई देने का कौल किया, बूथ की धूल की महत्ता समझी और फिर स्वयं चुनाव के लिए कमर कसी। जेनजी आंदोलन, उसके साथ सत्ता के सलूक और बिहार की सियासी तासीर और रविशंकर के गैरजरूरी बड़बोलेपन ने उनकी मदद की। नितिन नबीन और पार्टी की भद्द पिटी। बिलाशक, बांकीपुर में प्रशांत बेहतर च्वाइस थे। वह जीते, मगर अब उनकी असल परीक्षा होगी। देखना होगा कि वह फौरी लाभ की राजनीति करते हैं अथवा दूरगामी और जन सरोकारों की। गौलतलब है कि इस चुनाव में राजद ने फकत रस्म अदायगी की। ऐसा लगा कि तेजस्वी यादव की सहानुभूति प्रशांत किशोर के साथ है? क्या तेजस्वी चाहते हैं कि प्रशांत बीजेपी-विरोधी मुहिम में शामिल हों? उनकी नज़र जदयू के वोट बैंक पर है।

अब आएं दतिया की ओर। प्रशांत किशोर ब्राह्मण हैं और दतिया में पार्टी के सलूक से आहत नरोत्तम भी ब्राह्मण। संप्रति ब्राह्मण मतदाता, जो बीजेपी के कोर-वोटर रहे हैं, बीजेपी से क्षुब्ध हैं। कांग्रेस ने फूंक-फूंक कर कदम रखे। दिग्विजय सिंह ने चौसर बिछाई। सिद्धार्थ कुशवाह डब्बू अपनी भूमिका में सफल रहे। नरोत्तम के आंसू उनके दिल की जुबान थे। दतिया ने उनके साथ छल को पसन्द नहीं किया, अलबत्ता हवा की अलगनियों पर ढेरों किस्से लटके हुये थे, अच्छे भी और बुरे भी। मोहन यादव की छवि पर खरोंचें आईं। साफ हुआ कि वृहत्तर यादव समाज उनको तरजीह नहीं देता। दतिया में बीजेपी के वोटों में बीस हजार से ज्यादा की कमी आई। अन्यत्र भी उसके समर्थक घरों में कैद रहे। आलाकमान की बकलोलों की तरजीह को लोगों ने पसंद नहीं किया। बिहार से वोटर न तो भरत तिवारी मुठभेड़ भूले हैं और न मध्यप्रदेश में लोग चंदा चोरी। जेनजी का असर चौतरफा रहा है। दतिया में घनश्याम सिंह, दिग्विजय सिंह, सिद्धार्थ, जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, अजय सिंह और मांडवी कुमारी की टीम सफल रही और मुख्यमंत्री और मंत्रियों समेत भरत सिंह-राहुल कोठारी की जोड़ी असफल। तो क्या बीजेपी के गुब्बारे में छेद का आगाज हो गया है। अकारण नहीं है कि सांसद विवेक तनखा दूरगामी महत्ता के इन चुनावों को लोकतंत्र की वापसी से जोड़कर देख रहे हैं।

गुरु का उचित न्याय

संतोष उत्सुक

बाल कहानी

यह उस समय की बात है जब पढाई में कमज़ोर विद्यार्थियों को उनके शिक्षक घर बुलाकर या विद्यालय में ही समय निकाल कर अलग से पढ़ाया करते थे। उन विद्यार्थियों से कोई टयूशन फीस भी नहीं ली जाती थी। उन दिनों स्कूल में बच्चों की पिटाई भी होती थी मगर माता पिता को कोई खबर नहीं दी जाती थी। किसी तरह बात अगर घर तक पहुंच भी जाती तो कितनी ही बार अभिभावक खुद स्कूल जाकर अध्यापक का धन्यवाद करते थे। गलती करने पर विद्यार्थियों को घर पर अलग से डांट पड़ती थी। एक दिन की घटना है उस समय गणित का पीरियड चल रहा था, गुरूजी द्वारा कई बार समझाने और बार बार खुद कोशिश करने के बावजूद भी एक विद्यार्थी सवाल हल नहीं कर पा रहा था। इत्तफाक से उस दिन अध्यापक का मूड भी कुछ ठीक नहीं था, शायद इसलिए उन्हें उस विद्यार्थी पर गुस्सा आ गया। उनकी कक्षा खत्म होने के बाद आधी छुट्टी होनी थी जिसमें सभी ने मिल बैठकर खाना खाना था। गुरूजी ने यह फैसला लेते हुए कि उस विद्यार्थी की पिटाई करनी है क्लास मानीटर से कहा, 'मानीटर जाओ एक डंडा लेकर आओ, आज मैं इसकी खबर लेता हूं'। मानीटर डंडा लेने कक्षा से बाहर गया और जल्दी से लकड़ी का छोटा सा कमज़ोर, पतला टुकड़ा ले आया और बोला, 'लीजिए गुरूजी'।

शिक्षक को लकड़ी का टुकड़ा देखते ही गुस्सा आ गया, 'इससे कहीं सज़ा मिलती है, देखो मैं तुमको ही लगाता हूं' यह कहते हुए उन्होंने वह डंडा मानीटर को ही लगा दिया और बोले, 'जाओ जाकर दूसरा डंडा लेकर आओ। मानीटर फिर भागा डंडा लेने के लिए, उसे थोड़ा समय लग गया और इस बार पुराने स्टूल की टूटी हुई टांग ले आया। उसे लगा इस बार बढ़िया डंडा लाने के लिए गुरूजी उसे शाबाशी देंगे लेकिन जैसे ही मोटी लकड़ी को अध्यापक ने हाथ में पकड़ा उनका गुस्सा बढ़ गया और मानीटर की टांग पर लगभग जोर से मारने का अभिनय करते हुए बोले, 'मानीटर, क्या तुम इसके दुश्मन हो जो इतना मोटा डंडा लाए हो'। अब मानीटर घबरा गया उसे लगा अब पिटने की उसकी बारी है।

गुरूजी ने वह लकड़ी मेज़ पर रख दी और कुछ क्षणों के लिए मौन रहने के बाद बोले, 'बच्चो, आपने देखा जब मानीटर पतला डंडा लाया तब भी उसे डांट पड़ी और जब ज्यादा मोटा लाया तब भी, मेरा आशय किसी विद्यार्थी को पीटना नहीं था बल्कि समझाना कि गलती करने वाले को उचित सज़ा मिले, न कम न ज्यादा'। उन्होंने उस विद्यार्थी से कहा कि वह घर जाकर अभ्यास करे और यदि उसे फिर भी समझ न आए तो रोज़ाना पढने के लिए, छुट्टी के बाद उनके घर आ जाया करे। अध्यापक ने पूरी क्लास को संबोधित करते हुए कहा कि जिस बच्चे को भी गणित विषय में कुछ समझ न आ रहा हो वह भी आ सकता है। खाना खाने की छुट्टी की घंटी बज चुकी थी, वह बच्चा जिससे सवाल हल नहीं हो रहा था वह पिटाई से बच गया लेकिन उसे और पूरी कक्षा को शिक्षा मिली। खाना खाते समय सब यही बात कर रहे थे कि यदि गुरूजी चाहते तो सज़ा दे सकते थे लेकिन उन्होंने बिना ऐसा किए मानीटर समेत सभी विद्यार्थियों को अच्छे से समझा दिया।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वत: सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है।

आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है।

बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं।

यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी।

सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है।

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव।

लोगों पर जुल्म, मीडिया पर पाबंदी... पीओके में सख्ती के बाद दुनियाभर में हुई पाकिस्तान की थू-थू

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान की बढ़ती सख्ती ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। कश्मीरी समुदाय के लोगों, मानवाधिकार समूहों और वैश्विक निगरानी संस्थाओं ने पत्रकारों पर पाबंदियों और मीडिया की आजादी को लेकर चिंता जताई है। गैर-कानूनी रूप से कब्जे वाली इस घाटी में तथाकथित विधानसभा चुनावों के दौरान शहबाज शरीफ सरकार द्वारा लागू किए गए इन कदमों की प्रेस की आजादी के लिए काम करने वाले संगठनों ने भी आलोचना की है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, पाकिस्तान ने कड़े नियम लागू किए हैं, जिनके तहत विदेशी मीडिया आउटलेट्स के लिए काम करने वाले पत्रकारों को इस्लामाबाद, कराची और लाहौर से बाहर यात्रा करने से पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी। ये पाबंदियां पीओजेके में विरोध प्रदर्शनों की बढ़ती मीडिया कवरेज के बीच लगाई गई हैं, जहां प्रदर्शनकारी जून की शुरुआत से ही ज्यादा राजनीतिक स्वायत्तता की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन पाबंदियों से पाकिस्तान से होने वाली स्वतंत्र रिपोर्टिंग पर बुरा असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, स्थानीय पत्रकारों का कहना है कि इससे

दुनिया के पांचवें सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के बारे में स्वतंत्र पत्रकारिता का एक आखिरी जरिया भी बंद हो जाएगा।

पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया संगठनों के लिए काम करने वाले पत्रकारों को पीओके से तुरंत चले जाने का आदेश भी दिया है। पाकिस्तान के प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने एक बयान में कहा, देश के बड़े हिस्सों से रिपोर्टिंग करने के लिए पत्रकारों को सरकारी मंजूरी लेने की जरूरत एक डरावना संदेश देती है कि आलोचनात्मक रिपोर्टिंग को पसंद नहीं किया जाता है।

पीओके में हो रही घटनाओं की कवरेज करने वाले पत्रकारों पर खास तौर पर दबाव बढ़ा है। कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स के अनुसार, 1 अगस्त को दो स्वतंत्र पाकिस्तानी पत्रकारों को हिरासत में लिया गया और किसी अज्ञात जगह पर ले जाया गया। खबरों के मुताबिक, कई अन्य पत्रकारों को एक ऐसे कानून के तहत अदालत में तलब किया गया है जो इस क्षेत्र से उनकी रिपोर्टिंग को लेकर गलत और फर्जी जानकारी फैलाने को अपराध मानता है।

इन नई पाबंदियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचना हुई है। ह्यूमन राइट्स वॉच की सीनियर एसोसिएट एशिया डायरेक्टर पेट्रीसिया गॉसमैन ने इन्हें देश में प्रेस की आजादी और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए सिकुड़ते दायरे में एक चिंताजनक कदम बताया है।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में पाकिस्तान 180 देशों में 153वें स्थान पर है। पाकिस्तान फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने भी शरीफ सरकार से पाबंदियां हटाने की अपील की। संगठन ने कहा, अगर सरकार सच में यह दिखाना चाहती है कि वह लोकतंत्र और प्रेस की आजादी में यकीन रखती है तो उसे तुरंत यह पाबंदी हटा लेनी चाहिए।

हालांकि, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि विदेशी मीडिया संगठन सामान्य रूप से काम करते रहेंगे और सरकार यात्रा परमिट जारी करने के लिए एक नई व्यवस्था पर काम कर रही है।

माना जा रहा है कि इन पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होने वाली रिपोर्टिंग पर पड़ेगा, जहां चुनाव प्रक्रिया 10 अगस्त को पूरी होनी है। इस इलाके में संवैधानिक सुधारों की मांग को लेकर महीनों से विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। अधिकारी प्रदर्शनकारियों पर हिंसा का आरोप लगाते हैं, जबकि प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को दबाने का आरोप लगाते हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों और स्वतंत्र अनुमानों के मुताबिक जून और जुलाई के दौरान हुई झड़पों में कम से कम 30 लोग मारे गए, जिनमें प्रदर्शनकारी, सुरक्षाकर्मी और आम लोग शामिल थे।

दिसंबर क्यों, उन्हें अभी आना चाहिए, तारिक रहमान के करीबी ने शेख हसीना को दी चुनौती

ढाका

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अगस्त 2024 में सत्ता से हटने के बाद पहली वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी, जेल या जान के खतरे के बावजूद वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। शेख हसीना ने कहा कि मेरी किस्मत चाहे जो भी हो, मैं अपने लोगों के पास लौटूंगी। जब मेरे प्यारे देशवासी तकलीफ में हैं तो मैं दूर नहीं रह सकती... मैं दिसंबर में वापस जाना चाहती हूं।

शेख हसीना के इस बयान के एक दिन बाद ही पीएम तारिक रहमान के कैंप से उन्हें चुनौती मिल गई है। रहमान के सलाहकार सैयद मोअज्जम हुसैन अलाल ने कहा कि अगर हसीना को बांग्लादेश के सिस्टम पर भरोसा है तो फिर इंतजार क्यों करना।

अलाल ने कहा कि दिसंबर तक क्यों, अभी तो सिर्फ अगस्त है। सितंबर, अक्तूबर, नवंबर... तीन महीने और क्यों देरी। उन्हें अभी आना चाहिए। तब, बांग्लादेशी लोग और बांग्लादेशी सिस्टम उनका सामना करेंगे। बांग्लादेशी ज्यूडिशियरी और

एडमिनिस्ट्रेशन तय करेगी कि उनका स्वागत होगा या वह जेल जाएंगी। पिछले दिसंबर में बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जुलाई-अगस्त 2024 की अशांति के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के मामल में हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल की मौत की सजा सुनाई थी। पूर्व पुलिस चीफ चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को सरकारी गवाह बनने पर 5 साल की सजा मिली।

अलाल ने हसीना के बेटे सजीब वाजेद के बयान की भी कड़ी निंदा की। वाजेद ने बुधवार को कहा था कि बांग्लादेश भारत के पूर्वी मोर्चे पर एक और पाकिस्तान बन गया है और विदेशई इंटेलिजेंस की भूमिका पर सवाल उठाए थे। अलाल ने इसे आपत्तिजनक और देश विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि यह बांग्लादेश की अखंडता में दखल है। हमने इसकी गंभीरता से निंदा की। वाजेन ने जुलाई-अगस्त 2024 में हुई मौतों की संख्या पर भी सवाल उठाए और यूएन के आंकड़ों और मुहम्मद यूनुस के अंतरिम प्रशासन के आंकड़ों में फर्क बताया। अलाल ने कहा कि 5 अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेश बदल चुका है। यह बांग्लादेश अब एक डेमोक्रेटिक बांग्लादेश है, जो लोगों के प्रतिनिधि के हिसाब से चलेगा। हम इंडिपेंडेंट फॉरेनी पॉलिसी अपनाएंगे और अपने घरेलू मामलों में बिल्कुल दखल बर्दाश्त नहीं करेंगे। अब नजरें शेख हसीना पर रहेंगी।

नागरिक-सैनिक सहयोग बढ़ाकर विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ा रही है प्रादेशिक सेना : राजनाथ

नयी दिल्ली, (वार्ता)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रादेशिक सेना को राष्ट्रनागरिक-सैनिकराष्ट्र सहयोग की अवधारणा का जीता-जागता उदाहरण बताते हुए कहा है कि राष्ट्रविकसित भारतराष्ट्र के विज़न को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। श्री सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा में बल की दोहरी भूमिका पर जोर दिया। श्री सिंह ने गुरुवार को यहां रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रादेशिक सेना पर विस्तार से चर्चा हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने सदस्यों को बल के काम, भूमिका और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जबकि समिति के सदस्यों ने इसकी कार्यक्षमता को और बढ़ाने के लिए सुझाव दिये। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित कर्मियों का रिजर्व तैयार करके

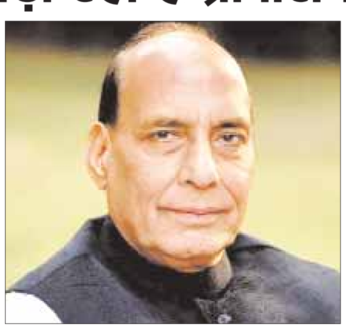

सशस्त्र बलों के लिए राष्ट्रसर्ज कैपेसिटीराष्ट्र बनाती है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। नागरिक जीवन में लौटने के बाद, इसके सदस्य समाज और सेना के बीच एक पुल का काम करते हैं और खासकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रादेशिक सेना को 59 इकाईयों में लगभग 44,400 कर्मियों वाला एक प्रशिक्षित और प्रेरित बल बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले मदद करने वाले बल के रूप में उभरा है। इसने केरल में बाढ़, ओडिशा में चक्रवात और हाल ही में असम में आई बाढ़ के दौरान राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता प्रदान की।

पर्यावरण संरक्षण में योगदान की सराहना करते हुए, प्रादेशिक सेना की इकोलॉजिकल टास्क फोर्स ने लगभग 10 करोड़ पौधे लगाए हैं, जिनके जीवित रहने की दर 80-85 प्रतिशत है। इससे प्रधानमंत्री के राष्ट्रमिशन लाइफ़राष्ट्र और राष्ट्रपंचामृतराष्ट्र लक्ष्यों को हकीकत में बदलने में मदद मिली है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रहर घर तिरंगाराष्ट्र अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में इसकी भूमिका की भी सराहना की। बैठक में रक्षा राराष्ट्रय मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हम अब भी ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैंः ट्रंप

वॉशिंगटन, (स्पुतनिक/वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे अब भी ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैं। लास वेगास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, मैं समझौता करना पसंद करूंगा क्योंकि मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता; मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। लेकिन किसी न किसी मोड़ पर, हमें ऐसा करना ही होगा। हम अब तक के सबसे बड़े हमले के लिए तैयार है और पिछले कुछ महीनों में हमने उन पर बहुत ज़ोरदार हमले किए हैं। लेकिन हम... हम दूसरे विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने मुझे

फ़ोन किया और कहा, कृपया ऐसा न करें। आइए बात करते हैं। और फिर वे ऐसा नहीं करते। वे कहते हैं कि हमने ऐसा कभी नहीं कहा। श्री ट्रंप के नज़रिए से, ईरान अमेरिका का सम्मान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, देखते हैं क्या होता है। श्री ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्होंने ईरान पर हमले इसलिए रद्द कर दिए क्योंकि एक समझौता होने वाला था, जिसकी शर्तों में होर्मुज़ जलडमरूमध्य को खोलना और परमाणु कार्यक्रम पर समझौते शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में ईरान और ओमान के बीच 60 दिनों के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर समझौता करने की बात कही गई है।

महल छोड़ सेना में शामिल हुई डेनिश राजकुमारी इसाबेला, वेतन लेने से किया इनकार

कोपेनहेगन। डेनमार्क के शाही परिवार में ऐतिहासिक पल आया। किंग फ्रेडरिक x और क्वीन मैरी की 19 साल की बेटी प्रिंसेस इसाबेला ने 3 अगस्त को 11 महीने की मिलिट्री सर्विस शुरू कर दी।

वह डेनमार्क के शाही परिवार की पहली महिला सदस्य हैं जिन्हें पूरी एक्टिव मिलिट्री भर्ती दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई स्कूल से ग्रेजुएट होने के कुछ हफ्ते बाद ही इसाबेला स्लैगेल्से के एंटवोर्सकोव बैरक में गार्ड हुसार रेजिमेंट में रिपोर्ट करने पहुंचीं। अपने पहले दिन प्रिंसेस ने लो-प्रोफाइल रखा। वह खुद काली स्कूटी चलाकर बैरक पहुंचीं। पहनावा भी आम लड़कियों जैसा था। एंट्रेंस पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गार्ड को अपनी पहचान दिखाई। कुछ लोकल जर्नलिस्ट और फोटोग्राफर मौजूद थे। अंदर जाने से पहले प्रिंसेस ने उनसे थोड़ी देर बात भी की।

इसाबेला अपने बड़े भाई क्राउन प्रिंस क्रिश्चियन के नक्शेकदम पर चल रही हैं। क्रिश्चियन ने भी इसी बैरक में सर्विस पूरी की थी और अब सेकंड लेफ्टिनेंट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। डेनमार्क के शाही परिवार के सदस्य पारंपरिक रूप से आर्म्ड फोर्सेज़ में काम करते आए हैं, लेकिन एक्टिव 11 महीने की भर्ती पूरी करने वाली पहली महिला इसाबेला ही हैं।

दूसरे रिक्रूट्स से अलग, प्रिंसेस इसाबेला को कोई सैलरी या डेली अलाउंस नहीं मिलेगा। डेनमार्क के शाही परिवार ने कन्फर्म किया है कि इसाबेला ने पैसे लेने से मना कर दिया है। सर्विस के दौरान वह माता-पिता की फाइनेंशियल मदद पर निर्भर रहेंगी। आमतौर पर डेनमार्क में कॉन्स्क्रिप्ट्स को 11 महीने की सर्विस के दौरान महीने की सैलरी, टैक्स-फ्री डेली अलाउंस मिलता है इसाबेला की भर्ती ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन युद्ध और आर्कटिक में तनाव के कारण डेनमार्क अपनी सेना मजबूत कर रहा है। डेनमार्क ने 2024 में महिलाओं के लिए अनिवार्य मिलिट्री सर्विस शुरू की और सर्विस की अवधि 4 महीने से बढ़ाकर 11 महीने कर दी।

उमाशंकर सिंह ने कभी पार्टी को धोखा नहीं दिया, परिवार का पूरा ध्यान रखेगी बसपा : मायावती

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे उमाशंकर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने जीवनभर पार्टी और संगठन के प्रति पूरी निष्ठा बनाए रखी तथा कभी पार्टी को धोखा नहीं दिया।

गुरुवार को दिवंगत विधायक के आवास पर शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में सुश्री मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह उन्हें सगी बहन की तरह मानते थे और उनका निधन उनके लिए व्यक्तिगत एवं राजनीतिक, दोनों ही दृष्टि से अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के कई लोग समय-समय पर साथ छोड़कर चले गए, लेकिन उमाशंकर सिंह अंत तक बसपा के प्रति समर्पित रहे और उन्होंने कभी पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं किया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि यदि दिवंगत विधायक का परिवार चाहेगा तो उनके पुत्र को राजनीति में आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उमाशंकर सिंह को पार्टी में जो सम्मान प्राप्त था, वही सम्मान उनके पुत्र को भी दिया जाएगा।

सुश्री मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी दिवंगत विधायक के पूरे परिवार के साथ खड़ी है और आगे भी हर संभव सहयोग एवं संरक्षण प्रदान करेगी। उन्होंने दिवंगत नेता के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

इससे पूर्व बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से पार्टी विधायक रहे उमाशंकर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। मायावती राजधानी लखनऊ स्थित दिवंगत विधायक के आवास पहुंचीं, जहां उन्होंने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि उमाशंकर सिंह का बुधवार को निधन हो गया था। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे और उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन से बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर है। काफ़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उनको श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं ।

उमाशंकर सिंह पूर्वांचल में बसपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते थे और बलिया के रसड़ा क्षेत्र का विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सनी का किरदार सभी सुपरहीरोज़ से भी ताकतवर : संतोषी

निर्देशक राजकुमार संतोषी का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म राष्ट्रबंटवारा 1947 राष्ट्र में सनी देओल का किरदार सुपरमैन, आयरन मैन समेत सभी सुपरहीरोज़ से भी अधिक ताकतवर है, क्योंकि वह कट्टरता के खिलाफ लड़ता है।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी राष्ट्रबंटवारा 1947राष्ट्र 14 अगस्त को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में जारी फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। ट्रेलर भारत के विभाजन के दर्दनाक दौर की पृष्ठभूमि में इंसानियत और सौहार्द का संदेश देता है। फिल्म में सनी देओल के किरदार को लेकर संतोषी ने कहा कि इसकी तुलना उनकी सुपरहिट फिल्म राष्ट्रगदरराष्ट्र के तारा सिंह से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, तारा सिंह अपने हक के लिए लड़ता है, जबकि हमारी फिल्म का किरदार दूसरों के लिए लड़ता है और इसके लिए वह अपने परिवार तक की परवाह नहीं करता। मैंने सनी के लिए जो किरदार लिखा है, वह सुपरमैन, आयरन मैन और बाकी सभी सुपरहीरोज़ से भी बेहतर है। कोई इंसान किसी व्यक्ति, समूह या सेना से लड़ सकता है, लेकिन यहां सनी कट्टरता के खिलाफ लड़ रहे हैं। दुनिया का कोई भी सुपरहीरो उसके सामने टिक नहीं सकता। फिल्म में शबाना आज़मी, सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फज़ल और अभिमन्यु सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। करीब 30 वर्ष बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की जोड़ी फिर साथ आई है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। संगीत ए.आर. रहमान का है, गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं, जबकि निर्माण आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है। राष्ट्रबंटवारा 1947राष्ट्र 14 अगस्त 2026 को विश्वभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

सैफ-अमृता की शादी की खबर सोहा और सबा को स्कूल में मिली थी, प्रिंसिपल ने दी थी चुप रहने की हिदायत

अभिनेत्री सोहा अली खान और उनकी बहन सबा अली खान ने सैफ अली खान और अमृता सिंह की शादी से जुड़ी एक दिलचस्प याद साझा की है। दोनों बहनों ने बताया कि उन्हें अपने भाई सैफ की शादी के बारे में परिवार से नहीं, बल्कि स्कूल में पढ़ाई के दौरान पता चला था।

सोहा अली खान और सबा अली खान इस सप्ताह अभिनेत्री नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो नेहा और अंगद्स डबल डेट में नजर आएंगी। शो के दौरान बातचीत में दोनों बहनों ने बताया कि जब सैफ अली खान और अमृता सिंह की शादी हुई थी, तब वे दोनों स्कूल में थीं और शादी अचानक तय होने के कारण वे समारोह में शामिल नहीं हो सकीं।

सबा अली खान ने उस दौर को याद करते हुए कहा,, जब उनकी शादी हुई, तब हम स्कूल में थे। वहीं सोहा ने भी कहा कि उस समय वह भी स्कूल में ही थीं।

सबा ने बताया कि शादी की खबर मीडिया में आने के बाद स्कूल प्रशासन ने उन्हें सावधान रहने को कहा था। उन्होंने कहा, हमें प्रिंसिपल ऑफिस से फोन आया और कहा गया कि आप लोग किसी को कुछ नहीं बताएंगे, क्योंकि हमें नहीं पता था कि खबर कितनी सच है। लेकिन वह पहले ही खबरों में आ चुकी थी, इसलिए हमें किसी से इस बारे में बात न करने के लिए कहा गया। जब नेहा धूपिया ने पूछा कि क्या वे दोनों बहनें सैफ और अमृता की शादी में शामिल नहीं हुई थीं, तो सोहा ने बताया कि शादी बहुत जल्दबाजी में तय हुई थी। उस समय दोनों बहनें स्कूल में थीं और उन्हें शादी में शामिल होने का मौका नहीं मिल पाया।

सैफ अली खान और अमृता सिंह की शादी बॉलीवुड की चर्चित शादियों में शामिल रही है। सोहा और सबा की यह याद पटौदी परिवार की निजी जिंदगी से जुड़ा एक अनोखा पहलू सामने लाती है, जहां उन्हें भी इस बड़े पारिवारिक फैसले की जानकारी अचानक मिली थी।

बिरला स्टूडियोज और नीलम स्टूडियोज ने घोषित की नई फिल्म 'मक्कल कावलन', के. मणिकंदन निभाएंगे मुख्य भूमिका

'बाइसन कालामादन' की शानदार थिएटर सफलता के बाद बिरला स्टूडियोज और नीलम स्टूडियोज ने अपनी अगली फिल्म 'मक्कल कावलन' की घोषणा कर दी है। यह फिल्म दोनों स्टूडियोज की सफल साझेदारी को आगे बढ़ाने वाली अगली कड़ी है।'मक्कल कावलन' एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें मनोरंजन के साथ भावनात्मक और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कहानी को पेश किया जाएगा। फिल्म में बिरला स्टूडियोज का भव्य विजन और नीलम स्टूडियोज की मजबूत कहानी कहने की शैली देखने को मिलेगी। फिल्म में अभिनेता के. मणिकंदन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'गुड नाइट', 'लवर' और 'कुडुम्बस्थान' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाले मणिकंदन पहली बार किसी एक्शन-ड्रामा फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। संतोष कुमार के लेखन और निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक आम इंसान की कहानी है, जो सम्मान के साथ अपनी जिंदगी जीना चाहता है। लेकिन जब भ्रष्ट व्यवस्था उसे संघर्ष के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर करती है, तो वह धीरे-धीरे आम लोगों की आवाज बन जाता है। अपनी लड़ाई लड़ते हुए वह अनजाने में लोगों का रक्षक बनकर उभरता है। फिल्म में के. मणिकंदन के अलावा वागई चंद्रशेखर, ए. वेंकटेश, आर.के. विजयमुरुगन, शन्मुगम मुथुसामी, साबुमोन, उन्नी माया, दिव्या श्रीपदा, जेनसन धिवाकर, लल्लू, जेमिनी मणि और रघु भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी प्रदीपन सेल्वरत्नम ने की है, जबकि संपादन अरुल मोसेस ने संभाला है। प्रोडक्शन डिजाइन पप्पानाडु सी. उथायकुमार का है। फिल्म के एक्शन दृश्यों की जिम्मेदारी डॉन अशोक ने निभाई है। साउंड डिजाइन एंथनी जयरुबन, कॉस्ट्यूम डिजाइन सुरेश कुमार और मेकअप रामचंद्रन ने किया है।

मूंग खरीदी केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, किसानों से किया संवाद

तौल व्यवस्था, स्लॉट बुकिंग और गुणवत्ता पर दिए आवश्यक निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे लेकर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को करेली एवं तेंदूखेड़ा क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और किसानों की समस्या का मौके पर ही समाधान कराया। करेली के समीप बरखेड़ा स्थित रेवा वेयरहाउस में किसानों की उपज पहुंचने से वहां क्षमता से अधिक दबाव बन गया था। वेयरहाउस के बाहर पिछले कई दिनों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगी थीं, जिससे किसानों को प्रतीक्षा और असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति की जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने पहले कृषि उपज मंडी करेली पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, इसके बाद रेवा वेयरहाउस पहुंचकर किसानों से चर्चा की। किसानों की समस्या को देखते हुए उन्होंने संबंधित समिति की मैपिंग परिवर्तित कर उपार्जन कार्य कृषि उपज मंडी करेली में प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि खरीदी केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे उपज की तुलाई शीघ्र हो सके। किसानों ने स्लॉट बुकिंग की अवधि समाप्त होने संबंधी समस्या भी कलेक्टर के समक्ष रखी। इस पर कलेक्टर ने मंडी सचिव को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, तौल व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर केवल एफएक्यू मानक की मूंग ही खरीदी जाए।कलेक्टर ने किसानों को बताया कि जिन किसानों की 25 प्रतिशत मूंग का उपार्जन हो चुका है, उन्हें शेष 35 प्रतिशत मूंग पूर्व में मैप किए गए निर्धारित उपार्जन केंद्र पर ही लानी होगी। वहीं जिन किसानों की 60 प्रतिशत मूंग का उपार्जन किया जाना है, वे आवश्यकता होने पर अपना उपार्जन केंद्र परिवर्तित करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित किसान अपनी समिति के प्रबंधक से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केंद्र परिवर्तन की कार्यवाई करा सकते हैं।

ग्रामीण विकास कार्यों में लाएं गति, योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे हर पात्र हितग्राही तक : कलेक्टर

प्रधानमंत्री आवास, जल संरक्षण और स्वच्छता प्रबंधन की समीक्षा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जी राम जी योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक हितग्राहीमूलक योजनाओं को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकाधिक जल संरचनाओं के निर्माण और संरक्षण कार्यों में गति लाने को कहा। कलेक्टर ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों में सूखे एवं गीले कचरे की मात्रा का वैज्ञानिक आकलन कर उसके अनुरूप आवश्यक संसाधन एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल कर, स्वच्छता कर एवं परिसंपत्ति कर की प्रविष्टियां शत-प्रतिशत पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज कराई जाएं। साथ ही 15वें वित्त आयोग, 5वें वित्त आयोग, अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क तथा सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि शासन की सभी योजनाओं का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समय पर आमजन तक पहुंचे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में 9 से 17 अगस्त तक मनाया जाएगा 'हर घर तिरंगा अभियान-2026

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत वर्ष 2022 से प्रारंभ हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान की श्रृंखला में इस वर्ष भी जिले में 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक व्यापक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मुख्यालय, तहसील एवं जनपद स्तर पर अनेक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। जारी निर्देशों के परिपालन में अभियान के दौरान तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्र, युवा, जनप्रतिनिधि, सशस्त्र बलों के जवान एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य भाग लेंगे। रैली की शुरुआत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन से होगी तथा प्रतिभागी भारतीय ध्वज संहिता के अनुरूप राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति का संदेश देंगे। आयोजन के दौरान सुरक्षा, अनुशासन एवं तिरंगे के सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसी क्रम में तिरंगा संगीत कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिनमें देशभक्ति गीतों, 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का वातावरण निर्मित किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ-साथ 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन को भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। संस्कृति मंत्रालय द्वारा उपलब्ध तिरंगा प्रदर्शनी को हर घर तिरंगा पोर्टल से डाउनलोड कर शॉपिंग मॉल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर प्रदर्शित किया जाएगा। जहां संभव होगा, वहां प्रदर्शनी का उद्घाटन गणमान्य नागरिकों द्वारा किया जाएगा। ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में तिरंगा साइकिल रैली एवं ई-बाइक रैली आयोजित कर जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गए पौधे, हरियाली का दिया संदेश

कलेक्टर रजनी सिंह सहित समाजसेवियों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया पौधरोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

प्रकृति संरक्षण और भावनात्मक जुड़ाव को सशक्त बनाने वाले एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हर व्यक्ति यदि अपनी मां के नाम एक पौधा रोपे और उसकी देखभाल करे, तो न केवल पर्यावरण संरक्षित होगा, बल्कि यह हमारी भावनाओं और जिम्मेदारियों का भी प्रतीक बनेगा। पौधरोपण के दौरान अमरूद, अशोक, आंवला, केला सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अधिकारियों-कर्मचारियों से पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, एडीएम श्री अरविंद सिंह, राजा कौशलेन्द्र सिंह हीरापुर, समाज सेवी श्री मुनीम पटेल व श्री सोबरन ठाकुर सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर अभियान को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में सहभागिता निभाई।

ब्लॉक स्तरीय शालेय हैंड बॉल प्रतियोगिता संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की ब्लॉक स्तरीय शालेय हैंड बाल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय शासकीय पीएमश्री शासकीय बालक उ मा विद्यालय (बीटीआई) में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया। ब्लॉक खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन को संपन्न कराने में पुष्पा बरहैया, राजेश दुबे,पीटीआई विक्रम शर्मा, मुकेश पटैल, मनीष कोष्टी, आरिज खान, शकुंतला मांझी,रोहित वाल्मीक आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

विश्व स्तनपान सप्ताह: पहले 6 माह तक केवल माँ का दूध ही शिशु के लिए अमृत समान : सीएमएचओ डॉ. मिश्रा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जिले में स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अगस्त से 7 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व, सही तकनीक एवं उससे जुड़े स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि शिशु के जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में शिशु को पानी, शहद, घुट्टी या अन्य कोई भी खाद्य एवं पेय पदार्थ नहीं देना चाहिए, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, संपूर्ण एवं संतुलित आहार है, जो उसकी रोगप्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और संक्रमण से बचाता है। साथ ही शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही स्तनपान से माँ और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध भी सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि नियमित स्तनपान कराने से माताओं में स्तन एवं डिम्बग्रंथि (ओवरी) के कैंसर सहित कई बीमारियों का जोखिम कम होता है। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) के चिकित्सकों ने बताया कि समाज में स्तनपान को लेकर कई भ्रांतियाँ प्रचलित हैं, जिनके कारण नवजात शिशु के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभ में माँ का दूध कम लगे तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। शिशु को बार-बार सही स्थिति में स्तनपान कराने से दूध का उत्पादन स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से माताओं, गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व, सही तकनीक, भ्रांतियों के निवारण एवं परिवार की भूमिका के बारे में जागरूक किया जा रहा है। विशेष रूप से परिवार के सदस्यों, खासकर पिता की सकारात्मक भूमिका, माँ को पर्याप्त विश्राम, पौष्टिक आहार एवं भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है।

तराना म्यूजिकल ग्रुप ने किशोर के गीतों दी शानदार प्रस्तुति

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, सुर-ताल के जादूगर, हरफनमौला कलाकार स्व. किशोर कुमार के जन्मदिन के शुभ अवसर पर प्रेम कोरी के निवास स्थान पटेल वार्ड में संगीतमय स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तराना म्यूजिकल ग्रुप के गायक कलाकारों ने किशोर दा के सदाबहार गीतों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं स्व. किशोर कुमार के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन, तिलक वंदन एवं पुष्प अर्पण कर की गई। इसके बाद तराना म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर माहौल को किशोरमय बना दिया। कार्यक्रम का आगाज भोले ओ भोले से नरेश कौरव ने किया। इसके बाद कलाकारों ने बारी-बारी से किशोर कुमार के गीत पेश किए। कुंज बिहारी प्रजापति मैं तेरा शहर छोड़ जाऊंगा, राजा साहू नीले नीले अंबर पे चांद जब आए, जैसे दर्जनों गीतों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण खुशनुमा और संगीतमय हो गया। इस सफल आयोजन में श्रोताओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं ने करतल ध्वनि से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम देर रात्रि तक चला और अंत में सभी ने किशोर कुमार को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिशन एड्स, डीसीआरजी एवं मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला एड्स नियंत्रण समिति श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिला एड्स नियंत्रण समिति नरसिंहपुर की मिशन एड्स, डीसीआरजी एवं मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में एचआईवी/एड्स की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार एवं जन-जागरूकता को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक जिले में व्यापक एचआईवी/एड्स जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें 7 महाविद्यालयों, 112 हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के साथ-साथ ग्राम सभाओं एवं गाँव-गाँव में पहुंचकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगी। नुक्कड़ नाटक, शपथ, रैली, संवाद, प्रश्नोत्तरी एवं स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों के माध्यम से लोगों को एचआईवी संक्रमण से बचाव एवं समय पर जांच के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे समुदाय स्तर पर एचआईवी/एड्स, मातृ-शिशु संक्रमण की रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचा सकें। इसके अतिरिक्त जिले में चिन्हित 20 हाई रिस्क क्षेत्रों में संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में एचआईवी, सिफिलिस, हेपेटाइटिस बी एवं सी सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा आवश्यकता अनुसार मरीजों को नि:शुल्क उपचार एवं आगे की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाएगा। बैठक में बताया गया कि एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है। यदि समय पर जांच एवं उपचार न कराया जाए तो यह आगे चलकर एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम) का रूप ले सकता है। वर्तमान में एंटीरेट्रोवायरल उपचार उपलब्ध है, जिसके नियमित सेवन से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि एचआईवी संक्रमण मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई या सिरिंज के उपयोग तथा संक्रमित मां से शिशु में फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन साझा करने, गले मिलने, मच्छर के काटने या सामान्य सामाजिक संपर्क से एचआईवी नहीं फैलता।

अकीदत भाईचारे के साथ निकला मुकरबा शरीफ का चादर संदल जुलूस

दरगाह पर चादरपोशी व लंगर का हुआ आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

मुकरबा दरगाह शरीफ के उर्स मुबारक के अवसर पर विगत दिवस नगर में अकीदत और भाईचारे का नजारा देखने को मिला। मुकरबा दरगाह शरीफ से शहनाई की सुरीली धुन पर चादर संदल का जुलूस खुशनुमा अंदाज में निकाला गया, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ वापस दरगाह शरीफ पहुंचा। चादर संदल जुलूस मुकरबा दरगाह शरीफ से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से गुजरा। आगे-आगे शहनाई की धुन पर या ताज के रखना लाज तेरे दीवाने आये हैं कलाम की गूंज से पूरा माहौल सूफियाना हो गया। बुजुर्गाने दीं से निस्बत रखने वाले हाथों में इस्लामी परचम और अदब के साथ चादर लेकर चल रहे थे । शक्ति चौक पर जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान और मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान बबलू की विशेष उपस्थिति में नोजवान कमेटी ने जुलूस का इस्तकबाल कर उपस्थित श्रद्धालुओं को तबर्रुक वितरित किया।

इस दौरान लकी अली, फारुख खान, इमरान ताजी, असबाब अली, बबलू राईन, राज ताजी, आमिर खान सहित हसनी हुसैनी सोसायटी के युवाओं ने बढ़-चढ़कर जुलूस का स्वागत किया और पुष्प वर्षा की । चादर संदल का जुलूस वापस मुकरबा दरगाह शरीफ पहुंचा, जहा मुकरबा दरगाह शरीफ कमेटी के सदस्यों द्वारा हजरत की दरगाह पर अकीदत के साथ चादरपोशी की गई। इसके बाद न्याज फातेहा पढ़ी गई और देश-प्रदेश में अमन, भाईचारे और खुशहाली रहे इसके लिए दुआएं मांगी गईं। कार्यक्रम के अंत में तबर्रुक तकसीम किया गया। उर्स मुबारक के अवसर पर दरगाह परिसर में लंगर का भी भव्य आयोजन किया गया। बुजुर्गाने दीन से निस्वत रखने वालो ने बड़ी संख्या में लंगर में शिरकत कर सबाबे दारेन हासिल किया। मुकरबा शरीफ कमेटी के सफदर खान ने बताया कि यह आयोजन हजरत के उर्स मुबारक के मौके पर हर वर्ष श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह जुलूस गाडरवारा की गंगा-जमुना तहजीब और आपसी सौहार्द की मिसाल है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकरबा दरगाह शरीफ कमेटी का विशेष सहयोग रहा।

कॉलर टैग और दांत के डीएनए से खुली अंधेकत्ल की गुत्थी

कटनी (स्वतंत्र मत)

महाशिवरात्रि (15 फरवरी 2026) को सिद्ध बाबा रोड के पास बांस की झाड़ियों में एक अज्ञात पुरुष का अधजला और सड़ा-गला शव मिला था। किसी अज्ञात आरोपी ने साक्ष्य छिपाने की नियत से शव को जलाकर फेंक दिया था। बहोरीबंद पुलिस ने उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और कड़े परिश्रम से इस सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाया।

***पुलिस की भूमिका एवं जांच के मुख्य बिंदु**- पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अति. पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य व एसडीओपी श्रीमती आकांक्षी चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना पुलिस ने सफलता हासिल की-

कॉलर टैग से मिली पहली सफलता- शव के कपड़ों की कॉलर पर ऋ टेलर्स मझौली का टैग लगा था। 5 साल पहले बंद हो चुकी इस दुकान का पता लगाकर पुलिस पड़वार और आसपास के गांवों तक पहुंची। दांत से छ्वह्र का अचूक मिलान- परिजनों की शंका पर पुलिस ने संदिग्ध पिता गोपाल बर्मन का ब्लड सैंपल लिया। मृतक के दांत (ञ्दद्दह्लद्ध) से प्राप्त डीएनए का गोपाल बर्मन के डीएनए से जैविक मिलान (क्द्बश्-द्यश्चद्दष्ठुद्य स्र्ङ्खह्लष्ठ) कराया गया, जिससे यह पूर्णत: सिद्ध हुआ कि मृतक गोपाल बर्मन का ही बेटा दुर्गा बर्मन है।

जंगल में सर्च ऑपरेशन- पहचान के बाद पुलिस ने कोल्हई देव के जंगल से अधजले कपड़े, रेडियो के सेल और गुलेल बरामद किए।

तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर तंत्र- साइबर सेल की मदद से शिकार करने वाले गिरोह को चिह्नित कर आरोपियों को दबोचा गया। आरोपियों (धर्मेंद्र उर्फ टिंकू, धर्मेंद्र उर्फ धम्मू और सुखदेव) ने जंगल में जानवर मारने के लिए करंट फैलाया था, जिसकी चपेट में आकर दुर्गा बर्मन की मौत हो गई और वह जल गया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने शव को मोटरसाइकिल पर ले जाकर सिद्ध बाबा के पास फेंक दिया था। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

सराहनीय पुलिस टीम

थाना प्रभारी बहोरीबंद निरीक्षक विजय कुमार विश्वकर्मा, निरीक्षक शैलेन्द्र यादव (पुलिस लाईन कटनी), टी.आई. अखिलेश दाहिया, बहोरीबंद पुलिस स्टाफ एवं साइबर सेल से आरक्षक सतेन्द्र की इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश करने में विशेष भूमिका रही।

पुलिस ने होटल, गेस्ट हाउस एवं ढाबों पर चलाया विशेष चेकिंग अभियान

कटनी। अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में होटल, गेस्ट हाउस एवं ढाबों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर आगंतुकों के रजिस्टर एवं पहचान पत्रों की जांच की, शैडो एरिया का भ्रमण किया तथा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग की गई। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के होटल, गेस्ट हाउस एवं ढाबों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान आगंतुक रजिस्टरों का बारीकी से परीक्षण कर दर्ज विवरणों का सत्यापन किया गया तथा संचालकों को रिकॉर्ड संधारण व्यवस्था को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि बिना वैध पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) एवं आवश्यक सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को कमरा उपलब्ध न कराया जाए। प्रत्येक ग्राहक का नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं पहचान संबंधी विवरण रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, जिससे आवश्यकता पड़ने पर जांच एजेंसियों को तत्काल जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने शैडो एरिया एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग भी की। साथ ही सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से

आवश्यक सतर्कता बरतने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा संचालकों को यह भी हिदायत दी गई कि किसी भी नाबालिग को वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए बिना कमरा उपलब्ध न कराया जाए। यदि किसी व्यक्ति की पहचान, आयु अथवा गतिविधियों को लेकर किसी प्रकार का संदेह हो तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। सभी संचालकों से कानून द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। कटनी पुलिस ने होटल, गेस्ट हाउस एवं ढाबा संचालकों से अपील की है कि अपराधों की रोकथाम एवं जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ठहरने का प्रयास करे अथवा किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना बिना विलंब स्थानीय पुलिस अथवा पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7587615946 , डायल-112 पर दें।

कांग्रेस संगठन को शहर स्तर पर करें मजबूत

कटनी (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस एवं शहर कांग्रेस के सभी ब्लाक अध्यक्ष,नगर अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सत्र गुरुवार को भी जारी रहा है।दूसरे दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार, प्रदेश संगठन महामंत्री संजय कामले,प्रमिल मित्रा सहित , निर्वाचन प्रभारी ललित सेन अन्य वरिष्ठ प्रशिक्षकों ने ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों को विस्तार से ग्रामीण/ शहर स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जन हितैषी मुद्दों

को लेकर आम जनता तक पहुंचने की बात कही। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय ध्वज फहराकर वंदे मातरम गीत गायन की गया था। संगठन सृजन के दूसरे दिन गुरुवार को अपने निर्धारित समय से ठीक 10 बजे शुरू कर दिया गया था। सत्र की शुरुआत मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार द्वारा सबसे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। जबकि दूसरे सत्र की शुरुआत मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा की गई जिसके पश्चात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी हरीश चौधरी द्वारा की गई थी। प्रशिक्षण शिविर कार्यकम शुभारंभ 5 अगस्त से को शहर के एक निजी संस्थान में शुरू कर दिया गया है?। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हर विषय के प्रवक्ता के व्यवस्था की गई थी।साथ ही प्रशिक्षण शिविर में मंडलम् अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष , नगर पंचायत अध्यक्ष को प्रशिक्षण दिया जा रहा है , जिनके लिए प्रशिक्षण दिया गया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह,शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला, जिला प्रभारी मनु मिश्रा विधानसभा प्रभारी ओमकार सिंह, मयंक त्रिपाठी त्रिपाठी, दुर्गेश पटेल सहित अन्य पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं, कृषकों एवं पक्षकारों के लिए बैठक व्यवस्था शेड का भूमि पूजन

कटनी (स्वतंत्र मत)

विधायक महोदय मुडवारा (कटनी) श्री संदीप जायसवाल जी के द्वारा संयुक्त तहसील कार्यालय कटनी जिला कटनी (म.प्र.) के परिसर में अधिवक्ताओं, कृषकों एवं पक्षकारों के लिए बैठक व्यवस्था शैड का भूमि पूजन एवं परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05/08/2026 दिन बुधवार को संयुक्त तहसील कार्यालय परिसर मे श्री संदीप जायसवाल, विधायक मुडवारा द्वारा अधिवक्ता एवं पक्षकारों हेतु शैड निर्माण का भूमि पूजन किया गया। ज्ञातव्य है कि श्री संदीप जायसवाल ने अपनी विधायक निधि से अधिवक्ताओं की मांग पर आरसीसी लैंटर वाले पक्के शैड हेतु 18 लाख रुपए की राशि इस हेतू स्वीकृत की थी, कलेक्टर

महोदय कटनी द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्माण एजेंसी के रूप में अधिकृत किया गया। जिसका भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रमोद चतुर्वेदी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, शिवा पाठक, जनपद पंचायत के सीईओ, तहसीलदार नायब तहसीलदार ,जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अमित शुक्ला ,तहसील अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री संतोष परोहा एवं अन्य अधिवक्ता गण तथा विकासखंड स्तरीय अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। विधायक श्री संदीप जायसवाल एवं अनुविभागी

अधिकारी प्रमोद चतुर्वेदी द्वारा इस अवसर संयुक्त तहसील कार्यालय के परिसर में फलदार वृक्ष आम, आवला, अमरूद, इमली, सीताफल इत्यादि वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा विधायक महोदय को शैड निर्माण हेतु राशि प्रदान किये जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा अवगत कराया गया कि तहसील परिसर में आने वाले आवेदको किसानों एवं अधिवक्ताओं हेतु स्वल्पाहार आदि के लिये कैंटीन की व्यवस्था नही है, इस पर विधायक महोदय द्वारा कैंटीन निर्माण हेतु राशि विधायक निधि से दिये जाने का आश्वासन दिया गया।

सायबर ठगी से जुड़े अंतर्राज्यीय गिरोह के दो सदस्य कुठला पुलिस की गिरफ्त में

कटनी (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा0पु0से0) के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री शिवा पाठक के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में सायबर अपराध के ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है । घटना का संक्षिप्त विवरण ङ्क प्रार्थी अंकित राय पिता परमानंद राय उम्र 30 वर्ष निवासी कछंगवा कटनी ने 1930 राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पोर्टल में शिकायत दर्ज कराई कि उसके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मुड़वारा शाखा के खाते से उसकी जानकारी एवं सहमति के बिना यूपीआई के माध्यम से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 90,000 रुपये एवं 98,000, कुल 1,88,000 रुपये अज्ञात व्यक्तियों के खातों में स्थानांतरित कर दिए गए । आवेदक द्वारा बैंक में जानकारी लेने पर साइबर धोखाधड़ी का पता चला । प्राप्त शिकायत एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 425/26 धारा 318(4) क्चहृस् का पंजीबद्ध कर विवेचना दौरान कुठला थाना पुलिस द्वारा तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों, बैंक ट्रांजेक्शन विवरण, यूपीआई आईडी, मोबाइल नम्बर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। लगातार तकनीकी जांच एवं पतासाजी के आधार पर आरोपी कुलदीप सिंह पिता भरत सिंह सोलंकी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम रोलाना थाना सांगोद जिला कोट

राजस्थान, शुभम मीणा उर्फ सानू पिता चिरंजीलाल मीणा उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम नीलम खुर्द थाना कोतवाली जिला सावाई माधोपुर राजस्थान की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ की गई तथा साइबर ठगी से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं ठगी की राशि के सम्बंध में विस्तृत पूछताछ करने पर अन्य आरोपियों के सम्बंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले है । दोनो आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश किया गया जहां से आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है । थाना कुठला पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम नंबर अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें, किसी के बहकावे व लालच में आकर अपना बैंक खाता से जुड़े दस्तावेज, एटीएम व बैंक में लिंक मोबाइल नम्बर सांझा न करे, यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं अथवा निकटतम पुलिस थाना एवं 222.ष्ड्डद्दह्यह्ल्द्बद्दद्द.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल पर सूचना दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर धोखाधड़ी की राशि को सुरक्षित कराया जा सके। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया, प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, आरक्षक पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, बुद्धू कुमार, सायबर सेल कटनी से अमित श्रीपाल, सतेन्द्र सिंह एवं अन्य स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

विधायक संजय पाठक विजयराघवगढ़ के करेला में 33 करोड़ की लागत से निर्मित महर्षि सांदीपनि विद्यालय का करेंगे लोकार्पण

कटनी (स्वतंत्र मत)

विजयराघवगढ़ विधानसभा में शिक्षा के क्षेत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ने जा रही है। बरही खितौली क्षेत्र के हर वर्ग, विशेषकर गरीब तबके के विद्यार्थियों को सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए युवाओं और विद्यार्थियों के प्रेरणास्त्रोत विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के सतत एवं अथक प्रयासों से करेला में 33 करोड़ 50 लाख की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है। शुक्रवार 07 अगस्त 2026 को दोपहर 1.00 बजे सांदीपनि विद्यालय, करेला का लोकार्पण विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के करकमलों द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न होगा। सांदीपनि विद्यालय विद्यालय के प्रारंभ होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों

को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा का बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक जी का सदैव यह प्रयास रहा है कि विजयराघवगढ़ विधानसभा का प्रत्येक विद्यार्थी बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करे और अपने सपनों को साकार करने के लिए किसी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े। शिक्षा के क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों का यह एक और महत्वपूर्ण परिणाम है। क्षेत्रवासियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से अपील है कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिक्षा के इस नवनिर्माण के साक्षी बनें।

बेकाबू ट्रक ने मजदूर को कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

10 लाख मुआवजे और स्थायी नौकरी की मांग, भारी पुलिस बल तैनात

कटनी (स्वतंत्र मत)

कटनी जिले की बड़वारा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत भजिया के छापरवाह स्थित अल्ट्राटेक कंपनी की खदान में शुक्रवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसा घटित हो गया। अयस्क परिवहन में लगे एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने खदान परिसर में कार्यरत मजदूर को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अल्ट्राटेक माइंस में हुए इस हादसे के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और मजदूर संघ ने शव को खदान परिसर में रखकर उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया है और परिचालन पूरी तरह से ठप करा दिया है।

35 वर्षीय मजदूर भारत केवट की दर्दनाक मौत- प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान लमकना निवासी भारत

केवट (35 वर्ष), पिता आठिया केवट के रूप में हुई है। रोजाना की तरह भारत केवट अल्ट्राटेक की छापरवाह खदान में मजदूरी करने पहुँचा था। इसी दौरान परिवहन में लगे एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने लापरवाही बरतते हुए उसे टक्कर मार दी और कुचल दिया। हादसे के बाद खदान परिसर में चीख-पुकार मच गई। साथी मजदूरों ने मशक्कत कर शव को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला।

काम ठप करा धरने पर बैठे परिजन व मजदूर संघ; ?10 लाख मुआवजे की मांग- हादसे की खबर फैलते ही मृतक के परिजन और भारी संख्या में मजदूर संघ के सदस्य अल्ट्राटेक खदान परिसर में एकत्र हो गए। उग्र प्रदर्शनकारियों ने खदान का कामकाज पूरी तरह से बंद करा दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी अल्ट्राटेक प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निम्नलिखित मांगें रख रहे हैं-

* *आर्थिक सहायता*- मृतक के आश्रित परिजनों को तत्काल ?10 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

* *स्थायी रोजगार*- परिवार के एक सदस्य को खदान में स्थायी (परमानेंट) नौकरी दी जाए।

* *लापरवाही पर कार्रवाई-* खदान परिसर के भीतर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों व ट्रक चालक पर आपराधिक मामला दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई हो।

अल्ट्राटेक माइंस में हादसे और बढ़ते जनआक्रोश की सूचना मिलते ही बड़वारा थाना प्रभारी के.के. पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस प्रशासन द्वारा परिजनों और मजदूर संघ के प्रतिनिधियों को समझाने तथा मामले का हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

चोरी करने वाली महिला आरोपी गिरफ्तार चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद

कटनी (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ढीमरखेड़ा पुलिस को चोरी के प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य एवं एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा निरीक्षक महिमा रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका बरामद किया है। *घटना का विवरण* - दिनांक 04.08.2026 को फरियादिया मनीषा कोल, पति वीरेंद्र कोल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम ढीमरखेड़ा, थाना ढीमरखेड़ा ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 28.07.2026 को अज्ञात व्यक्ति उसके घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गया। रिपोर्ट के आधार पर थाना ढीमरखेड़ा में

अपराध क्रमांक 435/2026 अंतर्गत धारा 331(3), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान फरियादिया ने बताया कि घटना वाले दिन ग्राम पहरुआ निवासी मलिका उर्फ शीतल कोल उसके घर आई थी, जिस पर उसे संदेह था। पुलिस द्वारा संदेही महिला की तलाश कर उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया, जिसके कब्जे से चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए। आरोपी महिला को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक महिमा रघुवंशी, उप निरीक्षक सुरेश चौधरी, आरक्षक पंकज सिंह एवं आरक्षक गंधर्व सिंह की विशेष भूमिका रही।

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अंक मिलने पर उत्साहित फिलीपींस की एलेकजेंड्रा इयाला।

लीग्स कप : मेसी के दो गोल से इंटर मियामी ने एटलेटिको सान को 4-2 से हराया

मिसामी।

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन से इंटर मियामी ने लीग्स कप फुटबॉल के अहम मुकाबले में एटलेटिको सान लुईस को 4-2 से हरा दिया। मेसी ने इस मैच में अपनी टीम के लिए पहले दो अहम गोल दागकर उसकी जीत में अहम भूमिका निभाई। ये विश्वकप के बाद मेसी का पहला मुकाबला था। मेसी ने खेल की शुरुआत में ही 11वें मिनट में अपना पहला गोल कर इंटर मियामी को 1-0 से बढ़त दिला दी। , जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद, पहले हाफ के समापन से ठीक पहले, 44वें मिनट में मेसी ने एक और बेहतरीन गोल करके अपनी टीम को 2-0 की अच्छी बढ़त दिला दी। इन दो गोलों के साथ ही मेसी अब लीग्स कप में 12 मैचों में कुल 14 गोल हो गए हैं, जो उनकी अद्भुत गोल-स्कोरिंग क्षमता का प्रमाण है।

मेसी के अलावा, टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी इंटर मियामी के लिए एक-एक गोल दागे, जिससे टीम की जीत तय हो गयी। मैच को खराब मौसम के कारण बीच में एक बार रोकना भी पड़ा। वहीं ब्रेक के बाद जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो इंटर मियामी ने अपनी लय बरकरार रखी और एटलेटिको सान लुईस को वापसी का कोई मौका नहीं दिया, अंततः 4-2 से जीत दर्ज की।

यह विश्व कप के बाद मेसी का इंटर मियामी के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। मेसी , अमेरिका में अपनी नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। इससे पहले, शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ हुए मैच में वे स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर 37 मिनट तक खेले थे। वह मैच 2-2 से ड्रॉ रहा था पर मुकाबले में मेसी गोल करने में असफल रहे थे। वहीं सान लुईस के खिलाफ मुकाबल में वह अपने पुराने अंदाज में नजर आये। गौरतलब है कि मेसी के इंटर मियामी में आने के बाद से, लीग्स कप और अमेरिकी फुटबॉल में दर्शकों की दिलचस्पी कई गुना बढ़ गई है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से वापसी करेंगे नेसर

सिडनी।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज माइकल नेसर के अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे से वापसी की उम्मीदें हैं। नेसर को दाहिने पैर की पिंडली में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 13-सदस्यीय टीम शामिल नहीं किया गया है। टीम के लिए हालांकि राहत की बात ये है कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड चोट फिट होकर टीम में वापस आ गये हैं। नेसर ने इससे पहले एशेज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 19.93 की औसत से 15 विकेट लिए थे, जिसमें गाबा में अपने घरेलू मैदान पर पहली बार टेस्ट में एक पारी में 5 विकेट भी शामिल थे। वह बांग्लादेश बंगलादेश सीरीज के लिए स्टैंडबाय पर थे, जिससे अगर चार मुख्य तेज गेंदबाजों में से किसी को चोट लगती, तो वे उनकी जगह ले सकें।

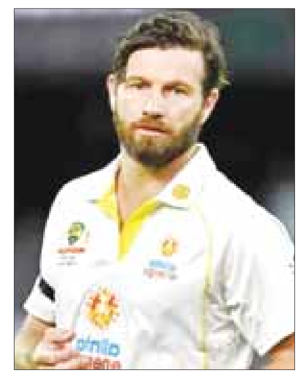

इस सप्ताह दौड़ते समय उन्हें पिंडली में चोट लग गई। अब उन्हें ठीक होने के लिए एक महीने के रिहैब की जरूरत होगी जिसके बाद वे दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले अपनी गेंदबाजी लय हासिल कर सकते हैं। इस दौरे पर उनके पास टीम का हिस्सा बनने का अवसर रहेगा।

वैभव तोड़ेगा मेरा रिकार्ड : जोस बटलर

लंदन। द हंड्रेड टूर्नामेंट में इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज जोस बटलर ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। बटलर ने इस मैच में वेस्टइंडीज के आक्रामक ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड के सबसे अधिक 14,803 रनों के रिकार्ड को तोड़ दिया। वेल्श फायर के खिलाफ मैच में सिर्फ 20 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर बटलर ने अपने 14,833 रन पूरे किये। इसी के साथ ही वह टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। बटलर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद कहा कि मेरा ये रिकार्ड भविष्य में भारत के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी तोड़ेंगे।

वेल्श फायर के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए इस मुकाबले में बटलर को कायरन पोलार्ड के 14,803 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए 22 रनों की जरुरत थी। बटलर ने इस मैदान पर उतरते ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए यादगार पारी खेली। बटलर ने केवल 20 गेंदों में ही नाबाद 51 रन बना दिये। इसमें 2 चौके और 6 छक्के शामिल थे। इससे बटलर के आक्रामक अंदाज का पता चलता है। इस आतिशी पारी के बदौलत बटलर के टी20 करियर में अब 522 मैचों में कुल 14,833 रन हो गए हैं, जिससे वह दुनिया के सबसे सफल टी20 बल्लेबाज बन चुके हैं। यह उनकी दीर्घकालिक प्रदर्शन और निरंतरता का अद्वितीय प्रमाण है। मैच के बाद अपनी इस महान उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर, बटलर ने विनम्रतापूर्वक और आत्मविश्वास के साथ कहा, यह वाकई बहुत शानदार अहसास है कि आपके नाम टी20 में सबसे ज्यादा रन दर्ज हैं। लेकिन रिकॉर्ड तो बनने ही टूटने के लिए हैं। एक दिन कोई न कोई इस आंकड़े को जरूर पार करेगा और मुझे लगता है कि उस खिलाड़ी का नाम शायद वैभव सूर्यवंशी होगा। बटलर का यह बयान वैभव की असाधारण प्रतिभा पर उनके अटूट विश्वास को दिखाता है, इसने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उत्साह से भर दिया है। वैभव ने तक 40 टी20 मैचों में 1,670 रन बना चुके हैं, जो उनकी कम उम्र को देखते हुए एक प्रभावशाली आंकड़ा है।

श्रीलंका टेस्ट से पहले वार्म-अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

श्रीलंका इलेवन से होगी भिड़ंत, 15 अगस्त से शुरू होगी सीरीज

नई दिल्ली।

श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम आज शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉनडेस्क्रि प्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा। हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घरेलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा।

बल्लेबाजों ने पहले से की स्पिन की तैयारी

कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था। भारत ने श्रीलंका में पिछली टेस्ट सीरीज 2017 में खेली थी। पिछले आठ सालों में भारतीय टीम में बड़े बदलाव हुए हैं। मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में केवल केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

सिराज संभालेंगे तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी

चोट के कारण जसप्रीत बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन गेंदबाजी विभाग में नजर आएंगे। सिराज और कुलदीप यादव को छोड़ दें तो गेंदबाजी आक्रमण अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। हालांकि, गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने पिछले महीने गॉल में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका-ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। दोनों गेंदबाज अब सीनियर टीम के साथ भी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम की तैयारियों पर मौसम का असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से कोलंबो में रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन का मुनाफा घटकर 3,598 करोड़ रहा

__नई दिल्ली।__ सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा मामूली घटकर 3,598.42 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,630.58 करोड़ रुपये था। हालांकि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 11,696.72 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 11,444.42 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक अन्य सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पांच अगस्त, 2026 को तिरुनेलवेली-उडुमलपेट तथा पुगलुर-मदुरै 400 केवी डबल सर्किट पारेषण लाइनों के उन्नयन की 856.94 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है। यह परियोजना 24 माह में पूरी होने की उम्मीद है।

एयरटेल ने टैरिफ संरचना में बदलाव की मांग की

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार बाजार में टैरिफ की मौजूदा मूल्य संरचना में मूलभूत बदलाव की मांग की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लंबी अवधि में कंपनियों के वित्तीय रूप से टिकाऊ रहने और औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, केवल टैरिफ बढ़ाने के बजाय अधिक डेटा उपयोग करने वाले ग्राहकों से ज्यादा शुल्क लेना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह बयान उन्होंने तिमाही आय घोषणा के दौरान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा असीमित डेटा मॉडल, जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) को सीमित करता है, जो उद्योग के लिए टिकाऊ नहीं है। उनका मानना है कि एक तर्कसंगत मूल्य संरचना, जहां अधिक खपत के लिए अधिक भुगतान किया जाए, भारत की बढ़ती समृद्धि के साथ अगले 5-7 वर्षों में एआरपीयू में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी दिशा होगी और प्रवेश स्तर की कीमतों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा प्रणाली बनी रहती है, तो कंपनियों को वित्तीय मजबूती और 5जी नेटवर्क के विशाल निवेश को बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाने ही पड़ेंगे।

विश्लेषकों का अनुमान है कि इस वर्ष 10-15 फीसदी की टैरिफ वृद्धि आवश्यक हो सकती है। एयरटेल के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने भी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए डेटा खपत के आधार पर शुल्क लेने की प्रणाली अपनाने पर जोर दिया।

सोना सात हफ्ते के सबसे ऊंचे स्तर पर, चांदी भी उछली

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में 3,800 रुपये महंगा होकर 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पहुंच गया। यह सोने का पिछले सात सप्ताह का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले 18 जून को सोना करीब 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 2,100 रुपये बढ़कर 2,34,800 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये में आई कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मजबूती ने घरेलू बाजार में कीमतों को ऊपर पहुंचाया। गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे कमजोर होकर 95.24 के स्तर पर बंद हुआ। कमजोर रुपये की वजह से आयातित सोना महंगा हो जाता है।

जुलाई 2026 में 4.5 फीसदी खुदरा महंगाई रहने का अनुमान

खाद्य कीमतें बन सकती हैं चुनौती

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की अधिक कीमतों के कारण इसके ऊपर जाने का जोखिम बना हुआ है, जो महंगाई दर को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्याज, खाने का तेल, चावल और दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतें महंगाई का व्यापक असर दिखा रही हैं, हालांकि मुख्य सब्जियों की बेहतर आवक और सामान्य मानसून से कुछ राहत मिली है। बैंक का अनुमान है कि मुख्य महंगाई (जिसमें भोजन और ईंधन शामिल नहीं है) 4-4.1 प्रतिशत पर सीमित रहने की उम्मीद है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी से सहारा मिलेगा। हालांकि, भविष्य में बढ़ती इनपुट लागत महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एसेंशियल कमोडिटीज इंडेक्स (बीओबी ईसीआई) के अनुसार, जुलाई 2026 में यह सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ा, जो इस पूरी श्रृंखला में सबसे तेज वृद्धि थी, और अगस्त 2026 के शुरुआती पांच दिनों में यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गया। सकारात्मक पहलू यह है कि मानसून की प्रगति अनुकूल रही है, जिसमें 63 प्रतिशत राज्यों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही, 31 जुलाई 2026 तक प्रमुख खरीफ फसलों का बुवाई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में अधिक रहा है, जिससे भविष्य में खाद्य आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेलों सहित खाद्य कीमतों में भी नरमी आई है, जो महंगाई पर दबाव कम करने में सहायक हो सकती है।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवाए 89.6 अरब डॉलर

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयर लुढ़के, टॉप 10 में से 8 अरबपतियों की संपत्ति घटी

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ में हाल ही में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। स्पेसएक्स के शेयरों में 13.61 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में 1.77 फीसदी की भारी गिरावट के चलते मस्क की संपत्ति में 89.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। यह रकम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ (85.7 अरब डॉलर) से भी अधिक है। हालांकि, इस भारी गिरावट के बावजूद, साल 2026 की शुरुआत से अब तक मस्क की संपत्ति में कुल 68.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर सिर्फ मस्क ही नहीं बल्कि दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई।

गूगल के कोफाउंडर लैरी पेज को 11.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ, जिनकी नेटवर्थ 309 अरब डॉलर रह गई। सर्गेई ब्रिन को भी 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी, जिससे वे 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए। भारतीय अरबपतियों में गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वैश्विक सूची में 17वें स्थान पर हैं। बुधवार को उनकी संपत्ति में 27.2 लाख डॉलर का इजाफा हुआ और इस वर्ष अब तक वे 28.1 अरब डॉलर कमा चुके हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ बुधवार को 51.4 करोड़ डॉलर घटी है और साल 2026 में अब तक उनकी कुल संपत्ति में 22 अरब डॉलर की कमी आई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 373, निफ्टी 11अंक ऊपर आया

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से भी बाजार में निवेशक लौटे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में करीब 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.35 अंक ऊपर आकर 24,636 के स्तर पर पहुंचा। आज कुल मिलाकर करीब 2,023 शेयरों में बढ़त रही जबकि 2,058 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 200 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज ऑटो, मेटल, रियल्टी और मीडिया शेयरों में भारी बिकवाली रही। निफ्टी में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इटरनल और टाइटन के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाट स्टाली, टीसीएस , जेएस डब्ल्यू व बजाज ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिला-जुला कारोबार रहा।

ब्रॉडर बाजार की बात करें तो उसमें मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। इससे साफ है कि बाजार में निवेशकों का रुझान एक जैसा नहीं रहा । सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर उछले। निफ्टी मीडिया में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी ऑटो और मेटल में करीब 1 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 128.65 अंक उछलकर 78,709.65 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 14.20 अंक की हल्की बढ़त के साथ 24,638.85 पर कारोबार कर रहा था। वहीं आज एशियाई बाजारों में दबाव साफ दिखा, जहां जापान का निक्केई 225 लगभग 1.66 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.08 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो बुधवार को डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। मजबूत तिमाही नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी कंपनियों में बढ़ते भरोसे के चलते डाउ जोंस 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 54,349 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 0.17 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.83 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने जुटाए 31,522 करोड़

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) बन गया है। इसे अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया गया, जिससे बाजार को अंतिम समय तक इसकी भनक नहीं लगी। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ट्रेडर्स को पहले से पोजीशन बनाने और शेयर मूल्य पर अनावश्यक दबाव डालने से रोकना था। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, डील से जुड़े निवेश बैंकों को भी अलग-अलग समय पर सूचना दी गई; कुछ को तो स्टॉक एक्सचेंज में घोषणा से ठीक पहले ही जानकारी मिली। कोर टीम के अलावा, बाकी सलाहकारों को बाजार बंद होने के बाद ही शामिल किया गया। सरकार ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत एलआईसी के तिमाही नतीजों से पहले ही ओएफएस लॉन्च किया। अधिकारियों का मानना था कि यह कदम शेयर की कीमत स्थिर रखने और निवेशकों की रुचि बनाए रखने में सहायक होगा। शुरुआती 2.5 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्ताव को संस्थागत निवेशकों ने 3.32 गुना सब्सक्राइब किया, जिसके बाद सरकार ने 4 फीसदी अतिरिक्त ग्रीन शू विकल्प का भी सफलतापूर्वक उपयोग कर कुल 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची। खास बात यह रही कि इस डील में शामिल किसी भी निवेश बैंक ने एडवाइजरी फीस नहीं ली।

जन विश्वास अभियान यानि जनता से सीधा–संवाद और जुड़ाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जनोन्मुखी पहल, आज से फील्ड में जाकर होगा शिकायतों और समस्याओं का समाधान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ से अधिक आबादी के प्रति विश्वास के प्रतीक जन-विश्वास अभियान का शुभारंभ शुक्रवार 7 अगस्त 2026 से होगा। शासन और प्रशासन ने अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। मंत्रालय से लेकर जिले तक के सभी अधिकारी अब से प्रत्येक शुक्रवार को दफ्तर छोड़कर फील्ड में जनमानस के सामने होंगे।जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में जाकर जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव, शिकायतों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करना, फील्ड की वास्तविक स्थितियों का फीडबैक प्राप्त करना, प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और प्रशासन की पारदर्शी और संवेदनशील छवि का निर्माण करना है। अभियान में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन संपूर्ण प्रदेश में अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर किसी भी स्तर पर कोई बैठक आयोजित नहीं होगी। यह दिन केवल फील्ड भ्रमण को समर्पित रहेगा। भोपाल से लेकर संभाग और जिले तक सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड भ्रमण पर रहेंगे और अभियान में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, शासन के वरिष्ठ

अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे। अभियान का प्रारंभ 7 अगस्त 2026 से होगा। जिला कलेक्टर एक सप्ताह पूर्व भ्रमण का क्षेत्र चिन्हित करेंगे और जन-प्रतिनिधियों को अवगत कराएंगे। साथ ही मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। भ्रमण से एक सप्ताह पूर्व ही उस क्षेत्र के सी.एम. हेल्पलाईन, जन-सुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा, भ्रमण से पूर्व ही की जाएगी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। निराकरण से शेष रहे प्रकरणों एवंभ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाएगा।

जन-संवाद से उद्योग संवाद

अभियान के तहत जिला कलेक्टर, जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में दौरा करेंगे। दो प्रकार के जन-संवाद और उद्योग संवाद आयोजित किए जाएंगे। एम.एस.एम.ई एवं कुटीर उद्योगों के उद्यमियो की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिलो में पहुँचेंगे, मुख्यमंत्री के भ्रमण-क्षेत्र में ही जिले का समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भ्रमण से पूर्व लंबित और भ्रमण के बाद प्राप्त आवेदनों की तुलना जांची परखी जाएगी। जिलों की परफॉरमेंस और मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के स्तर पर अभियान की नियमित समीक्षा की जायेगी। सम्पूर्ण अभियान सादगी और मितव्ययिता से संचालित होगा। साज-सज्जा आदि गैर जरुरी व्ययों से परहेज किया जाएगा। साथ हीवाहनों की पूलिंग होगी और शासकीय संस्थाओं / सार्वजनिक स्थान पर पूर्व निर्मित भवन में ही संवाद किया जाएगा।

लंबित प्रकरणों का किया जाएगा शत-प्रतिशत निराकरण

सी.एम हैल्पलाईन एवं जनसुनवाई में प्राप्त भ्रमण क्षेत्र की लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण और न्यायालयीन आदेश होने के उपरांत भी राजस्व अभिलेखों में अमल नहीं होने संबंधी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। सभी पात्र किसानों की फार्मर आई.डी.का निर्माण सुनिश्चित करना , सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड का निर्माण सुनिश्चित करना, समग्र आई.डी. की ई-केवाइसी तथा आधार कार्ड निर्माण/अपडेशन के प्रकरणों का निराकरण और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को आवास उपलब्धता की समीक्षा की जाएगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल भाजपा की मासिक बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल दमोह की मासिक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों एवं बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री रानू नामदेव, जिला कार्यालय सह मंत्री दिलीप चौरसिया तथा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल के समस्त पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्यगण, शक्ति केंद्र संयोजक एवं सह संयोजक, शक्ति केंद्र पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हमें बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाकर आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाना है।

मंडल प्रभारी रानू नामदेव ने कहा कि संगठन की मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में मंडल उपाध्यक्ष आशीष राय, देवल कटारिया, मंडल महामंत्री अरूण सोनी, महेंद्र अहिरवार, मंडल मंत्री राहुल पाठक, श्रीमती रेनू रजक, श्रीमती रितु पांडेय, श्रीमती बबली विश्वकर्मा, संतोष रोहित, कृष्णा राज, अखिलेश सिंह, अभिषेक सोनी, अखिलेश चौबे, हरिशंकर पाठक, सुनील राज, दीपक मिश्रा, पार्षद गणेश जाटव, पार्षद मोनू राजपूत, राजुल चौरहा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश में घुड़सवारी खेल के समग्र विकास के लिए तैयार होगा दीर्घकालीन रोडमैप

मंत्री श्री सारंग ने सेमिनार की तैयारियों का लिया जायजा, कल भोपाल में जुटेंगे घुड़सवारी खेल के देशभर के शीर्ष प्रशिक्षक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रदेश में घुड़सवारी खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं इसके समग्र विकास और प्रोत्साहन के उद्देश्य से 8 अगस्त को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार में देशभर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों तथा सरकारी एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों की सहभागिता रहेगी। सेमिनार की तैयारियों को लेकर खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में घुड़सवारी खेल के लिए एक सशक्त और दीर्घकालीन इकोसिस्टम विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस सेमिनार में देशभर के अनुभवी प्रशिक्षकों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया, निजी प्रशिक्षण केन्द्रों तथा प्रदेश के प्रमुख सरकारी एवं निजी संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उनके अनुभवों एवं सुझावों के आधार पर मध्यप्रदेश में घुड़सवारी खेल के विकास के लिए एक व्यापक एवं दीर्घकालीन रोडमैप तैयार किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेमिनार को उच्च गुणवत्ता एवं प्रभावी परिणामों वाला आयोजन बनाया जाए, जिससे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं संस्थानों के बीच ज्ञान, तकनीक एवं अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके।

घुड़सवारी खेल को मिलेगी नई दिशा

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर का यह सेमिनार मध्यप्रदेश में घुड़सवारी खेल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, प्रशिक्षकों की क्षमता वृद्धि, बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्ययोजना तैयार की।

देश के शीर्ष घुड़सवारी विशेषज्ञ करेंगे सहभागिता

राष्ट्रीय सेमिनार में देश के प्रतिष्ठित घुड़सवारी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे। इनमें कैप्टन सुनील कुमार (जीजी इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स एकेडमी, दिल्ली), राकेश कुमार (आरवीसी सेंटर, मेरठ), कैप्टन पलविंदर सिंह (सेवानिवृत्त, आरवीसी सेंटर, मेरठ), एम.जे.एस. राठौर (आरवीसी सेंटर, मेरठ) तथा कर्नल आर.एस. आहलूवालिया (हरियाणा इक्वेस्ट्रियन एसोसिएशन) प्रमुख रूप से शामिल होंगे। सेमिनार में मध्यप्रदेश के प्रमुख सरकारी एवं निजी घुड़सवारी प्रशिक्षण केन्द्रों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें रीवा एनसीसी, महू एनसीसी, उज्जैन राइडिंग क्लब, एमपी राइडिंग क्लब (इंदौर), आर-9 स्टेबल्स (इंदौर), स्काई द हॉर्स अकादमी (भोपाल), डीपीएस भोपाल इक्वेस्ट्रियन प्रोग्राम, दून इंटरनेशनल स्कूल (जबलपुर), इंदौर पब्लिक स्कूल, डेली कॉलेज (इंदौर) तथा जनूमार राइडिंग स्कूल सहित अनेक संस्थान शामिल होंगे।

जिला जेल का कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

बंदियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के दिए निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव गुरूवार को औचक रूप से जिला जेल दमोह पहुंचे। उन्होंने यहां पहुँचकर बंदियो से चर्चा की और मूलभूत सुविधाओं के संबंध में चर्चा कर वस्तुस्थिती जानी। परोसे गये भोजन के संबंध बंदियों से बातचीत की ओर मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं आदि के बारे में जाना। उन्होंने बंदियों से जाना कोई समस्या तो नहीं है यदि है तो बतायें। कलेक्टर ने जिला जेल का निरीक्षण कर बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन, आवास, साबुन, तेल, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा आवश्यकतानुसार विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि किसी कारणवश जेल में आए बंदी भी समाज का हिस्सा हैं और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

जल्द शुरू होगी सोनोग्राफी, महिला रोग विशेषज्ञों की सेवाएं मिलेंगी और बेहतर

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा सिविल अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञों की पदस्थापना के बाद क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद जगी है। अस्पताल में डॉ. शारदा पटेल एवं डॉ. भूमिजा राजपूत की नियुक्ति से स्त्री एवं प्रसूति रोग संबंधी सेवाएं मजबूत होने लगी हैं। अस्पताल में स्थापित सोनोग्राफी मशीन को जल्द शुरू करने की तैयारी भी अंतिम चरण में है। इसके संचालन की जिम्मेदारी डॉ. शारदा पटेल को दिए जाने की प्रक्रिया चल रही है जबकि डॉ. भूमिजा राजपूत को शासन स्तर पर 15 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। इस दिशा में सीबीएमओ डॉ. यूएस पटेल के प्रयास भी रंग लाते दिखाई दे रहे हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि आवश्यक कार्यालयीन औपचारिकताएं पूरी होते ही हटा सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी सेवा शुरू कर दी जाएगी जिससे मरीजों को जिला अस्पताल

की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। हालांकि सीजर ऑपरेशन शुरू होने में अभी कुछ समय लग सकता है। अस्पताल में नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण करने वाली जांच टीम ने इसे फिलहाल ऑपरेशन के लिए अनुपयुक्त घोषित किया है। इसके चलते सीजर ऑपरेशन की सुविधा शुरू नहीं हो सकी है।डॉण् रीता चटर्जी ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर में आवश्यक सुधार कराने के लिए सीएमएचओ कार्यालय द्वारा मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। स्वीकृति मिलने के बाद निर्धारित मानकों के अनुरूप सुधार कार्य कराया जाएगा। जांच के बाद एनओसी प्राप्त होते ही ऑपरेशन थिएटर में सीजर सहित अन्य शल्यक्रियाएं शुरू कर दी जाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही हटा क्षेत्र की महिलाओं को प्रसूति एवं स्त्री रोग संबंधी अधिकांश सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी और सामान्य उपचार से लेकर सोनोग्राफी तथा सीजर ऑपरेशन जैसी सेवाओं के लिए जिला अस्पताल पर निर्भरता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

प्रणामी सम्प्रदाय के धर्मगुरु चला रहे आत्मजागृति अभियान

हटा (स्वतंत्र मत)। राजस्थान के नागौर जिले के उद्योगपति पिता-पुत्र अपने व्यवसाय को पीछे छोड़ समाज में अध्यात्म का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से आत्मजागृति जनजागरण यात्रा पर निकले हैं। पन्ना स्थित प्राणनाथ मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा हटा विधानसभा क्षेत्र के लगभग 10 गांवों का भ्रमण करते हुए हटा की पांडेय कॉलोनी पहुंची, जहां जनपद सदस्य कनई पटेल के निवास पर उन्होंने यात्रा के उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की। यात्रा का नेतृत्व कर रहे हेमंत भंडारी ने बताया कि वे भागवत कथा के माध्यम से लोगों को अध्यात्म से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब व्यक्ति अध्यात्म से जुड़ता है तो उसे जीवन जीने की सही दिशा मिलती है और वह अच्छे-बुरे का विवेक

विकसित कर पाता है। इससे समाज में नैतिकता, सद्भाव और सकारात्मक सोच को भी बल मिलता है। उन्होंने कथा आयोजनों में अत्यधिक संगीत और मनोरंजन को अध्यात्म के मूल उद्देश्य के विपरीत बताते हुए कहा कि जहां मनोरंजन प्रमुख हो जाता है, वहां अध्यात्म की गंभीरता और चिंतन-मनन कमजोर पड़ जाता है।

विधायक ने मूंग खरीदी केंद्र और खाद गोदाम का निरीक्षण किया

हटा (स्वतंत्र मत)। विधायक उमादेवी खटीक कृषि उपज मंडी हटा पहुंची, विधायक ने यहां मूंग खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया और खाद गोदाम का भी जायजा लिया। विधायक ने मंडी में मूंग खरीदी केंद्र शेड पर किसानों से चर्चा की तुलाईए बारदानाए परिवहन और भुगतान के संबंध में जानकारी ली मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को किसानों के लिए पर्याप्त सुविधाएं देने और कोई परेशानियां न हो इसके निर्देश दिए।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-27/87

दिनांक 05.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति वीणा कुमारी W/O अमरेश कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 84 नमामि वैली सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000293983 पर दर्ज भूमि का क्षेत्र 960 व.फु. पर निर्मित भूतल विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति शैलेन्द्री कुशवाहा पति श्री आनंद कुमार कुशवाहा का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

टिकरी बुजुर्ग में विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी की उपस्थिति में ग्रामीणों को विधिक जानकारी एवं उनके अधिकार विषय पर जानकारी दिये जाने के उद्देश्य से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत टिकरी बुजुर्ग में किया गया। शिविर में व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उषाकांता

कृषाण, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, सरपंच राजाराम, सचिव कमलेश सींग एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहें। शिविर को संबोधित करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश सुभाष सोलंकी ने कहा कि सभी नागरिकों को समान अधिकार संविधान के द्वारा दिये गये है, अधिकारों का उल्लंघन होने पर व न्यायालय की शरण में आ सकते है। इस कारण हर व्यक्ति को कानूनी की जानकारी होना आवश्यक है क्योकि विधिक जागरूकता से समाज सशक्त होता है जब कानून की जानकारी होगी तभी नागरिक अपने विरूद्ध होने वाले शोषण व अपराध के विरूद्ध आवाज उठा सकता है। व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उषाकांता कृषाण दमोह ने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि ग्रामों में कृषि कार्य के लिए पंजीकृत ट्रेक्टर का प्रयोग अन्य कार्य के लिये किया जाता है, दुर्घटना होने उसके परिणाम अत्यंत कष्टकारी होते है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

(द्वितीय) निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	PRO-460 Date 07/08/2026 2026_UAD_527022_1	रानी अवंती बाई वार्ड 67 के अंतर्गत जमतरा स्थित गौरैयाघाट का निर्माण कार्य। (अध्यक्ष मद)	2 month 8.41	2,000/- 8414.00	22/08/2026
2.	PRO-460 Date 07/08/2026 2026_UAD_527022_2	रानी अवंती बाई वार्ड 67 के अंतर्गत मधुवन कॉलोनी में सी.सी. नाली एवं पुलिया का निर्माण कार्य। (अध्यक्ष मद)	2 month 8.41	2,000/- 8417.00	22/08/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptender.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री नगरपालिक निगम, जबलपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री यमुना प्रसाद मिश्रा पिता श्री चन्द्रिका प्रसाद मिश्रा विक्रेता द्वारा अपनी स्वामित्व कब्जाधीन संपत्ति मौजा उमरिया नं.ब. 8 प.ह.नं. 16 राजस्व निरीक्षक मण्डल तहसील व जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 136/2 का कुल रकवा 0.599 में से विक्रय रकवा 25 बाई 34 फुट याने 850 वर्गफुट यानि 78.96 वर्गमीटर भूमि खाली प्लाट दिनांक 22.07.2026 को विक्रय अनुबंध (Agreement to sell) के माध्यम से श्रीमती सविता पाण्डेय पति श्री वीरेन्द्र पाण्डेय क्रेता के पक्ष में विधिवत विक्रय कर रहे हैं।

यदि उक्त संपत्ति पर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी का किसी भी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, बंधक, भार, आपत्ति या अन्य कोई वैधानिक अधिकार हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिवस के भीतर अपने दावे के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी/क्रेता के समक्ष प्रस्तुत करें।

निर्धारित अवधि में कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा विक्रय की आगामी कार्यवाही विधि अनुसार पूर्ण कर दी जाएगी। इसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे या आपत्ति के लिए विक्रेता अथवा क्रेता उत्तरदायी नहीं होंगे।

दिनांक- 04.08.2026

व्ही.के.साहू, एडवोकेट एम.पी.हाईकोर्ट जबलपुर मो.- 9425154693

श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर की यज्ञशाला में 11 दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक प्रारंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र बांदकपुर स्थित श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर परिसर की यज्ञशाला में गुरुवार से 11 दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक का धार्मिक अनुष्ठान विधिविधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ। भगवान शिव की आराधना को समर्पित इस अनुष्ठान में 21 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुसार रुद्रपाठ एवं भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया जा रहा है। अनुष्ठान के प्रथम दिवस श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक रामकृपाल पाठक, श्रीमती कुसुम रानी पाठक, शिवम पाठक, श्रीमती शिवानी पाठक एवं वरुण कुमार मित्तल मुख्य यजमान के रूप में सम्मिलित हुए यजमानों ने वैदिक ब्राह्मणों के सान्निध्य में भगवान शिव का पूजन अर्चन एवं रुद्राभिषेक कर श्री देव जागेश्वरनाथ जी से विश्व कल्याण, जनकल्याण, सुख समृद्धि एवं सभी श्रद्धालुओं के मंगल की प्रार्थना की।मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता रवि शास्त्री ने बताया कि 11 दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक का आयोजन सनातन धर्म की प्राचीन वैदिक परंपराओं के अनुरूप किया जा रहा है भगवान शिव की उपासना में श्रीरुद्र के मंत्रों का विशेष स्थान है ।

श्रद्धा, शुद्धता एवं विधिपूर्वक किया गया रुद्राभिषेक मनुष्य को आध्यात्मिक शांति प्रदान करने के साथ उसके भीतर भगवान शिव के प्रति भक्ति, समर्पण और सात्विकता का भाव जागृत करता है इस अनुष्ठान की विशेषता यह है कि प्रतिदिन शुक्ल यजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी के 121 पाठ 21 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा सामूहिक रूप से संपन्न किए जा रहे हैं।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-73/

दिनांक 03.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ब्रायन डा सिल्वा पिता स्व. ऐरिक डा सिल्वा ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बनर्जी के भवन क्रमांक प्लाट नं. 275/1 एवं ब्लॉक नं. 16 प्लाट नं. 17/2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000398512 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 14600 व.फु. जिस पर निर्मित पर निम्न दस्तावेज शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र वसीयत नामा रिलीज डीड के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति स्व. वरना नरोन्हा पति स्व. एंथोनी नरोन्हा का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-27/72

दिनांक 03.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति जून शेणोय पिता श्री रोहन शेणोय ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बनर्जी के भवन क्रमांक ब्लॉक नं. 16 प्लाट नं. 17/1 प्लाट नं. 275 लवली होटल के बाजू सम्पत्ति के पिन 1000399002 पर दर्ज भूमि क्षेत्रफल 13399 व.फु. पर निर्मित भूतल 4000 व.फु. पर निम्न दस्तावेज शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र वसीयतनामा रिलीज डीड के आधार पर निगम में दर्ज श्रीति वायलट डा सिल्वा पिता ई.टी. डिसिल्वा का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-27/86

दिनांक 05.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गजेन्द्र सिंह पहाड़िया S/O जानकीलाल पहाड़िया (2) अनीता पहाड़िया W/O गजेन्द्र सिंह पहाड़िया ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक विला नं. 32 फेस-2 आनंनततारा तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378672 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2811 व.फु. जिस पर निर्मित पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र श्रीमति नीता गुड्स प्रा.लि. द्वारा मो. जाहिद कुरैशी पिता श्री रसूल मो. कुरैशी का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/26-27/89

दिनांक 06.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रियांशु सिंह शरद सिंह पिता श्री सत्येन्द्र सिंह ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बनर्जी के भवन क्रमांक MIG 23/1636 गोविंद भवन सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000399207 पर दर्ज भूमि का क्षेत्र फल वर्गफुट जिस पर निर्मित 1050 व.फु. प्रथम तल 345 व.फु. पर मृत्य प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र वसीयत नामा श्रीमति हृदय नारायण सिंह पिता कल्पनाथ सिंह का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

निगमायुक्त का एक्शन, किया पद से पृथक

खराब सड़क निर्माण पर प्रभारी उपयंत्री पर गिरी गाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने एक आदेश जारी करते हुए बताया कि अमखेरा और आस-पास के क्षेत्रों में घटिया सड़क निर्माण और लापरवाही के मामले में सख्त कदम उठाते हुए प्रभारी उपयंत्री पी. एडूकोण्डलू/लक्ष्मैया को पद से पृथक कर दिया है। उन्होंने बताया कि संभाग क्र. 15 के अंतर्गत वार्ड क्र. 74 अमखेरा, खजरी खिरिया मुख्य मार्ग से कुदवारी बस्ती, ओमकार नगर, जागृति नगर में सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण कराया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान कार्य गुणवत्ताहीन पाया गया।

जनपद पंचायत सिहोरा का मामला, भेजा गया प्रपोजल

सचिव विहीन हुई 2 ग्राम पंचायतें, अटकी कई योजनाएं

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत सिहोरा जिसके अधीन 60 ग्राम पंचायत के लगभग 160 गांव आते हैं। यहां दो ग्राम पंचायत जुझारी एवं फनवानी में पदस्थ सचिव 31 जुलाई को सेवानिवृत हो चुके हैं। जिसके चलते यह दोनों ग्राम पंचायत का सचिव विहीन हो गई है। आम जनमानस के कार्य बाधित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वन में व्यवधान पैदा हो रहा है। हालांकि इस संबंध में जनपद पंचायत सिहोरा के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है की दोनों पंचायत में सचिव को अतिरिक्त प्रभार देने की प्रक्रिया जारी है। जिसका प्रपोजल बनाकर जिला पंचायत जबलपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सिंह गहलोत को भेज दिया गया है ।

संगठन ही कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति : जीतू पटवारी

संगठन सृजन के तहत 2 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) एवं जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) द्वारा आयोजित संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत 2 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन पाटन बाईपास स्थित कृष्णम रिसॉर्ट में हुआ। शिविर के अंतिम दिन विभिन्न विषय विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, वैचारिक प्रतिबद्धता एवं आगामी राजनीतिक चुनौतियों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने समसामयिक विषयों पर पार्टी के दृष्टिकोण, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की भूमिका, जनमुद्दों की समझ, संगठन सृजन के महत्व तथा आगामी समय में पार्टी की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। इसके उपरांत वरिष्ठ प्रशिक्षक महेंद्र जोशी ने संगठनात्मक अनुशासन, सक्रिय कार्यकर्ता निर्माण तथा मजबूत संगठन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

जनसंपर्क को सशक्त बनाने किया प्रेरित

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भारतीय जनता पार्टी के प्रोपेगेंडा, तथाकथित सुशासन के दावों तथा प्रदेश के समसामयिक राजनीतिक मुद्दों पर कांग्रेस की विचारधारा और रणनीति से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। इसके बाद राहुल राज ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सोशल मीडिया, मीडिया प्रबंधन एवं आधुनिक संचार तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिया और कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों के जरिए जनसंपर्क को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया।

जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने की अपील

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने, जनसमस्याओं को मजबूती से उठाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षित एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर कांग्रेस आगामी समय में और अधिक मजबूत होकर जनता के विश्वास पर खरी उतरेगी। प्रशिक्षण शिविर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रा अध्यक्ष संजय यादव, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने बड़ी ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विधायक लखन घनघोरिया का स्वागत किया गया।

हड़ताल कर रहे पटवारियों से मिले नेता प्रतिपक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में अल्पप्रवास के दौरान मप्र के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार हड़ताल कर रहे पटवारियों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पटवारियों की समस्याओं को सुन उनके मुद्दे विधानसभा के उठाने की बात कही। इस दौरान पूर्व विधायक विनय सक्सेना सहित दर्जनों की संख्या में पटवारी उपस्थित रहे।

पाटन मार्ग बना जानलेवा, स्थानीय लोगों ने चकाजाम कर सरकार को दिया अल्टीमेटम

शहपुरा पुल बंद होने से बढ़ी बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी

आए दिन हो रहे हादसे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुरूवार को सैकड़ों की तादाद में स्थानीय लोगों ने एकत्रित होकर भारी वाहनों के दबाव और लगातार हो रहे सड़क हादसों के विरोध में पाटन चौराहे पर चक्का जाम कर दिया। लोगों का कहना है कि शहपुरा पुल टूटने के बाद पाटन मार्ग पर बढ़े भारी वाहनों का दबाव और लगातार सड़क हादसे हो रहे है। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर वाहन खड़े कर जबलपुर, कटंगी, दमोह और शहपुरा मार्ग पर यातायात रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस और एसडीएम मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराने की कोशिश की।

हादसों में हुई दर्जनों मौतें - प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व जिला पंचायत सदस्य ठाकुर उदय भान सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि लगभग 6 महीने पहले जबलपुर-भोपाल मार्ग पर शहपुरा का पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद भारी वाहनों का ट्रैफिक पाटन होकर डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद से इस मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि पिछले 6 महीनों में 40 से अधिक लोगों की जान सड़क हादसों में जा चुकी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि करोड़ों रुपए की लागत से बना शहपुरा फ्लाईओवर कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण भोपाल से जबलपुर आने-जाने वाले भारी वाहन अब पाटन कस्बे से गुजर रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजाना जाम, धूल और दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने दिया अल्टीमेटम - प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि जबलपुर-पाटन फोरलेन परियोजना स्वीकृत हो चुकी है और इसके लिए बजट भी मंजूर है, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। अब सरकार को 18 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया गया है। यदि तब तक मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पीछे से आ रही बेकाबू बस ने डायल 112 को मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर थानान्तर्गत महर्षि स्कूल के सामने उस वक्त अफरातफरी व भगदड़ मच गई, जब यात्री बस ने पुलिस के डायल 112 को टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगने से डायल 112 का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं पायल नीरज भार्गव के सिर, सीने, हाथ व पैर में चोट आई। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बस को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो गोरखपुर थाना से पुलिस का डायल 112 वाहन निकला और महर्षि विद्या मंदिर के सामने से बंदरिया तिराहा की ओर बढ़ रहा था। इस दौरान पीछे से आई बस ने डायल 112 को टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगते ही वाहन का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं पायलट नीरज भार्गव के सीने व सिर में चोट आई। दुर्घटना होते देख राह चलते लोगों सहित आसपास के लोग निकलकर आ गए। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नीरज को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर बस को जब्त कर लिया।

खबर है कि दुर्घटना के बाद बस चालक विवाद करने पर उतारु हो गया था। जिससे मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर बस को जब्त कर लिया।

वहीं घटना के बाद लोगों की भीड़भाड़ व वाहनों के चलते जाम के हालात निर्मित हो गए थे। पुलिस ने बस को थाना लाकर खड़ा किया। इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरु हो सकी।

सख्त सुरक्षा इंतजामों के बीच कल होगी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 सख्त सुरक्षा इंतजामों के बीच होगी। आयोग ने सफल एवं पारदर्शी आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 8 अगस्त से 13 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगी। जबलपुर में इस परीक्षा के लिये एक केंद्र बनाया गया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा शुरू होने से 90 मिनट पहले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। प्रवेश से पूर्व बायोमेट्रिक सत्यापन, फोटो मिलान, दस्तावेजों की जांच तथा हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्किंग की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला अधिकारियों द्वारा अलग कक्ष (केबिन) में की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थीयों के पास विकल्प होगा कि वे अपनी फ्रिस्किंग महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से करा सकें। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थी अपने साथ केवल ब्लैक पेन, पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और वैध फोटो पहचान पत्र ही लेकर आएं। प्रतिबंधित वस्तुओं को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने सभी परीक्षा केंद्रों एवं संबंधित संस्थानों को जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा निष्पक्ष, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

जिनसार के विद्यार्थियों ने किया आमजन को जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दाता जागरूकता दिवस के अवसर पर विक्टोरिया अस्पताल में स्वास्थ्य शिक्षा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान, नेत्रदान, रक्तदान एवं ऊतकदान (टिश्यू डोनेशन) के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा विभिन्न समुदायों के अधिकाधिक लोगों को दाता के रूप में पंजीकरण के लिए प्रेरित करना था, ताकि अधिक से अधिक मरीजों का जीवन बचाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दाता पंजीकरण, स्वैच्छिक दान के महत्व तथा दान से जुड़े जीवनरक्षक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही अंगदान एवं रक्तदान से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर निराकरण किया तथा उपस्थित लोगों से अपने परिवार एवं समाज में इस संबंध में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य (प्रभारी) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रियंका गैगोले एवं आसिया अंसारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित लोगों ने अंगदान, नेत्रदान, रक्तदान एवं ऊतकदान के महत्व को समझते हुए समाज में जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

अयोध्या से लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन पलटा, 4 महिलाएं घायल

बरगी थाना क्षेत्र के बहोरीपार गांव में हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाना अंतर्गत बहोरीपार गांव के समीप नेशनल हाईवे पर गुरुवार को अयोध्या से भगवान श्रीराम के दर्शन कर अपने गृह राज्य तेलंगाना लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर अचानक सड़क पर पलट गई, जिससे वाहन में सवार 4 महिला श्रद्धालु बुरी तरह घायल हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह अयोध्या में भगवान राम के दर्शन कर वापस तेलंगाना लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा तेज गति वाहन का चालक बहोरीपार में अचानक नियंत्रण वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण गाड़ी सड़क पर ही पलट गई। स्थानीय नागरिकों ने बिना विलंब तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम और एंबुलेंस सेवा को फोन किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी के अंदर फंसी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई थी और यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया था। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क के बीच से हटवाया और यातायात को पूरी तरह से सुचारू कराया। डाक्टरां के मुताबिक समय पर अस्पताल पहुंच जाने के कारण सभी घायल महिलाओं की स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है और किसी की भी जान को कोई खतरा नहीं है।

शंकर लाल लोधी का निधन

जबलपुर। आलोक नगर अधारताल निवासी गन कैरिज फैक्ट्री से सेवानिवृत्त श्री शंकर लाल लोधी का 81 वर्ष की आयु में गुरूवार को निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कट-पेस्ट की गलती पड़ी भारी, एफएसएल रिपोर्टों की जांच के आदेश

डीएनए रिपोर्ट में गलत नाम दर्ज होने पर हाईकोर्ट सख्त, मुख्य सचिव को दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्तपीठ ने एक मामले में सुनवाई के दौरान भोपाल स्थित राज्य फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए पिछले 5 वर्षों में तैयार हुई डीएनए एवं अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों की रेंडम जांच कराने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि वे 7 दिनों के भीतर प्रदेश के बाहर के 3 वैज्ञानिक अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित करें, जो इन रिपोर्टों की जांच करेगी। विशेष खंडपीठ ने कहा कि यदि एक मामले में कट-पेस्ट जैसी गंभीर गलती सामने आई है तो यह जानना आवश्यक है कि कहीं अन्य मामलों में भी ऐसी त्रुटियां तो नहीं हुईं। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी।

6 महीने के भीतर पूरी प्रक्रिया करने के निर्देश

सुनवाई के दौरान राज्य फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की प्रभारी निदेशक डॉ. हर्षा सिंह व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने स्वीकार किया कि डीएनए रिपोर्ट में गलत नाम दर्ज होना कट-पेस्ट की वजह से हुआ हो सकता है। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि इस तरह की लापरवाही स्वीकार की जाती है तो डीएनए/क्रोमोसोम के मिलान जैसे अत्यंत संवेदनशील वैज्ञानिक आंकड़ों की विश्वसनीयता भी संदेह के घेरे में आ जाती है। हाईकोर्ट ने कहा कि इससे न केवल फोरेंसिक जांच प्रणाली बल्कि कोर्ट में प्रस्तुत वैज्ञानिक साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इस मत के साथ हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि पिछले 5 वर्षों में तैयार हुई डीएनए और अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों का रेंडम चयन कर प्रदेश के बाहर के 3 विशेषज्ञ वैज्ञानिक अधिकारियों की समिति से जांच कराई जाए। उक्त पूरी प्रक्रिया 6 महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश हाईकोर्ट ने दिए हैं।

ये है पूरा मामला

हाईकोर्ट का यह आदेश नर्मदापुरम जिले के साकेत (इटारसी) निवासी पंकज कुमार बिंदोलिया की ओर से दायर आपराधिक अपील की सुनवाई के दौरान दिया गया। पंकज ने पॉक्सो विशेष न्यायालय द्वारा 16 मार्च 2026 को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसी मामले में सुनवाई के दौरान सामने आया कि 31 दिसंबर 2024 को एफएसएल भोपाल द्वारा जारी डीएनए रिपोर्ट में गलत व्यक्ति का नाम दर्ज था।

इस गंभीर त्रुटि के बाद हाईकोर्ट ने एफएसएल की प्रभारी निदेशक को व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। मामले में अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता घनश्याम शर्मा ने पक्ष रखा।

गंभीरता से किया जाए विचार

सुनवाई के दौरान संयुक्तपीठ ने प्रभारी निदेशक डॉ. हर्षा सिंह से उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि के संबंध में भी सवाल किए। उन्होंने बताया कि उनका विषय बायोलॉजी या बायोकैमिस्ट्री नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि एफएसएल के निदेशक पद पर फोरेंसिक साइंस, बायोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री या संबंधित विषयों के विशेषज्ञों की नियुक्ति पर गंभीरता से विचार किया जाए, ताकि वैज्ञानिक संस्थान की कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता बनी रहे।

आज से 16 कोच के साथ चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम मध्य रेल पर संचालित गाड़ी संख्या 20174/20173 रीवा-रानी कमलापति-रीवा वंदे भारत एक्सप्रेस की रेक संरचना में 75 दिनों के लिए अस्थायी संशोधन किया गया है। वर्तमान में संचालित 8-कोच वंदे भारत रेक को रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य के उद्देश्य से 75 दिनों हेतु झांसी वर्कशॉप भेजा जा रहा है। इसके स्थान पर 7 अगस्त से आगामी 24 अक्टूबर 2026 तक 16-कोच वाली वंदे भारत रेक का संचालन किया जाएगा। इस व्यवस्था से ट्रेन में उपलब्ध सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे त्यौहारी सीजन में अधिक से अधिक यात्रियों को आरक्षित सीट उपलब्ध हो सकेगी तथा यात्रा और अधिक सुविधाजनक एवं आरामदायक बनेगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**